SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 346 | गुवाहाटी | शनिवार, 15 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही भाजपा : एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन बोरा पेज 3
भारत और फ्रांस का रिश्ता ऐतिहासिक : प्रधानमंत्री मोदी पेज 4
प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र देशभर में जनता को उपलब्ध करा रहा सस्ती... पेज 5
दलित युवती का शव कुएं में मिला, सांसद डॉ. किरोड़ी ने कहा कि गैंगरेप के बाद हत्या पेज 8

भारत का तीसरा मून मिशन चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक लॉन्च

नई दिल्ली (एजे/हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को यहां एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए अपने तीसरे चंद्र मिशन- *चंद्रयान-3* का प्रक्षेपण किया। कल शुरू हुई 25.30 घंटे की उलटी गिनती के अंत में एलवीएम3-एम4 रॉकेट यहां स्थित अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से अपराह्न 2.35 बजे निर्धारित समय पर धुएं का घना गुबार छोड़ते हुए शानदार ढंग से आकाश की ओर रवाना हुआ। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ के मुताबिक, चंद्रयान-3, रॉकेट एलवीएम3-एम4 से सफलतापूर्वक अलग हो चुका है। बता दें कि 16 मिनट बाद चंद्रयान को रॉकेट ने ऑर्बिट में प्लेस किया और यह करीब 40 दिन बाद, यानी 23 या 24 अगस्त को लैंडर और रोवर चांद के

साउथ पोल पर उतरेंगे। ये दोनों 14 दिन तक चांद पर एक्सपेरिमेंट करेंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि विवादों में रही फिल्म आदिपुरुष की बजट से भी कम पैसों में चंद्रयान-3 को लांच में करने में लागत आई। बता दें कि चंद्रयान-3 का बजट लगभग 615 करोड़ रुपए है, जबकि फिल्म आदिपुरुष की कॉस्ट 700 करोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद कहा कि यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय है। उन्होंने इस उपलब्धि को वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण बताया। मोदी ने यान के प्रक्षेपण के तत्काल बाद एक ट्वीट में कहा कि चंद्रयान-3 ने

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय लिखा है। यह हर भारतीय के सपनों और महत्वाकांक्षाओं को ऊपर उठाते हुए ऊंची उड़ान भरता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। मैं उनकी भावना और -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रयान-3 : असम के बेटे ने निभाई अहम भूमिका

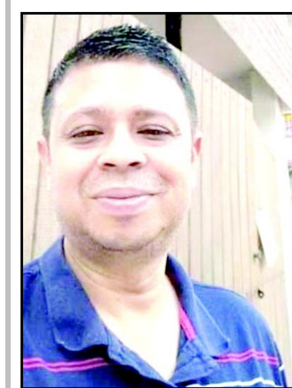

लखीमपुर। *चंद्रयान-3* के प्रक्षेपण की कमान असम के एक बेटे के हाथों में भी थी। जैसे ही चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण को देश-दुनिया ने लाइव देखा, वैसे ही असम के उत्तरी क्षेत्र के एक गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। इसकी वजह थी, उनके बीच का एक लड़का इस अभियान का हिस्सा था। यह लड़का बहुप्रतीक्षित मिशन के प्रक्षेपण नियंत्रण संचालन की देखरेख कर रहा था। मिशन में उप परियोजना निदेशक की भूमिका निभा रहे चयन दत्ता के माता-पिता उत्तरी लखीमपुर में छोटी सी दुकान चलाते हैं। चयन के पिता रंजीत दत्ता ने कहा कि सभी के आशीर्वाद से हमारा बेटा यहां तक पहुंचा है। हम भविष्य में ऐसी और सफलताओं के लिए उनकी शुभकामनाएं चाहते हैं। उन्होंने पत्नी और कुछ अन्य लोगों के साथ मोबाइल फोन पर प्रक्षेपण देखा। उन्होंने कहा कि हम साधारण पृष्ठभूमि के लोग हैं। मुझे खुशी है कि मेरे कुछ दोस्त हमारे साथ इस पल के गवाह बने। मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च होने पर चयन की मां भावुक हो गईं। जब उनसे उनके बेटे की सफलता के बारे में कुछ कहने को कहा गया तो उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक आए। उन्होंने सिर्फ मुस्कुराकर ही जवाब दिया। इसके अलावा उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। बेंगलुरु में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहने वाले चयन इस साल जनवरी में घर आए थे और जब आखिरी बार फोन पर बात हुई थी तो उन्होंने अपने माता-पिता से मिशन के लिए आशीर्वाद मांगा था। चयन दत्ता तेजपुर विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व छात्र हैं। वह फिलहाल अंतरिक्ष विभाग के यूआर राव उपग्रह केंद्र में वैज्ञानिक/इंजीनियर-जी के रूप में काम कर रहे हैं।

पूर्वाঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

कुरिचु बांध से भूटान छोड़ रहा पानी असम के जिले अलर्ट पर : सीएम

17 जिलों में बाढ़ का कहर, 67 हजार से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भूटान के कुरिचु बांध से शुक्रवार सुबह से अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है। इस वजह से असम के निचले इलाकों में जिला प्रशासन को संभावित बाढ़ के लिए अलर्ट पर रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुवार से पड़ोसी देश में मौसम की स्थिति में सुधार के बाद धारा-विरुद्ध छोड़े गए पानी की मात्रा बहुत अधिक नहीं हो सकती है। शर्मा ने ट्विटर पर लिखा कि आज सुबह कुरिचु बांध प्राधिकरण ने अतिरिक्त पानी छोड़ना शुरू कर दिया। प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पानी को गेटों के माध्यम से सावधानीपूर्वक पुनर्निर्देशित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने भूटान द्वारा पानी छोड़े जाने से प्रभावित होने वाली चार प्रमुख डाउनस्ट्रीम नदियों के जल स्तर पर बक्सा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का डाटा भी साझा किया। आंकड़ों के अनुसार, बेकी, मोरा पगलाडिया, कालडिया और पाहुमारा का जलस्तर खतरे के स्तर से नीचे है, पहले दो के स्तर में गिरावट दर्ज की गई है। पाहुमारा नदी का जलस्तर स्थिर बना हुआ है, जबकि कालदिया नदी के जलस्तर में तेजी की प्रवृत्ति दिख रही है। शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि भूटान की शाही सरकार ने पूर्वोत्तर राज्य को कुरिचु जलविद्युत संयंत्र से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इसके बाद निचले इलाकों में जिला प्रशासन को सतर्क रहने और किसी भी जरूरत के मामले में लोगों की हर संभव मदद करने के लिए सतर्क कर दिया गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी बुलेटिन के मुताबिक, इस साल राज्य में बाढ़ से शुक्रवार शाम तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक दस जिलों में 41,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 2,700 से अधिक लोगों ने पांच जिलों के 12 राहत शिविरों में शरण ली है। उधर राज्य में बाढ़ की स्थिति एक बार फिर से विकराल रूप धारण करती नजर आ रही है। पिछले दिनों आई बाढ़ का प्रभाव अभी कम भी नहीं हुआ था कि एक बार फिर से राज्य के 17 जिलों के हजारों लोग बाढ़ से प्रभावित हो गए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक राज्य के 17 जिलों के 67 हजार 689 नागरिक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य में चार नदियां छह स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसमें बेकी (सड़क पुल), बुढ़ीदिहिंग (सेनिमारी (खोवांग), ब्रह्मपुत्र (धुबड़ी; तेजपुर; निमातीघाट) और संकोश (गोलोकगंज) शामिल हैं। कई नदियों के तटबंध टूट गए और सड़कों को भी नुकसान हुआ है। प्रशासन बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से आज बाढ़ प्रभावित जिलों के आंकड़े जारी किए गए हैं। बाढ़ प्रभावित 17 जिलों में बाढ़ आई है। -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण पर मुख्यमंत्री ने इसरो को दी बधाई

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र (इसरो) को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि देश के लिए गौरव का एक दुर्लभ क्षण! बहु प्रतीक्षित चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र (इसरो) के साथ वैज्ञानिकों और इंजीनियर्स को बधाई!

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

परिसीमन मसौदे पर राज्य की जनता से बातचीत करेगा चुनाव आयोग

गुवाहाटी। भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) असम के विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अपने मसौदा प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए 19 जुलाई से गुवाहाटी में सार्वजनिक सुनवाई करेगा। सुनवाई व्यक्तियों और पार्टियों के सुझावों और आपत्तियों को सुनने के लिए आयोजित की जाएगी। शीर्ष चुनाव निकाय ने 20 जून की एक अधिसूचना के माध्यम से, असम के

विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अपने प्रस्ताव पर 11 जुलाई, 2023 तक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की थीं। इसके बाद, समय सीमा के भीतर लगभग 500 सुझाव और आपत्तियां प्रस्तुत की गईं। ईसीआई द्वारा जारी एक नोटिस में कहा गया है कि ये सुझाव और आपत्तियां आयोग के विचाराधीन हैं। ईसीआई यहां पंजाबारी में श्रीमंत शंकरदेव -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जिसकी आत्मा संयमित होती है, वही आत्मविजयी होता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अश्लील वीडियो प्रकरण पहुंचा आचार समिति के पास

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा अध्यक्ष विश्वबंधु सेन ने सदन में भाजपा विधायक जादब लाल नाथ के कथित घोर कदाचार के मामले को आवश्यक कार्रवाई के लिए आचार समिति को भेज दिया है। इसकी जानकारी एक वरिष्ठ विधायक ने शुक्रवार को दी। सत्तारूढ़ पार्टी के 55 वर्षीय विधायक को मार्च में पहले सत्र के दौरान विधानसभा के अंदर कथित तौर पर अश्लील वीडियो देखते हुए पकड़ा गया था। मुख्य सचेतक कल्याणी रॉय ने बताया कि भाजपा विधायक किशोर बर्मन ने -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से हाथापाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों में कथित चुनावी भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने आंदोलन के दौरान राज्य के उत्तरी 24 परगना जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस के साथ हाथापाई की। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने दावा किया कि गुरुवार को अकाईपुर रेलवे स्टेशन के पास भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा की गई नाकाबंदी को हटाने का प्रयास करने के दौरान हुई झड़प -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी पर आवेदन जमा करने की तारीख 28 तक बढ़ी

नई दिल्ली। विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर आवेदन जमा करने की तारीख को 28 जुलाई के लिए बढ़ा दिया है। आज शुक्रवार को (14 जुलाई) इसकी अंतिम तारीख खत्म हो रही थी। विधि आयोग ने अपने बयान में कहा कि यूसीसी के विषय पर जनता की मिल रही जबदस्त प्रक्रिया और अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए समय के विस्तार के संबंध में विभिन्न क्षेत्रों से मिल रहे कई अनुरोधों को देखते हुए डेडलाइन को बढ़ाने का फैसला लिया गया है। यूसीसी का आमतौर पर मतलब है कि देश के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून होना, -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार और एमजीआईएचवी के बीच एमओयू

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने देश के अग्रणी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (एमजीएएचवी) का परिसर असम में स्थापित करने के लिए आज विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वर्तमान में असम वस्त्र संस्थान के परिसर से

यह संस्थान अस्थायी रूप से अपने कार्यों का प्रबंधन करेगा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और शोध करने का भी प्रयास करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ला ने घोषणा की कि एमजीएचवी का असम परिसर राज्य में -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : हिंसा के बीच चोरों ने लूटा बैंक, कई इलेक्ट्रॉनिक सामान गायब

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच चोर अब बैंकों को अपना निशाना बना रहे है। कांगपोकपी जिले में एक बैंक से चोरों ने करीबन एक करोड़ रुपए मूल्य के कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक समान लूट कर ले गए। यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले अपराधियों ने

एक्सिस बैंक से 2.25 करोड़ के अभूषण और नकदी लूट चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर में सहकारी बैंक की कांगपोकपी शाखा तीन मई से ही बंद है। जब बैंक कर्मचारी तीन दिन पहले बैंक खोलने गए तो उन्हें चोरी के बारे में पता चला। पुलिस अधिकारी ने कहा कि बैंक की नकदी तिजोरी टूटी पाई गई। मुख्यालय के निर्देश के अनुसार बैंक -शेष पृष्ठ दो पर

मैं और मेरा से ऊपर उठें विधायक : राष्ट्रपति

जयपुर (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के दो सदनों को राजस्थानी चला रहे हैं, ये गर्व की बात है। इस दौरान राष्ट्रपति ने विधायकों को मैं और मेरा से ऊपर उठने की नसीहत देते हुए कहा कि प्रदेश और जनता के लिए सोचें। मुर्मू ने अपने भाषण की शुरुआत राजस्थानी में की। उन्होंने कहा कि अतिथि को भगवान मानने की भारतीय परंपरा को राजस्थान ने बहुत बढ़िया से निभाया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि राजस्थान री धोरां री धरती रां निवासियों ने शुभकामनाएं। कुछ बोलने से पहले इस विधानसभा की पावन धरती को मैं नमन

करती हूं। 1952 में राजस्थान विधानसभा का गठन हुआ, तब से 71 वर्ष का गौरवशाली इतिहास रचा गया। राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। पूर्व राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, विधानसभा अध्यक्षों, विधायकों को भी धन्यवाद देती हूं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि सदन में क्या बोलता है यह कभी-कभी अखबारों से पता लगता था, आज सबकुछ लाइव दिखता है। अतिथि को भगवान मानने की भारतीय परंपरा को राजस्थान ने बहुत निभाया है। यहां का अतिथि-सत्कार कोई नहीं भूल सकता। चंदरबरदाई का पृथ्वीराज रासो पहला हिंदी काव्य है जो राजस्थान में रचा गया। राजस्थान की मीरा बाई ने भक्ति साहित्य को अमूल्य योगदान दिया। जनजाति लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए मोतीलाल तेजावत ने संघर्ष किया। वीर -शेष पृष्ठ दो पर

खेतों से चोरी हो रहे टमाटर, रातभर चौकीदारी कर रहे किसान

विशाखापट्टनम। टमाटर ने खाने का टेस्ट तो बिगाड़ा ही है, नींद भी उड़ा दी है। आलम ये है कि कहीं रातभर टमाटर की चौकीदारी करनी पड़ रही है, तो कहीं बाउंसर तैनात किए जा रहे हैं। आंध्र प्रदेश में किसान रातभर टमाटर के खेतों में सो रहे हैं। पता चला कि इलाके में टमाटर चोर घूम रहे हैं। ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं जहां खेतों से टमाटर साफ कर दिए गए। कीमतों ने आम जनता को बेचैन किया हुआ है

सो अलग। दुकानदार भी किलो की बजाय पाव (250 ग्राम) की कीमत बताते हैं, ताकि ग्राहकों को हार्ट अटैक न आ जाए। देश के कई राज्यों में टमाटर की कीमत 150 से 250 रुपए प्रति किलो है। पेट्रोल भी इसके मुकाबले सस्ता है। कीमतों में राहत कि फिलहाल तो कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। पहले बारिश -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

शिंदे मंत्रिमंडल का विस्तार

अजित पवार को मिली वित्त विभाग की जिम्मेदारी

मुंबई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार के कैबिनेट में बड़ा विस्तार हुआ है। महाराष्ट्र के नव नियुक्त उपमुख्यमंत्री अजित पवार को वित्त और योजना मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनका नया कार्यालय मंत्रालय की पांचवीं मंजिल पर होगा, जो उपमुख्यमंत्री के कार्यालय के रूप में भी काम करेगा। वहीं, छगन भुजबल को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय सौंपा गया है। कैबिनेट मंत्री

आपदा प्रबंधन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं,अदिति सुनील तटकरे को महिला एवं बाल विकास विभाग सौंपा गया है। इसके अलावा, धनंजय मुंडे को कृषि और दिलीप वलसे पाटिल को सहकारिता विभाग मिला है। राधाकृष्ण विखे पाटिल को राजस्व, पशुपालन विभाग की जिम्मेदारी मिली। बता दें कि अजित पवार और आठ एनसीपी नेताओं ने 2 जुलाई को मंत्री पद की शपथ ली थी।

तेरापंथ धर्मस्थल में धर्म की अलख

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखा ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में प्रातः प्रवचन एवं सायंकालीन कार्यक्रम निरंतर गतिमान है। धर्म-प्रभावना का कार्य विकासोन्मुख है। साध्वी के चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के पश्चात जप-तप, स्वाध्याय आदि धार्मिक गतिविधियां जोर-शोर से चल रही हैं। साध्वीश्री की प्रबल प्रेरणा से तपस्याओं का क्रम निरंतर चल रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को रिशिका भटेरा (9) व राशि भटेरा (9) का तप अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर साध्वी ने अपने मंगल उद्‌बोधन में फरमाया कि सावन-भाद्र मास में तपस्या का वातावरण रहता है। हम अपनी शक्ति को टटोलें तथा तपस्या में अपने नाम अंकित करें। हमें अपनी शक्ति का गोपन नहीं करना चाहिए। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में सभी संघीय संस्थाओं के सहयोग से

आयोजित कार्यक्रम में साध्वीवृंद ने गीतिकाओं के माध्यम तपस्विनी बहनों के तप की अनुमोदना की। साथ ही सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कई श्रावक-श्राविकाओं ने तपस्विनी बहनों की तप अनुमोदना की। इससे पूर्व सुमिता बरड़िया (13), सुश्री शिक्षा बैंगानी (11), सुश्री प्रेक्षा बोथरा (8), मास्टर नीरव सुराणा (8), निशांत बुच्चा (9) का तप अनुमोदन किया गया। उल्लेखनीय है कि आगामी रविवार को स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में प्रातः 9 बजे से साध्वी के पावन सान्निध्य में सामूहिक उपसर्गहर स्तोत्र का जप 27 बार किया जाएगा। साथ ही सामूहिक आयम्बिल अनुष्ठान का भी आयोजन किया जाएगा। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा एवं मंत्री रायचंद पटावरी ने सभी श्रावक-श्राविकाओं से उक्त कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है।

दुमदुमा में बरामद दो बच्चों के शव

तिनसुकिया (हिंस)। जिले के दुमदुमा में दो बच्चों के शव आज नदी से बरामद किए गए। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार दोनों शव दुमदुमा नदी के किनारे से मिला। दोनों बच्चों की पहचान राहुल मुंडा और बिराज मुंडा के रूप में की गई है। दोनों गुरुवार की सुबह से लापता थे। दोनों छात्र नदी में तैरने के दौरान लापता हो गए थे। आखिरकार शुक्रवार को शव बरामद कर लिया गया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अस्पताल में शिशु की मौत को लेकर उत्तेजना

करीमगंज (हिंस)। एक बच्चे की मौत से करीमगंज में उत्तेजना फैल गयी है। परिजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल के मेडिकल स्टाफ की गलती के कारण शिशु की मौत हो गई है। यह घटना शुक्रवार को प्रकाश में आई। मृतक शिशु की पहचान बाजारीछोड़ा गांव के किशोर कुमार पाल की नौ माह की बेटी के रूप में की गई है। बच्चे को बीमारी के चलते लाइफ लाइन नामक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर डॉक्टरों ने बच्ची को सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएमसीएच) भेज दिया। हालांकि, एसएमसीएच में बच्ची की मौत हो गई। इसके बाद, बच्ची के परिवार वालों ने लाइफलाइन अस्पताल के डॉक्टर को जिम्मेदार ठहराया और मौत का कारण पूछा। इस पर दोनों पक्षों के बीच बहस हो गई और बाद में दोनों पक्षों द्वारा पुलिस में अलग-अलग मामले दर्ज करवाए गए। बच्ची की मां ने बताया कि बच्ची डायरिया से पीड़ित थी। इसके बाद उसे अस्पताल लाया गया और डॉक्टरों ने उन्हें दवाइयां दीं। लेकिन, बच्ची के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। दूसरी ओर, डॉक्टर ने कहा कि ऐसा होना सामान्य होगा, यह ठीक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने रात में बच्ची को एक इंजेक्शन दिया और फिर बच्ची रोने लगी और कांपने लगी। बच्ची की हालत को देखते हुए परिजन उसे सिलचर के मेडेकिल कॉलेज अस्पताल ले गए जहां बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बजाज अलियांज लाइफ की नई सेविंग स्कीम

गुवाहाटी। प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज अलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने आज अनूठा सेविंग प्लान लॉन्च किया। बजाज अलियांज लाइफ एसीई एक नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग, अर्ली इनकम लाइफ इंश्योरेंस प्लान है जो ग्राहकों को अपनी जरूरत के हिसाब से वित्तीय आवश्यकताओं के अनुसार नकदी प्रवाह को अनुकूलित करने के लिए बेहतर लचीलापन प्रदान करता है। पार्टिसिपेटिंग या सेविंग लाइफ इंश्योरेंस प्लान ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हैं क्योंकि यह सुरक्षा, नकदी और रिटर्न जैसी विशेषताएं देते हैं। बजाज अलियांज लाइफ की मौजूदा बचत योजनाएं न केवल इन सुविधाओं के साथ आती हैं, बल्कि कंपनी द्वारा नियमित रूप से घोषित उच्च रिटर्न और बोनस भी मिलता है। अपने नए सेविंग प्लान बजाज अलियांज लाइफ एसीई के साथ कंपनी ने अपनी सेविंग प्लान द्वारा दिए जाने वाले लाभों को और मजबूत किया है। बजाज अलियांज लाइफ एसीई उन सभी ग्राहकों के लिए बेहतर पसंद है जो अपने कई तरह के जीवन लक्ष्यों विभिन्न जीवन लक्ष्यों की योजना बनाने के लिए अपने आय प्रवाह को बनाने और नियंत्रित करने के इच्छुक हैं। इस प्रोडक्ट के माध्यम से ग्राहक अब आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनाने के लिए या तो एकमुश्त बड़ी आय चुन सकते हैं या नियमित आय और एकमुश्त दोनों के संतुलन का आनंद ले सकते हैं। यह सारी सुविधाएं जीवन बीमा के अतिरिक्त है। पार्टिसिपेटिंग या सेविंग लाइफ इंश्योरेंस प्लान में आमतौर पर ग्राहकों को इस तरह का लचीलापन नहीं मिलता और न ही उन्हें अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी आय प्रवाह को तय करने की पसंद मिल पाती है जो कि यहां मिल रही है। बजाज अलियांज लाइफ के एमडी और सीईओ श्री तरूण चुघ ने कहा कि पारंपरिक बचत उत्पादों को ग्राहकों के लिए और अधिक फायदेमंद बनाने के लिए, मुझे पहली बार किसी पार्टीसिपेटिंग प्लान में उन्नत फ्लेक्सिबिलिटी को पेश करते हुए खुशी हो रही है। यह सुविधा ग्राहकों को चुनने की शक्ति प्रदान करेगी। अपने वित्तीय लक्ष्य के आधार पर ग्राहक आय का स्तर चुन सकते हैं, वे कब और कितने समय के लिए आय चाहते हैं, और वे अपना नकदी प्रवाह कैसे चाहते हैं। यह पहले संभव नहीं था।

पृष्ठ एक का शेष

भारत का तीसरा मून...

रुपए थी। वहीं चंद्रयान 2 की लागत 603 करोड़ रुपए थी। हालांकि, चंद्रयान 2 की लॉन्चिंग पर 375 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। एलवीएम3-एम4 रॉकेट अपनी श्रेणी में सबसे बड़ा और भारी है जिसे वैज्ञानिक फैट बॉय कहते हैं। प्रक्षपेण देखने के लिए मौजूद हजारों दर्शक चंद्रयान-3 के रवाना होते ही खुशी से झूम उठे। आज रवाना हुआ चंद्र मिशन 2019 के चंद्रयान-2 का अनुवर्ती मिशन है। भारत के इस तीसरे चंद्र मिशन में भी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग का है। चंद्रयान-2 मिशन के दौरान अंतिम क्षणों में लैंडर *विक्रम* पथ विचलन के चलते सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफल नहीं हुआ था। यदि इस बार इस मिशन में सफलता मिलती है तो भारत ऐसी उपलब्धि हासिल कर चुके अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ जैसे देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा। इसरो ने पूर्व में कहा था कि चंद्रयान-3 कार्यक्रम के तहत इसरो अपने चंद्र मॉड्यूल की मदद से चंद्र सतह पर सॉफ्ट-लैंडिंग और चंद्र भूभाग पर रोवर के घूमने का प्रदर्शन करके नई सीमाएं पार करने जा रहा है। एलवीएम3एम4 रॉकेट को पूर्व में जीएसएलवीएमके3 कहा जाता था। अगस्त के अंत में चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की योजना बनाई गई है। उम्मीद है कि यह मिशन भविष्य के अंतरग्रही अभियानों के लिए सहायक होगा। चंद्रयान-3 मिशन में एक स्वदेशी प्रणोदन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और एक रोवर शामिल है जिसका उद्देश्य अंतर-ग्रहीय अभियानों के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करना और प्रदर्शित करना है। शुक्रवार का मिशन एलवीएम3 की चौथी अभियानगत उड़ान है जिसका उद्देश्य चंद्रयान-3 को भू-समकालिक कक्षा में प्रक्षेपित करना है। इसरो ने कहा कि एलवीएम3 रॉकेट ने कई उपग्रहों को प्रक्षेपित करने, अंतरग्रही अभियानों सहित अधिकतर जटिल अभियानों को पूरा करने करने की अपनी विशिष्टता साबित की है।

भारत की अंतरिक्ष...

सरलता को सलाम करता हूं! वहीं, इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 ने चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। हमारे एलवीएम3 ने पहले ही चंद्रयान-3 को पृथ्वी के चारों ओर सटीक रूप से स्थापित कर दिया है...हम चंद्रयान-3 के लिए शुभकामनाएं देते हैं ताकि वह आने वाले दिनों में चंद्रमा की ओर सफल यात्रा कर सके। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारतीय अंतरिक्ष के क्षेत्र में 14 जुलाई 2023 का दिन हमेशा स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा तथा यह राष्ट्र की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा। चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण शुक्रवार को अपराह्न 2.35 बजे किया गया। चंद्रयान-3 को ले जाने वाला 642 टन वजन का, 43.5 मीटर ऊंचा रॉकेट एलवीएम-3 श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के लिए शुभकामनाएं! मैं आप सभी से इस मिशन और अंतरिक्ष, विज्ञान एवं नवाचार में की गई देश की प्रगति के बारे में और अधिक जानने का आग्रह करता हूं। इससे आप सभी बेहद गौरवान्वित महसूस करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रयान-2 के प्रमुख वैज्ञानिक परिणामों में चंद्र सोडियम के लिए पहला वैश्विक मानचित्र, क्रेटर आकार वितरण पर उन्नत जानकारी, आईआईआरएस उपकरण के साथ चंद्र सतह पर जल से निर्मित बर्फ का स्पष्ट रूप से पता लगाना और बहुत कुछ शामिल है। उन्होंने कहा कि इस मिशन को लगभग 50 प्रकाशनों में चित्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां तक भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का प्रश्न है, 14 जुलाई 2023 हमेशा स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। हमारा तीसरा चंद्र मिशन चंद्रयान-3 अपनी यात्रा का शुभारंभ करेगा। यह उल्लेखनीय मिशन हमारे देश की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा। इसरो का चंद्रमा पर यान को सॉफ्ट लैंडिंग कराने यानी सुरक्षित तरीके से यान उतारने का यह मिशन अगर सफल हो जाता है तो भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जो ऐसा कर पाने में सक्षम हुए हैं। मोदी ने कहा कि चंद्रयान-2 भी उतना ही महत्वपूर्ण था, क्योंकि इससे जुड़े ऑर्बिटर के डेटा ने पहली बार रिमोट सेंसिंग के माध्यम से क्रोमियम, मैगनीज और सोडियम की उपस्थिति का पता लगाया था और इससे चंद्रमा के मैगमैटिक विकास के बारे में अधिक जानकारी भी मिलेगी।

कुरिचु बांध से ...

बाढ़ प्रभावित जिलों में बाक्सा, बिश्वनाथ, धेमाजी, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कोकराझार, लखीमपुर, माजुली, नगांव, नलबाड़ी, शिवसागर, तामुलपुर और तिनसुकिया शामिल हैं। बाढ़ से 37 राजस्व सर्किल अंतर्गत 317 गांवों के 67 हजार 689 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 2770.84 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 19 राहत शिविर स्थापित किये गए हैं जबकि 59 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। राहत शिविरों में कुल 4 हजार 531 लोग आश्रय लिए हुए हैं। बाक्सा में 636, चिरांग में 3 हजार 436, धुबड़ी में 348 तथा गोलाघाट में 111 लोग राहत शिविरों में आश्रय लिए हुए हैं। बाढ़ से राज्य के कुल 49 हजार 535 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 36 हजार 206 और छोटे पशुओं की 12 हजार 457 है जबकि 472 कुक्कुट भी प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग के साथ जिला प्रशासन की टीमें तथा मेडिकल टीमें भी तैनात की गई हैं। अब तक विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों में 10 नावों को तैनात किया गया है। नावों के जरिए 65 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं बाढ़ प्रभावित इलाकों में 24 मेडिकल टीमें अपनी सेवाएं दे रही हैं। बाढ़ प्रभावितों के बीच खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। इनमें 338.94 क्विंटल चावल, 61.73 क्विंटल दाल, 18.99 क्विंटल नमक, 1118.84 लीटर सरसों का तेल, पशुओं के लिए हरा चारा 260.00 क्विंटल, गेहूं का चोकर 321.42 क्विंटल और चावल की भूसी 3.00 क्विंटल शामिल हैं। राज्य सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह के आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

परिसीमन मसौदे पर...

कलाक्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय सभागार में सार्वजनिक बैठकें आयोजित करेगा। कोकराझार, चिरांग, बाक्सा, उदालगुड़ी, कार्बी आंग्लांग, पश्चिम कार्बी आंग्लांग और डिमा हसाओ जिलों के लिए बैठकें 19 जुलाई को दोपहर 3 बजे से निर्धारित की गई हैं। धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, दक्षिण सालमारा, बंगाईगांव, बरपेटा, नलबाड़ी, करीमगंज, हैलाकांदी और कछार जिलों के लिए सार्वजनिक बैठकें 20 जुलाई को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच निर्धारित की गई हैं, और इसके बाद कामरूप, कामरूप (मेट्रो) के लिए भी इसी तरह की बैठकें होंगी। नगांव, शोणितपुर, मोरीगांव और दरांग जिले उसी दिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक। इसके बाद दोपहर 3.30 बजे से राष्ट्रीय और राज्य मान्यता प्राप्त दलों के सदस्यों के साथ मसौदे पर बातचीत होगी। इसी तरह, डिब्रूगढ़, लखीमपुर, धेमाजी, शिवसागर, जोरहाट, चराइदेव, गोलाघाट, माजुली और तिनसुकिया जिलों के लिए सार्वजनिक बैठकें 21 जुलाई को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक निर्धारित की गई हैं। जिन व्यक्तियों ने सुझाव/आपत्तियां प्रस्तुत की हैं और आयोग के समक्ष अपनी बात रखने के इच्छुक हैं, उन्हें 19 से 21 जुलाई के दौरान संबंधित जिलों के कार्यक्रम के अनुसार कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होने के लिए कहा गया है। धरना प्रदर्शन के दौरान, विपक्षी सदस्यों ने असम के दौरे पर आए पार्टी प्रतिनिधिमंडल से मिलने से *इनकार* करने के लिए ईसीआई के खिलाफ नारे लगाए। ईसीआई द्वारा असम के 11-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इनकार करने के बाद, प्रतिनिधियों ने ईसीआई कार्यालय के सामने धरना शुरू कर दिया। यह शर्म की बात है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ईसीआई को भाजपा की विस्तारित शाखा के रूप में उपयोग कर रहे हैं कि असम कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा। कांग्रेस के नेतृत्व में पार्टी के सदस्य असम के परिसीमन मसौदे के खिलाफ चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपने वाले थे। पिछले दिन, पार्टी प्रतिनिधियों ने परिसीमन अभ्यास पर अपने सामूहिक विरोध का प्रतिनिधित्व साझा करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। असम कांग्रेस के साथ, जो दल ईसीआई के परिसीमन मसौदे का विरोध करने के लिए एक साथ आए हैं, उनमें रायजोर दल, असम जातीय परिषद, जातीय दल, तृणमूल कांग्रेस की राज्य इकाइयां, एनसीपी, सीपीआई, सीपीआई (एम), सीपीआई (एम-एल) शामिल हैं। लिबरेशन, राजद और जद(यू)। दूसरी ओर, जैसे ही असम भर में कई समूहों और राजनीतिक दलों द्वारा विरोध प्रदर्शन तेज हुआ, आम आदमी पार्टी (आप) ने सरकार और चुनाव आयोग से जनता की आवाज सुनने और राष्ट्रव्यापी परिसीमन के साथ-साथ परिसीमन करने का आग्रह किया। आप ने असम में आगामी चुनावों के लिए परिसीमन के मसौदे पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी, जिसमें कहा गया था कि परिसीमन प्रक्रिया में 2001 की पुरानी जनगणना के आंकड़ों पर निर्भरता, तब से जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को ध्यान में रखे बिना, ने जोरदार विरोध को आकर्षित किया है। राज्य के लोग। राज्यसभा सांसद और तृणमूल कांग्रेस नेता सुष्मिता देव ने परिसीमन मसौदे के विरोध में सोमवार को सिलचर में 10 घंटे की भूख हड़ताल की।

यूसीसी पर आवेदन ...

जो धर्म पर आधारित न हो। पर्सनल लॉ और विरासत, गोद लेने और उत्तराधिकार से संबंधित कानूनों को एक समान संहिता द्वारा कवर किये जाने की संभावना है। यूसीसी का कार्यान्वयन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा रहा है। उत्तराखंड पहले से ही अपनी समान नागरिक संहिता बनाने की प्रक्रिया में है। भाजपा ने हाल के विधानसभा चुनावों से पहले कर्नाटक में भी यूसीसी का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूसीसी की जोरदार वकालत करते हुए पूछा था कि देश व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले दोहरे कानूनों के साथ कैसे काम कर सकता है तथा उन्होंने विपक्ष पर यूसीसी मुद्दे का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय को *गुमराह करने और भड़काने* के लिए करने का आरोप लगाया था। इससे पहले, 21वें विधि आयोग ने इस मुद्दे की पड़ताल की थी और दो मौकों पर सभी हितधारकों से विचार मांगे थे। इसके बाद, 2018 में *पारिवारिक कानून में सुधार* पर एक परामर्श पत्र जारी किया गया था। इक्कीसवें विधि आयोग का कार्यकाल अगस्त 2018 में समाप्त हो गया था। बाइसवें विधि आयोग ने अब प्रक्रिया फिर से शुरू कर दी है और 13 जुलाई तक हितधारकों से विचार मांगे थे। मौजूदा आयोग को हाल ही में तीन साल का विस्तार मिला है। मौजूदा विधि आयोग ने 14 जून को जारी अपने सार्वजनिक नोटिस में कहा था कि यदि आवश्यकता हुई तो आयोग किसी भी व्यक्ति या संगठन को व्यक्तिगत सुनवाई या चर्चा के लिए बुला सकता है।

राज्य सरकार और ...

असमिया माध्यम में एक जन संचार पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय का भाषा प्रौद्योगिकी विभाग असमिया सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस आयोजन के बाद एक अन्य कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इसी स्थान पर आयोजित प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-ऊषा) के तहत धनराशि का प्रस्ताव तैयार करने के लिए जागरूकता बैठक में उपस्थित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों, कॉलेज प्राचार्यों और व्याख्याताओं की जागरूकता बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगू ने कहा कि जो कॉलेज नाक के मूल्यांकन में पिछड़ रहे हैं, उन्हें अपनी कमियों को दूर करने के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कॉलेज को 3000 छात्रों की नामांकन संख्या को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए आगे बढ़ना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आज के समय में डेटा विश्लेषण बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए नई शिक्षा नीति की शुरूआत और सफलता में छात्रों का एक सामान्य डेटाबेस और अद्वितीय रोल आवश्यक है। इस संबंध में उन्होंने हर कॉलेज से छात्रों के प्रवेश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि हमारे अच्छे काम दूसरों को प्रेरित करते हैं, इसलिए कॉलेजों को सोशल मीडिया के माध्यम से जनता को उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराना चाहिए। दोनों कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार डॉ. नानीगोपाल महंत, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव नारायण कोंवर, तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक ध्रुबज्योति बोरा आदि उपस्थित थे।

मणिपुर : हिंसा के बीच...

अधिकारियों ने मई में ही सारी नकदी और परिसर में लगे एटीएम को हटा दिया गया था। उन्होंने बताया कि छह कंप्यूटर, एक प्रिंटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान गायब थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि राज्य में तीन मई से हिंसा शुरू होने के बाद से ही बैंक दो महीने से ज्यादा समय से बंद था। उन्होंने बताया कि चोरों ने चोरी के लिए बैंक के पीछे के रास्ते का इस्तेमाल किया। बैंक के एक अधिकारी ने बताया कि 1.25 करोड़ की नकदी, कम से कम एक करोड़ रुपए मूल्य के आभूषण तथा एक कंप्यूटर गायब मिला। मणिपुर में तीन मई को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग के खिलाफ एकजुटता मार्च के दौरान हुए हिंसा में अबतक 100 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

मैं और मेरा से ...

बाला कालीबाई भील का बलिदान कौन भूल सकता है। इस अवसर पर राज्यपाल कलराज मिश्र ने विधानसभा का एक ही सत्र लंबा चलाने और सत्रावसान नहीं करने पर तंज कसते हुए नसीहत दी। राज्यपाल ने कहा कि विधानसभा के एक ही सत्र को लंबा नहीं चलाएं, सत्रावसान की कार्यवाही भी समय पर हो, इसकी आज सख्त आवश्यकता है। विधानसभा में कई बार हम देखते हैं कि कुछ विधायक सदन में गरिमापूर्ण आचरण नहीं करते हैं। हंगामा करते हैं, यह आचरण ठीक नहीं है। दूसरे को भी सुनने समझने का मौका देना चाहिए। विधायकों को आचरण सुधारने की आवश्यकता है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का संबोधन हमारे लिए गर्व की बात है। राजस्थान ने लंबा सफर तय किया है और अब हमें आर्थिक-सामाजिक आजादी की दिशा में काम करना होगा। राजस्थान में हमने सोशल सिक्योरिटी देने का काम किया हैं। इससे पहले विधानसभा में पहुंचने पर राष्ट्रपति मुर्मू का राज्यपाल कलराज मिश्र, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पैर में चोट के कारण विधानसभा नहीं आ सके। विधानसभा के इतिहास में सदन में राष्ट्रपति का भाषण पहली बार हो रहा है। विधानसभा मामलों के एक्सपर्ट और विधानसभा के पूर्व रिसर्च एंड रेफरेंस विंग के हेड कैलाश सैनी के मुताबिक राजस्थान विधानसभा में 1953 में देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू का भाषण हुआ था। 1952 में पहली बार विधानसभा का गठन हुआ था। उस समय विधानसभा सवाई मानसिंह टाउन हॉल में चलती थी। नवंबर 2001 में विधानसभा के नए भवन का उद्‌घाटन करने के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन आए थे। केआर नारायण ने उद्‌घाटन समारोह में भाषण दिया था, लेकिन यह समारोह सदन में नहीं हुआ था। उद्‌घाटन समारोह विधानसभा के गेट के सामने हुआ था। राष्ट्रपति के भाषण और विधानसभा से विदाई के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। विधानसभा में आज प्रश्नकाल और शून्यकाल की कार्यवाही नहीं होगी। विधानसभा में आज विधियां निरसन विधेयक और राजस्थान मेला प्राधिकरण विधेयक को पेश किया जाएगा। इसके बाद बालासोर रेल हादसे के पीड़ितों को सदन में श्रद्धांजलि दी जाएगी। बालासोर रेल हादसा पीड़ितों और दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देने के बाद विधानसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी जाएगी।

खेतों से चोरी हो...

लेकिन अब कई राज्यों में बाढ़ की वजह से खेती बर्बाद हुई है। मार्केट में टमाटर की कीमत सातवें आसमान पर है। चोरों को भी टमाटर चोरी में ज्यादा फायदा दिख रहा है। किसान टमाटर की चोरी की डर से रातभर रखवाली कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के बाजारों में टमाटर करीब 150 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। गरीबों के लिए अब टमाटर खरीदना मुश्किल हो गया है। उनकी पहुंच से बाहर होती जा रही है। आसमान छूती कीमत से किसानों को जमकर फायदा हो रहा है। मगर चोरी का भी खतरा मंडरा रहा है। कर्नाटक सीमा के पास चित्तूर जिले के कुप्पन में किसानों ने बड़े स्तर पर टमाटर की खेती की है। फसल तैयार होने की कगार पर है। ऐसे में चोरी होने का डर है। इससे बचने के लिए किसान रात भर जागकर खेत की फसल की रखवाली कर रहे हैं। खेतों में किसानों का खाट लग गया है। रात के समय में टॉर्च लेकर सो रहे हैं, ताकी चोर को दूर से ही देखा और पहचाना जा सके। टमाटर से नजर नहीं हटती। खेत के चारो तरफ पहरेदारी करनी पड़ रही है। परेशान किसान थोड़ी देर आराम करते हैं और फिर खेत के चक्कर लगाते हैं। मानों दूर से आते अपनों पर भी टमाटर चोर होने का शक हो। यही हाल कर्नाटक के सीमावर्ती इलाके का भी है। यहां भी टमाटर ने किसानों की नींद हराम कर दी है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से खबर आई कि यहां टमाटर की दुकान पर बाउंसर तैनात कर दिए गए। जी हां, लोग दुकानदार से कीमतों को लेकर बहस कर ले रहे हैं। हाथापाई तक की नौबत आ जाती है। वाराणसी में एक आजय फौजी हैं जिन्होंने इस खतरे से बचने के लिए दो बाउंसर दुकान के सामने तैनात कर दिए। उनपर एफआईआर तक हो गया। वो भी 295ए, 153ए और 505(2) जैसी धाराओं में। बाउंसर अरेस्ट भी कर लिए गए। बर्गर का टेस्ट टमाटर पर टिका है। मैकडोनाल्ड के बर्गर का टेस्ट भी इन दिनों फीका पड़ गया है। कहते हैं कि टमाटर की सप्लाई नहीं हो रही है। बर्गर में टमाटर देना ही बंद कर दिया। कुछ जगहों पर तो टोमेटो पिज्जा मिलना भी बंद हो गया है। दरअसल, दक्षिण भारत में भारी बारिश की वजह से टमाटर की खेती बर्बाद हुई है। अब बाढ़ की वजह से भी खेती बर्बाद हो सकती है।

अश्लील वीडियो प्रकरण...

बजट सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को विधानसभा में यह मामला उठाया और विधानसभा अध्यक्ष सेन का ध्यान आकर्षित किया। सेन ने मामले को आवश्यक कार्रवाई के लिए एथिक्स कमेटी के पास भेज दिया है। उन्होंने कहा कि नौ सदस्यीय आचार समिति इस मुद्दे पर चर्चा करेगी और दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्णय लेगी। 7 जुलाई को बजट सत्र के शुरुआती दिन में नाथ के खिलाफ कार्रवाई की विपक्ष की मांग पर हंगामा हुआ था, जो कथित तौर पर पिछले सत्र में कैमरे पर अश्लील वीडियो देखते हुए पकड़े गए थे। हंगामे के बीच, अध्यक्ष ने सदन के नेता मुख्यमंत्री माणिक साहा की सिफारिश पर टिपरा मोथा, सीपीआई (एम) और कांग्रेस के 5 विधायकों को दिन भर के लिए निलंबित कर दिया। बाद में साहा के प्रस्ताव के बाद निलंबन वापस ले लिया गया। रॉय ने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों ने उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना बजट सत्र के पहले दिन इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा कि अगर कोई सदस्य विधानसभा में ऐसा संवेदनशील मुद्दा उठाना चाहता है तो विधायक को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। सहायक दस्तावेजों के बिना अध्यक्ष ऐसे आरोपों पर विचार नहीं कर सकते हैं। उनका इरादा सदन में हंगामा खड़ा करना था। यही कारण है कि विपक्ष की मांग पर विचार नहीं किया गया। इस बीच, विवादों में घिरे उत्तरी त्रिपुरा जिले के बागबासा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पूरे बजट सत्र में अनुपस्थित रहे।

बंगाल में भाजपा ...

में कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना में एक पुलिस वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। केंद्रीय राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने आठ जुलाई के पंचायत चुनावों के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं पर धांधली का आरोप लगाते हुए अकाईपुर में एक विरोध मार्च में शामिल हुए। मंत्री के इलाके से चले जाने के बाद कुछ प्रदर्शनकारियों ने अकाईपुर रेलवे स्टेशन के पास सड़क जाम कर दी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब पुलिस ने नाकाबंदी हटाने की कोशिश की, तो आंदोलनकारियों ने पुलिस वालों के साथ हाथापाई की, जिससे उन्हें चोटें आईं। उन्होंने बताया कि घटना के सिलसिले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद शांति बनाए रखने के लिए घटनास्थल पर पुलिसकर्मियों की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई है।

स्वर्वेद भाष्य

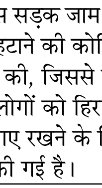

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

मन के मण्डल बैठकर, खोजें ब्रह्म अनूप।
प्रकटे मन वहि रूप में, विविध कलामय रूप॥ 23॥

शब्दार्थ : (मण्डल) घेरा (विविध) बहुत प्रकार।

भाष्य : मन के मंडल में बैठकर ब्रह्म के स्वरूप को खोजते हैं, मन उसी अपने स्वरूप को विविध रूपों में प्राप्त करता है अर्थात जो विषय मन के अंदर है, वही उसका स्वरूप है। वही मानसिक ध्यान होने से मन क ंदर छिपा हुआ स्वरूप ध्येय रूप में आ कर मन में प्रकट होता है, यह मन का मनन, ब्रह्म का स्वरूप का चिंतन नहीं।

आश्रय प्रकृति स्वरूप है, साधत हो तुम योग।
भूल भटकि जग में पड़ो, बिनु गुरु भेद न योग॥ 24॥

शब्दार्थ : (आश्रय) अवलंब (साधत) अभ्यास करना (भेद) युक्ति, रहस्य।

भाष्य : प्रकृति-आधार लेकर जितने योग के साधन होते हैं वे सभी प्रकृति के स्वरूप है, बिना गुरु के भेद पादय हुए योग नहीं होता इसलिए जीव भूल-भटक कर संसार-सागर में पड़े रहते हैं।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही भाजपा : एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति को प्रमुख मुद्दे के रूप में लाना चाहती है। ये गंभीर आरोप लगाते हुए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आज कहा कि जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव का दिन नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा और एआईयूडीएफ प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल सामूहिक रूप से असम में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति को हवा देने कोशिश कर रहे हैं। एक तरफ अजमल ने मियां-असमिया की नई परिभाषा रखी है तो दूसरी तरफ हिमंत विश्व शर्मा ने ऊपरी असम के युवाओं से मियां को खत्म करने के लिए सामने आने की अपील कर रहे हैं। भाजपा सरकार बेरोजगारी की समस्या

का समाधान नहीं कर सकती। बाढ़ और कटाव की समस्या का समाधान नहीं कर सकती। मूल्य वृद्धि को नियंत्रित नहीं कर सकती। चाय श्रमिकों की मजदूरी नहीं बढ़ा सकती। राज्य में बुनियादी ढांचे का विकास रुक गया है, सरकारी खजाना खाली करके सरकार उधार पर चल रही है। इसके अलावा भाजपा सरकार विदेशियों को बाहर निकालने, काला धन वापस लाने, बेरोजगारों को रोजगार देने सहित चुनाव में किए गए सैकड़ों वादों को लागू करने में बुरी तरह विफल रही है। इसलिए चुनाव के दौरान सरकार की इन नाकामियों पर लोगों को चर्चा का मौका न मिले, इसके लिए भाजपा सरकार आगामी लोकसभा चुनाव में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति को मुख्य मुद्दा बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री बदरुद्दीन अजमल को मजबूत करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, अब यह छिपा नहीं है। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले हिमंत विश्व शर्मा और बदरुद्दीन अजमल इस तरह के भड़काऊ बयान देकर सांप्रदायिक जहर घोलने की कोशिश कर रहे हैं। यह समझने के लिए जनता से अपील करते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि भाजपा और एआईयूडीएफ के इरादों से लोग अवगत हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष कलिता ने दी अजमल को चेतावनी

उदालगुड़ी (हिंस)। यह खिलंजिया (स्थानीय लोगों) का असम है। खिलंजिया ही असमिया हैं। अजमल को यह नहीं भूलना चाहिए कि मियां लोग असमिया सही नहीं है। यह टिप्पणी आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने की है। तीन गोगोई को लेकर हो रही चर्चा पर भवेश कलिता ने कहा कि भाजपा में और भी कई गोगोई हैं। तीन गोगोई भाजपा को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगे। भवेश कलिता आज उदालगुड़ी में भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन समारोह में मौजूद पत्रकारों के सवालों के जवाब में बोल रहे थे। रमेन डेका की उम्मीदवारी पर सांसद दिलीप सैकिया ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी जो करेगी उसे सांसद दिलीप सैकिया स्वीकार करेंगे। उदालगुड़ी जिला भाजपा के स्थायी कार्यालय का भूमि पूजन आज उदालगुड़ी शहर में आयोजित किया गया।

मंत्री बरुवा ने जल मिशन और स्वच्छता मिशन के कार्यों की समीक्षा की

डिमा हसाउ (हिंस)। सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने शुक्रवार को डिमा हसाउ जिला मुख्यालय शहर राफलांग में कई विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मंत्री ने उत्तर कछार हिल स्वायत्त परिषद क्षेत्र के जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक में सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी विभाग, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, जिला जल और स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) के सभी अधिकारी शामिल हुए। मंत्री ने प्रभावित जिले में पेयजल की कमी के कारण योजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन में आ रही विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान के उपायों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यों को निश्तित समय में पूरा करने के निर्देश दिए ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महत्वाकांक्षी योजना के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के पूरे लोगों को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल मिल सके। बैठक के बाद पत्रकारों से वार्ता करते मंत्री बरुवा ने डिमा हसाउ जिले के हर घर में स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने में उनके अपार योगदान के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में हाफलांग शहर के लिए अपनाई गई अमृत योजना के माध्यम से शहर में शहरी पेयजल व्यवस्था का प्रबंधन बहुत ही उचित तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डिमा हसाउ जिला असम का एकमात्र जिला रहा है, जिसने ओडीएफ प्लस पुरस्कार जीता है और स्वच्छता के क्षेत्र में एक विशेष तस्वीर बहुत ही सुंदर तरीके से प्रस्तुत की है। मंत्री ने कहा कि पर्वतीय जिलों में परिवहन की तमाम बाधाओं के बावजूद 2024 तक हर घर को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने स्वायत्त परिषद के सदस्यों से भी आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों की पेयजल सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यों को और अधिक रुचि के साथ आगे बढ़ाएं। बैठक में मंत्री नंदिता गर्लोसा, सांसद हरेन सिंह बे, उत्तर कछार हिल्स स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य देवलाल गार्लोसा, कार्यकारी सदस्य और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

असम के उज्वल भुइयां सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त, राज्य में खुशी का माहौल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के निवासी उज्वल भुइयां के सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त होने को ल-ेकर राज्य में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने उज्वल भुइयां को आज सुप्रीम कोर्ट के जज के पद की शपथ दिलाई। उज्वल भुइयां गुवाहाटी उच्च न्यायालय में काफी समय तक जज के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने गुवाहाटी में रहते हुए कई महत्वपूर्ण फैसले किए। उनके सुप्रीम कोर्ट का जज बनने से असम के लोगों की आशाएं और अधिक बढ़ गई है।

भूटान के कुरीशो बांध से छोड़ा गया पानी निचले असम के कई जिले डूबने की आशंका

गुवाहाटी (हिंस)। भूटान की ओर से पानी छोड़े जाने के कारण मनाह, बेकी, पगलादीया तथा बरनदी नदी के जलस्तर में उछाल आ रहा है। इस कारण निचले असम के कई जिलों में बाढ़ किसी भी समय आ सकती है। पड़ोसी देश में कुरीशो बांध से पानी छोड़े जाने के कारण मनाह और बेकी नदियां उफान पर हैं। भूटान की शाही सरकार ने गुरुवार को कुरिशो बांध से पानी छोड़े जाने की अग्रिम जानकारी दी थी। इस बीच बाक्सा जिला प्रशासन ने जनता के लिए विशेष अलर्ट जारी किया है। बेकी और मनाह नदियों के किनारे के निवासियों को सतर्क कर दिया गया है। इलाके के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। पगलादीया और बरनदी का जलस्तर भी इन दोनों नदियों के समानांतर बढ़ गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने जिला प्रशासन को एहतियाती कदम उठाने के लिए तत्काल आदेश जारी किये हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर भरोसा नहीं करें। प्रशासन के निर्देशानुसार सतर्क और सजग रहें।

नशाखोरों को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

तिनसुकिया (हिंस)। जिले के दुलियाजान के डेली बाजार ज्योति नगर इलाके में दो ड्रग्स नशेड़ियों को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। नशेड़ियों के पकड़ने जाने की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और माहौल को नियंत्रित करने में कामयाब रही। गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों को लोगों के गुस्से से पुलिस ने बचाया। गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों की पहचान दुलियाजान के ज्योति नगर इलाके के कुंदन राव और दुलियाजान के बिजलीबाड़ी इलाके के प्रियांशु बोड़ो के रूप में की गई है।

खेल के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए राज्य को सबसे अधिक धनराशि दे रहा केंद्र : किरेन

इटानगर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने आज (शुक्रवार) को इटानगर के जुलांग स्थित डॉन बास्को कॉलेज में आयोजित 5वीं राष्ट्रीय जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अरुणाचल प्रदेश के खेल बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए राज्य को सबसे अधिक धनराशि दे रही है। उन्होंने इटानगर में 5वीं राष्ट्रीय जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी का अवसर देने के लिए भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) का आभार जताया। साथ ही अच्छे आयोजन के लिए अरुणाचल एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन (एएबीए) की भी सराहना की और कहा कि अब अरुणाचल प्रदेश सभी प्रकार के राष्ट्रीय

कार्यक्रमों की मेजबानी करने में सक्षम है। उन्होंने इवेंट के जजों, रेफरियों की भी सराहना करते हुए कहा कि मुक्केबाजी एक उच्च तकनीकी खेल है, रेफरी और जाजों के लिए इसका आकलन करना आसान नहीं है। वर्तमान समय में भारत के अन्य राज्यों के साथ ही अरुणाचल प्रदेश में भी कई मुक्केबाज खिलाड़ी तैयार हो रहे हैं और एक दिन ओलंपिक खेल में भारतीय मुक्केबाज का दबदबा होगा, उम्मीद है कि अरुणाचल प्रदेश के मुक्केबाज भी उसमें भाग लेंगे। मुक्केबाजी ही नहीं विभिन्न खेलों में हिस्सा लेने वाले राज्य के कई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, अरुणाचल के खिलाड़ियों में प्राकृतिक रूप से प्रतिभा विद्यमान है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू सरकार के नेतृत्व में राज्य की भाजपा सरकार प्रदेश की सुविधाओं में सुधार के लिए काम कर रही है और केंद्र सरकार बुनियादी ढांचे के लिए राज्य में सबसे अधिक फंड भी दे रही है। राज्य सरकार का कर्तव्य है कि वह फंड की निगरानी और उचित उपयोग करे। जिससे हमारे खिलाड़ी बुनियादी ढांचे का उपयोग करें और एशियाई खेलों, ओलंपिक और अन्य राष्ट्रीय खेलों में भाग लें। उन्होंने लोगों से देश में खेलों को और अधिक बढ़ाने के लिए खिलाड़ियों का समर्थन करने और राज्य के खेलों को बेहतर बनाने के लिए समर्थन करने और खेल में निवेश करने की भी सलाह दी। इसके अलावा उन्होंने देश भर से आए सभी प्रतिभागियों की भी सराहना की और कहा कि आपकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य के शिक्षा मंत्री ताबा तेदीर ने कहा कि यह राज्य के मुक्केबाजों के लिए राष्ट्रीय खिलाड़ी बनने का बड़ा अवसर है और हमारे कई खिलाड़ी अच्छी तरह से तैयार हैं, 11 खिलाड़ियों में से 4 खिलाड़ियों ने इस चैंपियनशिप में फाइनल में प्रवेश किया। यह हमारे लिए बहुत गर्व का क्षण है, हमारे पास खेल में भारत के पावर हाउस बनने की क्षमता है, क्योंकि केंद्र सरकार की मदद से राज्य के खेल सुविधाओं में सुधार हो रहा है और हमारे खिलाड़ी भी सभी संबंधित खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

पांच अवैध रेत खनन मशीनें जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। नगरबेड़ा वन विभाग ने आज छापेमारी कर पांच अवैध बालू खनन मशीनों को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। जब पश्चिम कामरूप वन प्रमंडल के नगरबेड़ा नदी आरक्षी वन कार्यालय के एक हिस्से में अत्याधुनिक बालू खनन का काम चल रहा है। खबरों के अनुसार, नगरबेड़ा नदी आरक्षी वन रेंज वन अधिकारी शिबाशीष चांडिल्य के नेतृत्व में वन कर्मियों की एक टीम ने कार्यालय के तहत पुथिमारी में कलही नदी पर छापा मारा और रेत खनन में इस्तेमाल होने वाली पांच अवैध रेत खनन मशीनों को जब्त किया। जब्त मशीनों को नगरबेड़ा वन विभाग के कार्यालय में लाया गया था, लेकिन अवैध रेत खनन के संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। विदित हो कि नगरबेड़ा नदी आरक्षी वन कार्यालय के विभिन्न हिस्सों में लंबे समय से लकड़ी का अवैध व्यापार, लकड़ी मिल, बालू खनन का धंधा चल रहा है। आरोप है कि वन विभाग की मूकदर्शक भूमिका के कारण माफिया सर्कल इस तरह के अवैध कारोबार को जारी रखने में सफल रहा है। प्रकृति प्रेमी लोगों ने ऐसे अवैध धंधों को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मोरीगांव में 521 एटीएम कार्ड और स्वाइप मशीन के साथ एक गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव पुलिस ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के फर्जीवाड़े के मुख्य मास्टरमाइंड दिलावर हुसैन को गुवाहाटी के हातीगांव से गिरफ्तार किया है। उसके पास से 521 एटीएम और स्वाइप मशीन बरामद की गई। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि मोरीगांव के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समीरन बैश्य के नेतृत्व में गुवाहाटी के हातीगांव में छापेमारी की। फर्जी अकाउंट, फर्जी लाभार्थी बनाकर खेती नष्ट होना बताकर करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े के आरोप में दिलावर हुसैन को गिरफ्तार किया है। दिलावर हुसैन के पास से एक फिंगर मशीन, एक स्वाइप मशीन के साथ 521 एटीएम कार्ड बरामद किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का धन फर्जी लाभार्थियों का नाम बनाकर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

विश्वनाथ शाखा की साहित्यकार प्रज्ञाश्री धनदा कलिता सम्मानित

विश्वनाथ। अखिल आसाम लेखिका समारोह समिति विश्वनाथ चारिआलि शाखा लेखिका समारोह समिति के सौजन्य में आज हिमालय विवाह भवन सभागार में प्रज्ञाश्री धनदा कलिता का 80वां जन्मतिथि उद्यापन और अभिनंदन ग्रंथ लोकार्पण समारोह भव्यता के मनाया गया। सर्वप्रथम समारोह सभा का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ जिसमें वशिष्ट साहित्यकार प्रज्ञामयी कनकलता नेऊग, शिशुबंधु रेनू बोरा, गलिया महिला समिति के पूर्व अध्यक्षा दुर्गा गजुरेल, विश्वनाथ जिला महिला समिति के अध्यक्षा अरुणा बोरा ने क्रमश: एक - एक दीप प्रज्वलित करके जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इसके बाद लेखिका समारोह, विश्वनाथ चारिआलि शाखा समिति के अध्यक्षा माया बरठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित समारोह सभा में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल असम लेखिका समारोह समिति के अध्यक्षा सुवर्ण सैकिया, अभिनंदन पुस्तक लोकार्पक के रूप में अखिल असम लेखिका समारोह समिति के पूर्व अध्यक्षा डॉ. चारु चहरीया नाथ, निर्दिष्ट वक्ता के रूप में विश्वनाथ जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा, आमंत्रित अतिथि के रूप में विश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर, अखिल असम लेखिका समारोह समिति के प्रधान सचिव मनोमति कुर्मी, विश्वनाथ पौरसभा

के पौरपति अमर ज्योति बरठाकुर को मंचासीन कराया गया। इसके बाद सभी अतिथि को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। समारोह सभा में लेखिका समारोह, विश्वनाथ चारिआलि शाखा समिति के सचिव कल्पना भुइयां बरुवा ने सभा का उद्देश्य व्याख्या की। उपस्थित अतिथि ने अपने वक्तव्य में विशिष्ट साहित्यिक, शिक्षाविद, समाज संगठक, सफल मातृ के रूप में प्रतिष्ठित धनदा कलिता की 80वां जन्मतिथि पर हार्दिक शुभकामनाएं, सुस्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय की कामना की। उनकी जन्मदिन पर अखिल असम लेखिका समारोह समिति द्वारा अभिनंदन ग्रंथ प्रकाशित करने का कार्य की सराहना की। निर्दिष्ट वक्ता प्रदीप कुमार शर्मा ने *समसामयिक दौर में अभिनंदन ग्रंथ के प्रकाशन के प्रासंगिकता* पर प्रकाश डालते हुए कहा इस प्रकार ग्रंथ प्रकाशित से एक ऐतिहासिक दस्तावेज हो जाता है जिससे नव युवा पीढ़ी इससे प्रेरणा ले सकते हैं। इसके बाद पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई के सांगठनिक सचिव मनीषा पाल ने धनदा कलिता को जन्मदिन की बधाई देते हुए कविता पाठ की।

अखिल गोगोई सिर्फ बोलते हैं, सुनते नहीं : आसू

गुवाहाटी (हिंस)। असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के महासचिव शंकरज्योति बरुवा ने निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण को लेकर आज अखिल गोगोई पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिल गोगोई सिर्फ बोलते हैं। उन्हें दूसरे की बातों को सुनने की फुर्सत नहीं है। अखिल गोगोई ने गुरुवार को निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण के मुद्दे पर आसू को आड़े हाथ लेते हुए कहा था कि अखिल इस मुद्दे पर आसू के दृष्टिकोण से अचंभित हैं। अखिल गोगोई का कहना था कि आसू सरकार के कदम से कदम मिला रही है। इसको लेकर आसू के अंदर गहरी प्रतिक्रिया देखी गई। आज आसू के महासचिव ने कहा कि अखिल गोगोई सिर्फ अपने विधानसभा क्षेत्र शिवसागर में वोट की राजनीति चमकाने में लगे हुए हैं। आसू ने राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र को लेकर इस मुद्दे पर चुनाव आयोग के साथ चर्चा की है। आसू के प्रतिनिधिमंडल कई बार पहले भी इस मुद्दे पर चुनाव आयोग को परामर्श दे चुके हैं। आसू अध्यक्ष महासचिव ने सलाह दी है कि अखिल गोगोई को दूसरों की बातों पर टिप्पणी करने से पहले उन बातों को कम से कम सुन लेना चाहिए जिसपर टिप्पणी कर रहे हों।

जीएमसीएच में लायंस केयर की आहार सेवा

गुवाहाटी (विभास)। भागागढ़ स्थित जीएमसीएच परिसर में लायंस क्लब गुवाहाटी केयर की और से आहर सेवा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान परिसर में करीब ढाई सौ जरूरतमंद लोगों, रोगियों तथा उनके परिजनों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष सुमन सूद सहित पूर्व अध्यक्ष रश्मि बंसल व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी का 209वीं भानु जयंती सोल्लास संपन्न

तेजपुर/विश्वनाथ (हिंस)। हिंदी भाषा व साहित्य समृद्धि के साथ अन्य भाषाओं के साहित्य को हिंदी के साथ समन्वय स्थापित में जुटी असम के प्रमुख न्यास पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, तेजपुर, असम द्वारा कल प्रत्येक वर्ष की भांति नेपाली के आदिकवि भानुभक्त का 209वीं जयंती ऑनलाइन मंच गुगल मीट पर भव्यता के साथ मनाया गया। संध्या 7 बजे प्रथम सत्र का आयोजन किया गया। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के संस्थापिका व अध्यक्ष रीता सिंह सर्जना की अध्यक्षता में और डॉ. गोमा देवी शर्मा की कुशल संचालन में सभा में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। सर्वप्रथम सभा के अध्यक्षा रीता सिंह ने मंच पर उपस्थित सभी को महानुभावों को आदिकवि भानुभक्त जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं ज्ञापन की। इसके बाद सभा के संचालिका डॉ. गोमा देवी शर्मा के आह्वान पर तुलसी छेत्री ने सरस्वती

वंदना गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, उपस्थित अतिथियों ने आदिकवि भानुभक्त जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सभा के मुख्य अतिथि उदालगुड़ी के वरिष्ठ साहित्यकार वैद्यनाथ उपाध्याय ने आदिकवि भानुभक्त के जीवनी पर प्रकाश डाले। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विश्वनाथ के जाने माने वरिष्ठ साहित्यकार हरिप्रसाद लुइटैल जी ने भानुभक्त के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए महत्वपूर्ण बातें कही। मुख्य वक्ता ने कहा उनके द्वारा अध्ययन किए गए संस्कृति साहित्य को उन्होंने नेपाल के जनता की भाषा में काव्य रचना की तथा अपनी रचना के माध्यम से श्री राम को जनमानस तक पहुंचएं और उन्होंने कहा कि भानु जी रामायण ने भारत -नेपाल की समन्वय स्थापित किया। उनके द्वारा किए गए श्री राम के गाथा नेपाली भाषा के लिए उल्लेखनीय योगदान बताया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. स्नेहलता नेगी विशिष्ट अतिथि रूप में उपस्थित थी। उन्होंने अपने वक्तव्य में गोस्वामी तुलसीदास की रामायण का जिक्र करते हुए कहा कि जिस प्रकार तुलसीदास की रामायण लोक भाषा पर लिखी गई है ठीक वैसे ही नेपाली के आदिकवि भानुभक्त की रामायण भी पुनर्सृजित होकर नेपाल के जनमानस में पहुँची है। इस अवसर पर डॉ. दैवकी देवी तिम्सिना ने रामायण के कुछ श्लोक का पाठ किया। इसके बाद दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी हुआ, काव्य गोष्ठी में हिंदी कविता क्रमश: विश्वनाथ के बालकवि दिव्य ज्योति बरुवा, सांवर मल रासिवासिया, आनोवारा खातून, उदालगुड़ी के कवयित्री तुलसी छेत्री, हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो, डॉ. गोमा देवी शर्मा, डॉ. दैवकी देवी तिम्सिना, प्रेम विश्वकर्मा, रीता सिंह सर्जना ने काव्य पाठ किया तथा सभी श्रोताओं को भाव विभोर किया। श्रोताओं के रूप में, ममता गिनोडिया, डॉ. अनीता पंडा, गायत्री भट्टराई, डॉ.भक्त प्रसाद गौतम, कविता पोखरेल आदि उपस्थित रहे। इस समारोह में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई के जिला सचिव संतोष कुमार महतो ने इस कार्यक्रम के लिए उपस्थित सभी महानुभावों को विशेष धन्यवाद ज्ञापन किया।

NIT No. AVD/MPA/2023/E-Auction/ 2649

RE-SALE

Short E-Auction Notice

Under the provisions of Rules 32. 33, 34, 35, 36 & 37 of the Assam Minor Mineral Concession Rules,2013, Bids are invited online in two bid systems (Technical and Financial) by the undersigned as Schedule-“A” of the Auction document from the registered Contractors/Firms/Societies/Individuals, etc. for award of the Contract/ Permit for the following Minor Mineral Concession Areas (Mahal).

Name of Mining Contract Area (MPA)	Contract period	Area (in HA)
AVD_ South Champa Mining Permit Area 4 of 2023-25	2 years	4.50

Details of E-Auction will be available on https://assamforestonline.in/index.php from 17.07.2023

Divisional Forest Officer
Aie Valley Division
Bongaigaon

-- Janasanyog/C/6903/23

भारत और फ्रांस का रिश्ता ऐतिहासिक: प्रधानमंत्री मोदी

-पीएम मोदी ने पेरिस में भारतीय समुदाय के लोगों को किया संबोधित
-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस की जनता को दी नेशनल डे की बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। पेरिस के ला सीन म्यूजिकल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय समुदाय के बीच अपने संबोधन की शुरूआत 'भारत माता की जय' के नारे के साथ की। उन्होंने कहा कि आज का ये नजारा, ये दृश्य अपने आप में अद्भुत है। ये उत्साह अभूतपूर्व है। ये स्वागत उल्लास से भर देने वाला है। भारत माता की आवाज सुनकर ऐसे लगता है कि घर आ गया हूं। आप सभी का यहां आने के लिए हृदय से आभार। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता ऐतिहासिक है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मैं इससे पहले भी कई बार फ्रांस आ चुका हूं लेकिन इस बार मेरा फ्रांस आना और भी विशेष है। कल फ्रांस का नेशनल डे है। मैं फ्रांस की जनता को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं फ्रांस के लोगों का हृदय से धन्यवाद करता हूं। मोदी ने कहा कि आज दिन में प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न मुझे एयरपोर्ट पर रिसीव करने आई थीं और कल मैं अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ नेशनल डे परेड का हिस्सा बनूंगा। ये आत्मीयता सिर्फ दो देशों के नेताओं के बीच नहीं है बल्कि ये भारत-फ्रांस की अटूट दोस्ती का प्रतिबिंब है, रिफ्लेक्शन है। उन्होंने यहां भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश से दूर जब मैं भारत माता की जय का आह्वान सुनता हूं, कहीं से आवाज आती है- नमस्कार तो ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हूं पर हम भारतीय जहां भी जाते हैं, एक मिनी इंडिया जरूर बना लेते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे आज बताया गया कि इस समारोह में बहुत लोग ऐसे हैं, जो 11-11, 12-12 घंटे सफर करके यहां पहुंचे हैं। इससे बड़ा प्यार क्या हो सकता है। हम जानते हैं कि टेक्नोलॉजी के जमाने में किसी के लिए भी घर बैठकर के मोबाइल फोन पर लाइव टेलीकास्ट सुनना तो मुश्किल काम नहीं है लेकिन उसके बावजूद भी इतनी बड़ी तादात में, इतने दूर से लोगों का आना, समय निकालकर आना... मेरे लिए तो एक बहुत बड़ा सौभाग्य का अवसर है कि मुझे आप सबके दर्शन करने का अवसर मिला है। मैं आप सभी का यहां आने के लिए हृदय से बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

दिल्ली में यमुना का प्रकोप जारी, कई रिहाईशी इलाकों में भी घुसा पानी

अजय त्यागी

दिल्ली। राजधानी दिल्ली इस समय यमुना का प्रकोप झेल रही है। गुरुवार को दिल्ली में घुसा यमुना पानी शुक्रवार सुबह तक राजघाट पहुंच गया ओर सुबह 3 बजे तक राजघाट पार्क जलमग्न हो गया। इसके बाद बाढ़ का पानी बापू के समाधि स्थल तक भी पहुंच गया। यमुना का पानी दिल्ली के कई रिहाईशी इलाकों में भी घुस चुका है। शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वाक पर निकले लोग जब राजघाट पार्क पहुंचे तो पाया कि पूरा पार्क ही जलमग्न हो गया है। इसके साथ ही पानी का भरना अभी जारी है वो भी तेजी से। ये राजघाट से लगे तमाम इलाकों के लिये चिंता बढ़ाने वाली स्थिती है। आस-पास रहने वाले लोग राजघाट की स्थिती देखने पहुंचे। पानी यहां कमर से ऊपर तक भर चुका है और यदि पानी इसी तेजी से आता रहा तो आगे पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली के तमाम क्षेत्रों को अपने जद में ले सकता है।

इसबीच दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में बाढ़ और जलभराव की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए फ्रांस से उन्हें फोन किया। सक्सेना ने ट्वीट किया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस से फोन कर दिल्ली में जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति और उससे निपटने के लिये किये जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी ली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार से हर संभव सहायता लेकर दिल्ली के हित में समुचित कदम उठाने के निर्देश दिये हैं।

नागर विमानन क्षेत्र में वृद्धि के दौर की शुरूआतः ज्योतिरादित्य सिंधिया

-आईजीआईए पर चौथे रनवे और ईस्टर्न क्रॉस टैक्सी-वे का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि मौजूदा वक्त देश में नागर विमानन क्षेत्र के वृद्धि के दौर की शुरूआत का है। यह एक आर्थिक शक्ति के रूप में देश के उदय में योगदान दे रहा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (आईजीआईए) पर चौथी हवाई पट्टी और ईस्टर्न क्रॉस टैक्सी-वे (ईसीटी) के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही। देश के सबसे बड़े हवाईअड्डे आईजीआईए पर नई सुविधाएं शुरू होने से विमानों की आवाजाही में सहूलियत बढ़ जाएगी। आईजीआईए अब देश का इकलौता हवाईअड्डा हो गया है, जहां एक एलिवेटेड टैक्सी-वे होगा और उसके नीचे से सड़कें गुजरेंगी। इसके साथ ही दिल्ली हवाईअड्डे पर चौथा रनवे भी शुरू हो गया है। इसके पहले तीन रनवे के सहारे विमानों का परिचालन होता था। आईजीआईए पर हर दिन 1,500 से ज्यादा विमानों की आवाजाही होती है। दरअसल, ईसीटी आईजीआईए हवाईअड्डे के पूर्वी हिस्से में उत्तरी और दक्षिणी हवाई क्षेत्रों को जोड़ने का काम करेगा। यह ए-380, बी-777 और बी-747 जैसे चौड़े आकार वाले बड़े विमानों को भी संभाल सकता है। आईजीआईए का परिचालन दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के पास है।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी और सीबीआई से 28 तक किया जवाब तलब

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई और ईडी की ओर से दर्ज केस में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने दोनों जांच एजेंसियों को 28 जुलाई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिंघवी ने दलील दी कि सिसोदिया की पत्नी की वाकई हालात खराब है। उनका 50 फीसदी शरीर विकलांग हो चुका है। ईडी ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध किया। सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। तीन जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट ने सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी। 28 अप्रैल को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। ईडी के मुताबिक सिसोदिया मंत्री समूह के मुखिया थे और कैबिनेट के बारे में उनको सारी जानकारी थी। वे आबकारी नीति के बदलाव में मुख्य भूमिका में थे। ईडी के मुताबिक आबकारी नीति में फायदा पहुंचाने के बदले रिश्वत ली गई। ईडी के मुताबिक कोई भी नीति हवा में नहीं बनाई जाती है। मंत्री समूह की बैठक में लाइसेंस फीस और प्रॉफिट मार्जिन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। याचिका में सिसोदिया की ओर से कहा गया है कि सिसोदिया के खिलाफ मनी लांड्रिंग का कोई मामला ही नहीं बनता है। ईडी का पूरा केस सीबीआई के केस पर ही आधारित है। याचिका में कहा गया है कि मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 3 के तहत किसी भी तरह का अपराध सिसोदिया ने नहीं किया। कोर्ट को यह देखना होगा कि क्या धारा 3 के तहत कोई उल्लंघन किया गया है। ईडी ने इस मामले में सिसोदिया को 9 मार्च को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। सिसोदिया को पहले सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से 7245 श्रद्धालुओं का 12वां जत्था रवाना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से शुक्रवार सुबह 12वां जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस 12वें जत्थे में 7245 श्रद्धालु शामिल थे। जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से शुक्रवार को 4101 श्रद्धालुओं लेकर 125 वाहनों का काफिला पहलगाम के लिए रवाना हुआ। इसी तरह 101 वाहनों का काफिला 3144 श्रद्धालुओं को लेकर बालटाल स्थित आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 4,880 पुरुष, 1,936 महिलाएं, 424 साधु और छह बच्चे हैं। इसके साथ ही 30 जून से अब तक कुल 72,789 श्रद्धालु जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। 1 जुलाई से अब तक कुल 1,62,569 श्रद्धालुओं ने बाबा बफार्नी के दर्शन किए हैं।

अमरनाथ की पवित्र गुफा 3,888 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा 1 जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल से शुरू हुई थी। यह यात्रा 31 अगस्त को सम्पन्न होगी।

एनसीपी नेता नवाब मलिक की जमानत याचिका पर 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट एनसीपी नेता नवाब मलिक की जमानत याचिका पर 17 जुलाई को सुनवाई करेगा।जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 13 जुलाई को नवाब मलिक की अंतरिम जमानत खारिज कर दी थी। दरअसल, नवाब मलिक ने स्वास्थ्य आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की है। पहले की सुनवाई के दौरान नवाब मलिक की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि नवाब मलिक की एक किडनी फेल हो गई है और दूसरी काम करना बंद कर रही है। उनको जमानत दी जाए। दरअसल, मलिक को 23 फरवरी 2022 को ईडी ने कथित तौर पर भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़ी संपत्ति के लेनदेन के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था।

सोनिया और प्रियंका गांधी के आयकर असेसमेंट ट्रांसफर केस में सुनवाई टली

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की 2018-19 के आयकर असेसमेंट को इनकम टैक्स के केंद्रीय सर्किल में ट्रांसफर करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस संजीव खन्ना ने इस मामले की अगली सुनवाई अगस्त में करने का आदेश दिया। याचिका में 2018-19 के आयकर असेसमेंट को इनकम टैक्स के केंद्रीय सर्किल में ट्रांसफर करने के आदेश को चुनौती दी गई है। ये असेसमेंट आर्म्स डीलर संजय भंडारी से जुड़ा है। संजय भंडारी को रॉबर्ट वाड्रा का करीबी बताया जाता है दिल्ली हाई कोर्ट ने सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की याचिका खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ दोनों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। हाई कोर्ट ने कहा था कि इनकम टैक्स विभाग ने नियमों के मुताबिक फैसला लिया है। सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी ने अपने मामलों को सेंट्रल सर्किल में ट्रांसफर करने का इस आधार पर विरोध किया है कि उनका संजय भंडारी समूह के मामलों से कोई लेना-देना नहीं है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने रॉबर्ड वाड्रा के नजदीकी संजय भंडारी के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया हुआ है। मामला वाड्रा की करीब 1.9 मिलियन ब्रिटिश पाउंड की संपत्ति की खरीद से जुड़ा हुआ है। ईडी के मुताबिक लंदन की ये संपत्ति 12, ब्रायनस्टोन स्क्वायर में स्थित है। इस संपत्ति को संजय भंडारी ने 1.9 मिलियन ब्रिटिश पाउंड में खरीदी थी और उसे 2010 में 1.9 मिलियन ब्रिटिश पाउंड में ही बेच दी थी जबकि भंडारी 65,900 ब्रिटिश पाउंड इसके रेनोवेशन पर खर्च कर चुका है। इसका साफ मतलब है कि उस संपत्ति का असली मालिक भंडारी नहीं था बल्कि रेनोवेशन का खर्च वाड्रा ने वहन किया था। इस मामले में वाड्रा ने अपनी सफाई में कोर्ट को बताया था कि इस केस के पीछे राजनीतिक वजह है।

स्वास्थ्य संसदीय समिति की बैठक में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को लेकर हुई चर्चा

देहरादून, (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में शुक्रवार को देहरादून के एक होटल में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर सलाहकार संसदीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संसदीय समिति के सदस्यों ने पीएम-आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) और सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को प्रभावी ढंग से मजबूत करने और भविष्य में किसी भी महामारी/प्रकोप पर प्रतिक्रिया देने के तरीकों पर चर्चा की। सदस्यों ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, निगरानी और स्वास्थ्य अनुसंधान में महत्वपूर्ण अंतराल को भरने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रोफेसर एस.पी. बघेल और डॉ. भारती प्रवीण पवार, सांसद डी. पी. वत्स, फैयाज अहमद, जयंत कुमार रॉय, जावेद अली खान, मोहम्मद जावेद और भोला सिंह सहित समिति के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के ओएसडी सुधांश पंत, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल और अन्य सहित वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

चुनावी हिंसा की बलि चढ़ा एक और तृणमूल कार्यकर्ता, कोलकाता के एनआरएस अस्पताल में मौत

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दिन हुई हिंसा में घायल हुए सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के एक और कार्यकर्ता ने दम तोड़ दिया है। उसका नाम सइदुर रहमान है। वह मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज चक बाजितपुर गांव का रहने वाला था। शनिवार को मतदान वाले दिन कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच हुए हिंसक टकराव में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे कोलकाता लाकर एनआरएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां लगातार इलाज चल रहा था लेकिन शुक्रवार सुबह उसने दम तोड़ दिया है। उसके साथ तृणमूल कांग्रेस के एक और घायल कार्यकर्ता मोइदुल शेख को भी लाकर भर्ती किया गया था जिसमें 11 जुलाई यानी मंगलवार को मतगणना वाले दिन दम तोड़ दिया था। आरोप है कि मतदान वाले दिन कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में लाठी-डंडे लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से टकराव हुए थे। इसमें तृणमूल कार्यकर्ता घायल हुआ था। उसे लेकर राज्य के विद्युत राज्यमंत्री अखरुज्जमान ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने तृणमूल कार्यकर्ताओं पर बर्बर हमले किए थे। पुलिस इस मामले में कड़ी कार्रवाई करेगी। पारिवारिक सूत्रों ने बताया है कि आज ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में मरने वालों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है।

बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में आनंद मोहन की रिहाई को सही ठहराया

नई दिल्ली, (हि.स.)। बिहार के गोपालगंज के तत्कालीन डीएम जी. कृष्णैया की हत्या के दोषी पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई को सही ठहराते हुए बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। बिहार सरकार ने हलफनामे में कहा है कि आम जनता या लोकसेवक किसी की भी हत्या होने के मामले में सजा का प्रावधान समान है, ऐसे में उम्रकैद की सजा काट रहे दोषी को सिर्फ इसलिए छूट देने से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि मारा गया पीड़ित लोक सेवक था। बिहार सरकार ने कहा है कि उसने आनंद मोहन की माफी पर नीति और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विचार कर रिहा किया है। बिहार सरकार ने कहा है कि राज्य की सजा में छूट की नीति में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमित गुंजाइश है। बिहार सरकार ने कहा है कि आनंद मोहन ने अपनी कैद के दौरान तीन किताबें लिखीं और जेल में सौंपे गए कार्यों का भी निर्वहन किया। इससे पहले कोर्ट ने 08 मई को बिहार सरकार से रिहाई से जुड़ा रिकार्ड दाखिल करने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता और जी कृष्णैया की पत्नी उमा कृष्णैया की ओर से पेश वकील सिद्धार्थ लूथरा और तान्याश्री ने आनंद मोहन की रिहाई को रद्द कर उसे फिर से जेल भेजे जाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि आनंद मोहन का जेल में व्यवहार को तो ध्यान में रखा गया लेकिन दोषी के पूर्व के इतिहास को नजरअंदाज किया गया। ऐसा करना लोकहित के खिलाफ है। बिहार सरकार का ये कदम लोकसेवकों को मनोबल तोड़नेवाला है। हाल ही में बिहार सरकार द्वारा जेल नियमों में किये गये संशोधन के चलते ये रिहाई संभव हो पाई है। याचिका में कहा गया है कि आनंद मोहन की रिहाई सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के विपरीत है। आनंद मोहन की रिहाई का फैसला गलत तथ्यों के आधार पर लिया गया है। तत्कालीन डीएम जी. कृष्णैया की हत्या 5 दिसंबर 1994 को हुई थी।

पीएम मित्रा पार्क से मिलेगी सर्कुलर इकोनॉमी को तेजी : पीयूष गोयल

नवसारी/सूरत, (हि.स.)। गुजरात के नवसारी जिले के वांसी-बोरसी गांव में 1141 एकड़ क्षेत्र में पीएम मित्रा पार्क (मित्रा : मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल) के निर्माण के लिए गुरुवार को सूरत की वीर नर्मद यूनिवर्सिटी के कन्वेंशन हॉल में आयोजित एमओयू समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में राज्य एवं केंद्र सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री पियूष गोयल ने कहा कि यहां विश्व स्तरीय प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता के साथ ही प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार का त्रिवेणी संगम सृजित होगा। यह पार्क टेक्सटाइल क्षेत्र की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर निर्यात को और गति देगा। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क एक अनूठा औद्योगिक मॉडल बनेगा, जहां केंद्र और राज्य सरकारें कपड़ा उद्योग में निवेश बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहन देने, रोजगार के अवसर पैदा करने और भारत को कपड़ा उत्पादन एवं निर्यात के लिए ग्लोबल हब बनाने के लिए साथ मिलकर काम करेंगी। इस पार्क में उद्योग प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत दिए जाने वाले सभी लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात लॉजिस्टिक, नेशनल स्टार्टअप रैंकिंग, सुशासन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी व्यापार सुगमता तथा एक्सपोर्ट इंडेक्स जैसे क्षेत्रों में अव्वल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बनाने का संकल्प किया है। दुनिया के सबसे पुराने उद्योगों में से एक कपड़ा उद्योग ने वर्तमान समय के अनुरूप और भविष्य के साथ तालमेल बिठाने के लिए आधुनिकीकरण का मार्ग चुना है। उन्होंने कहा कि नवसारी जिले की जलालपोर तहसील के वांसी-बोरसी में 1141 एकड़ में आकार लेने वाला मेगा इंटीग्रेटेड अपैरल पार्क दक्षिण गुजरात सहित समूचे राज्य में रोजगार के नए अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ गुजरात के टेक्सटाइल उद्योग को और तेजी देगा।

गुजरात के कपड़ा उद्योग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के कुल निर्यात में गुजरात दूसरे स्थान पर है। देश के डेनिम कपड़े का 60 से 70 फीसदी उत्पादन अकेला गुजरात करता है, जो पूरे देश में प्रथम और दुनिया में तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा, गुजरात कपास का 37 फीसदी उत्पादन करता है और देश से होने वाले निर्यात में 60 फीसदी का योगदान देता है। देश के कुल मैन मेड कॉटन फाइबर के उत्पादन में गुजरात की हिस्सेदारी 5 फीसदी है, जबकि सिंथेटिक फाइबर के अन्तर्गत वुवन फाइबर के उत्पादन में 30 फीसदी के योगदान के साथ गुजरात अग्रिम स्थान पर है। केंद्रीय रेलवे और टेक्सटाइल राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश ने कहा कि एक छत के नीचे कताई, बुनाई, प्रसंस्करण-रंगाई और छपाई से लेकर परिधान बनाने तक की इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल वैल्यू चेन बनाएगी। यह इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल वैल्यू चेन उद्योग के लॉजिस्टिक्स खर्च को कम करेगी। भारत सरकार ने देश की उत्पादन क्षमता और निर्यात को बढ़ाने के लिए टेक्सटाइल उत्पादन यानी एमएमएफ (मैन मेड फाइबर) अपैरल, एमएमएफ फैब्रिक्स और टेक्निकल टेक्सटाइल उत्पादनों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को स्वीकृति दी है। उल्लेखनीय है कि इस योजना से जुड़े 86 में से 13 निवेशक अकेले सूरत से हैं। कार्यक्रम में गुजरात के उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी,सांसद सी.आर. पाटिल समेत कई कपड़ा उद्योग क्षेत्र के अग्रणी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र देशभर में जनता को उपलब्ध करा रहा सस्ती दवाएं : डॉ देवेंद्र शर्मा

- बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने किया जिला पुरुष चिकित्सालय का निरीक्षण
- ब्लड बैंक, इमरजेंसी, चिल्ड्रन वार्ड व एनआरसी सहित शासन की योजनाओं की जानी हकीकत

लखीमपुर खीरी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री डॉ देवेंद्र शर्मा ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला पुरुष चिकित्सालय एमसीएच विंग ओयल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इमरजेंसी सहित एनआरसी और चिल्ड्रन वार्ड का निरीक्षण किया। दवाओं की उपलब्धता जानी, मरीजों के तीमारदारों से बात की। प्रधानमंत्री जन औषधि का भी निरीक्षण किया। उन्हें सीएमएस जिला पुरुष चिकित्सालय डॉ आईके रामचंदानी और सीएमएस एमसीएच विंग डॉ. एसी श्रीवास्तव द्वारा चिकित्सालय का भ्रमण कराया गया। उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को करीब 11:30 जिला पुरुष अस्पताल ओयल पहुंचे। उनके साथ डिप्टी सीएमओ डॉ धनीराम भार्गव, सीएचसी फूलबेहड़ अधीक्षक डॉ. अमितेश द्विवेदी मौजूद थे। उन्होंने सबसे पहले ब्लड बैंक फिर इमरजेंसी और उसके बाद एनआरसी और चिल्ड्रन वार्ड का निरीक्षण किया है। उन्होंने एनआरसी में भर्ती नन्हे-मुन्ने बच्चों की माताओं से मिल रही दवाओं, भोजन और अन्य सेवाओं की जानकारी की। सभी मरीजों ने दवाओं व मिल रही सुविधाओं पर संतोष जाहिर किया। उन्होंने बाल रोग विशेषज्ञ डॉ आरपी वर्मा से भी दी जा रही सुविधाओं की जानकारी की। अपने निरीक्षण के क्रम में बताते हुए उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा ने कहा कि वे जिला खीरी के तीन दिवसीय भ्रमण पर हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों के तीमारदारों से उन्होंने बात की है जिला पुरुष चिकित्सालय में बेहतर सेवाएं दी जा रही है। शासन की मंशा के अनुरूप कार्य हो रहा है। एनआरसी में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था थी, दवाओं की उपलब्धता थी।

बच्चों को दिया जाने वाला दूध और नाश्ता खाना सब कुछ सफाई से बनाया जा रहा था। उन्होंने जिला पुरुष चिकित्सालय में दी जा रही सेवाओं पर संतोष जाहिर किया साथ ही साफ-सफाई की व्यवस्था पर भी संतोष व्यक्त किया। उन्होंने जिला पुरुष चिकित्सालय अधीक्षक डॉ आईके रामचंदानी के कार्य की प्रशंसा की। साथ ही कहा कि अभी कुछ ही समय में मेडिकल कॉलेज की सेवाएं मिलने लगेंगी। शासन इसे लेकर तेजी से काम कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक बेहतर करने को लेकर तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में ही मेडिकल कॉलेज की सेवाओं को जल्द ही जिले में शुरू करना है और मेडिकल कॉलेज का काम काफी हद तक पूरा भी हो चुका है। जल्द ही जिले के आम नागरिक को स्वास्थ्य की बेहतर सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री जन औषधि को लेकर कहा कि लोगों को महंगी दवाओं से छुटकारा मिल गया है और जिला अस्पताल सहित तहसील स्तर पर भी प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खुलने से आम जनमानस को काफी सुविधा हुई है।

यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट था और इसे और बेहतर करने के प्रयास निरंतर जारी है। आज लोगों को बेहद कम कीमत पर अच्छी क्वालिटी की दवाई मिल रही हैं। यह प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का बड़ा लाभ है। इस दौरान वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ एसके मिश्रा मैट्रन रजनी मसीह, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार निगम, जिला बाल संरक्षण अधिकारी गंगा सागर यादव, काउंसलर भाजपा नेता हिमांशु गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दिल्ली के बाद अब गाजियाबाद के लोनी में बाढ़, यमुना नदी का पुश्ता बांध टूटा, कई गांवों में घुसा पानी

गाजियाबाद, (हि.स.)। दिल्ली के बाद अब यमुना नदी का पानी गाजियाबाद के कई गांवों में भी घुस रहा है। शुक्रवार सुबह तक यमुना का पानी लोनी इलाके के कई गांवों में घुस गया। ट्रोनिका सिटी पुलिस चौकी भी डूब गई। इससे ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। जलस्तर बढ़ने के कारण मंडोला और आवास विकास बिजलीघर की बिजली सप्लाई को अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है। इसके चलते हजारों उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना भी करना पड़ रहा है। रात्रि में बागपत और लोनी की सीमा पर पानी के तेज बहाव से यमुना नदी का पुश्ता बांध टूट गया, जिसके चलते पानी लोनी के ट्रॉनिका सिटी, अलीपुर, पचायरा, नवादा, मीरपुर हिंदु, सुंदरपुर और नौसरपुर गांव में घुस गया है। ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों पर पूरी तरह पानी भर गया है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। बांध को दुरुस्त करने के लिए बागपत और गाजियाबाद जिला प्रशासन कोशिश कर रहा है। पुश्ता रात तक करीब 20 फीट का टूटा था, यमुना के तेज बहाव से वो पुश्ता अब करीब 150 फिट से भी अधिक क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने गुरुवार को इस इलाके का दौरा किया था। साथ ही गांवों में मुनादी भी कराई थी। एनडीआरएफ की टीम को भी मौके पर बुला लिया गया था।

शिक्षकों को अप्रैल 2021 से नहीं मिला अंशदान, नाराज माध्यमिक शिक्षक संघ 15 जुलाई को देगा धरना

मीरजापुर, (हि.स.)। जनपद के शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रान्त खाते में अप्रैल 2021 तक का ही अंशदान जमा हुआ है। जबकि दो करोड़ रुपये का बजट पड़ा हुआ है। इसके अलावा प्रान्त खाते में अप्रैल 2021 की कटौती का पूर्व अंशदान नहीं भेजा गया है। इस पर माध्यमिक शिक्षक संघ ने कड़ी नाराजगी जताई है। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री डा. रमाशंकर शुक्ल ने बताया कि शिक्षकों के कई प्रकार के अवशेष देयक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में पेंडिंग पड़ा है। इस संबंध में कई बार संगठन की ओर से वार्ता की गई और कई बार बिंदुवार समस्याओं की सूची जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपी गई, किंतु समस्या का निस्तारण आज तक नहीं हो सका। सबसे बड़ी समस्या एनपीएस अंशदान के विलंब होने की है। समस्याओं का समाधान न होने से माध्यमिक शिक्षक संघ में आक्रोश है। समाधान न होने पर संगठन 15 जुलाई को दोपहर साढ़े 12 बजे से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना देगा।

89 लाख पौधों से होगा विंध्य धरा का श्रृंगार, छाएगी हरियाली

- 22 जुलाई को प्रदेश भर में होगा पौधरोपण, करोड़ों रुपये होंगे खर्च
- प्रति पौधा तीन रुपये कीमत, प्रति 10 गड्ढे 201 रुपये मजदूरी

मीरजापुर, (हि.स.)। वन महोत्सव के तहत 89 लाख पौधों से विंध्य धरा का श्रृंगार किया जाएगा। इससे हर तरफ हरियाली छाएगी ही, ऑक्सीजन भी पर्याप्त मात्रा में मिलेगी। वैसे तो वन विभाग हर साल पौधरोपण करता है और सभी सरकारी विभागों को पौधों का वितरण भी करता है। यह पूरा प्रयास धरती को हरा-भरा करने का होता है। इस बार 22 जुलाई को 88 लाख 75 हजार 761 पौधे लगाए जाएंगे। विभाग के मुताबिक प्रति पौधे की कीमत तीन रुपये है। जबकि प्रति 10 गड्ढे के लिए मजदूरी 201 रुपये तय की गई है यानी इस बार भी करोड़ों रुपये पौधरोपण पर खर्च किए जाएंगे। वन महोत्सव के तहत 22 जुलाई को पौधरोपण किया जाएगा। इसके लिए रूप रेखा तैयार कर ली गई है। वन विभाग की ओर से 39 लाख पौधरोपण किया जाएगा। जबकि अन्य विभाग की ओर से 43 लाख 85 हजार 975 पौधे लगाए जाएंगे। प्रदेशभर में 22 जुलाई को वन महोत्सव के तहत कुल 35 करोड़ पौधा लगाने का लक्ष्य है। मीरजापुर में 88 लाख 75 हजार 761 पौधा लगाया जाएगा। पौधा लगाने के लिए लगभग 70 लाख गड्ढे बना लिए गए हैं और खोदे जा रहे हैं। प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद राज मिश्र ने बताया कि 22 जुलाई को जिले में पौधारोपण किया जाएगा। इसके लिए तैयारी कर ली गई है। 39 लाख वन विभाग व 43 लाख से अधिक अन्य विभाग पौधरोपण करेंगे।

स्कूली संसाधनों और शिक्षकों की कमी को दूर करने बदले स्कूलों का रंग बदल रही झारखण्ड सरकार : अन्नपूर्णा देवी

गिरिडीह (ईएमएस)। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा बच्चों की शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं। संसाधनों का घोर अभाव है। लेकिन उस दिशा में सुधार करने के बदले स्कूल भवनों का रंग बदल रहे हैं। कहा कि स्कूलों का रंग बदल देने से बच्चों को कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। सरकार को स्कूलों के संसाधनों और शिक्षकों की कमी को दूर करने पर ध्यान देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी गुरुवार को गांडेय प्रखंड के बड़कीटांड पंचायत के बंधाबाद में आयोजित लाभार्थी सम्मेलन को सम्बोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार संचालित योजनाओं से लाभार्थियों को रू ब रू कराया। साथ ही केंद्र सरकार के 9 वर्षों की उपलब्धियों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के शासनकाल का ही असर है कि आज का भारत विश्व में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बनने की ओर बढ़ रहा है। देशभर में आधारभूत संरचना के तहत रोड निर्माण किया जा रहा है। एक ओर जहां मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं, तो दूसरी ओर राम मंदिर निर्माण कार्य किया जा रहा है। प्राकृतिक खेती के लिए वर्मी कंपोस्ट खाद की आपूर्ति की जा रही है। कहा कि जन-धन योजना से 12 रुपए में लाइफ इंश्योरेंस किया जा रहा है। केन्द्र सरकार की ओर से हर महीना 70 हजार लोगों को रोजगार दिया जा रहा है। वहीं गांडेय स्वास्थ केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में भी केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी पहुंचीं। जहां उन्होंने टीबी मरीजों के बीच पोष्टिक आहार का कीट वितरण किया। इस दौरान उन्होंने बेंगाबाद, जमुआ, देवरी बिरनी, राजधनवार प्रखंडों से पहुंचे लगभग 80 मरीजों के बीच पोष्टिक आहार का पैकेट वितरित किया। बाद में केंद्रीय मंत्री प्रखण्ड क्षेत्र के मोहनडीह पहुंच किसानों से उनका हाल जाना। कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत सालाना 6 हजार की आर्थिक मदद दी जा रही है। उन्होंने किसानों को फसल बीमा योजना, एमएसपी में बढ़ोतरी, कृषि सिंचाई योजना की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने फुलची, पंडरी, ताराटांड़ सहित कई पंचायत के कार्यकर्ता से भी मिलीं। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष महादेव दुबे, पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक, दिलीप वर्मा, राजेश पोद्दार, कामेश्वर पासवान, अरुण हाजरा, मनीषा पांडेय, जय प्रकाश मंडल, एंथोनी स्वामी, हरी मंडल समेत काफी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज के विरुद्ध भाजयुमो ने मनाया काला दिवस

अररिया, (हि.स.)। पटना में गुरुवार को विधानसभा मार्च के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं पर की गई लाठीचार्ज के खिलाफ भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने काला पट्टी लगाकर काला दिवस मनाया। फारबिसगंज नगर अध्यक्ष किशन शर्मा के अगुवाई और प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार के मौजूदगी में स्थानीय गोढियारे चौक पर नीतीश तेजस्वी सरकार के खिलाफ जमकर नारा लगाते हुए प्रदर्शन किया गया। मौके पर भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने कहा कि बिहार में जंगल राज 3 का आगमन हुआ है। सरकार के इशारे पर पुलिसिया गुंडागर्दी हुई है, वह आजाद भारत मे निरंकुशता और तानाशाही का एक बड़ा गवाह बनेगा। कहा कि लोकतंत्र को शर्मसार करते हुए शिक्षकों महिलाओं छात्रों और बिहार के भविष्य को बचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज यह दर्शाता है कि नीतीश सरकार लाठीतन्त्र शासन चला कर विरोधियों को कुचलनेकी साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता के घमंड में कुर्सी कुमार ने निहत्थे कार्यकर्ताओं पर बर्बरतापूर्ण प्रहार कर लोकतंत्र की हत्या की है,जिसका माकूल जबाव बिहार की जनता देगी।वहीं भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष संदीप कुमार जिला मंत्री करण सिंह, विपुल सिंह, नगर उपाध्यक्ष आनंद कुमार ने पुलिसिया कारवाई की कड़ी निंदा करते हुए शांतिपूर्ण मार्च पर निर्ममतापूर्वक लाठी बरसाना सरेआम गुंडागर्दी है और इस गुंडाराज को बिहार की जनता भुगत रही है। मौके पर आदित्य शर्मा,वैधनाथ राय, पिंटू ठाकुर, निहाल ठाकुर, मंटू पोद्दार, अतुल कुमार, मनीष कुमार, प्रमोद पासवान सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे।

भूगर्भ जल जनजागरूकता सप्ताह कार्यक्रम मनाने के सीडीओ ने दिये निर्देश

- भूगर्भ जल सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने अधीनस्थों के साथ की बैठक

फतेहपुर, (हि.स.)। जिले में भूजल सप्ताह के तहत जनपद, तहसील, विकास खण्ड, ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किया जाना है, जो 16 जुलाई से 22 जुलाई तक आयोजित किये जायेंगे। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल की अध्यक्षता में विकास भवन में भूजल सप्ताह के प्रस्तावित कार्यक्रम की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने इस कार्यक्रम का मुख्य विचार स्लोगन हमारा संकल्प निभाना है, हर एक बूंद बचाना है पर ध्यान केन्द्रित करते हुए जन-जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के निर्देश दिये। जनपद में भूजल जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उन्होंने कहा कि स्कूल, कालेजों में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी, पद यात्रा, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता इत्यादि के माध्यम से प्रचार-प्रसार करके जन-जन में जागरूकता लायी जाये। इसी प्रकार ग्राम पंचायतों, विकास खण्डों तथा तहसील स्तरों में विभिन्न प्रकार से जागरूकता कार्यक्रम जैसे नुक्कड़ नाटक, कठपुतली नृत्य, साइकिल, मोटर साइकिल रैली एवं गोष्ठियों तथा होर्डिंग्स, पोस्टर्स, बैनर्स इत्यादि के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए। इस अवसर पर सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई सहित जनपदस्तरीय अधिकारी एवं भूजल समाजसेवी उपस्थित रहे।

सरायकेला में तृणमूल कांग्रेस नेता के पुत्र की सड़क दुर्घटना में मौत

सरायकेला, (हि.स.)। जिले के प्रमुख टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर केंदु गाछ मोड़ के समीप बीते गुरुवार की रात खड़े एक वाहन से टकरा जाने के कारण पल्सर सवार तृणमूल कांग्रेस के नेता सतवाहिनी निवासी उत्तम पात्रो के 27 वर्षीय पुत्र अरिजीत पात्रो उर्फ बापी की मौत हो गई जबकि उसका साथी राजीव प्रधान गम्भीर रूप से घायल हो गया। उसका इलाज टीएमएच में चल रहा है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, अरिजीत दोस्त राजीव के साथ पल्सर बाइक से आदित्यपुर से घर लौट रहा था। केंदु गाछ मोड़ के समीप पहुंचते ही उसकी बाइक सड़क पर खड़े एक वाहन से टकरा गई। मौके पर पहुंची आदित्यपुर पुलिस ने गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को टीएमएच पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने अरिजीत उर्फ बापी को मृत घोषित कर दिया। अरिजीत शादीशुदा था और उसकी एक छोटी बेटी भी है।

भ्रष्टाचार के किले को बचाने के लिए लोकतंत्र पर हमला : सुबोध मोहन ठाकुर

अररिया, (हि.स.)। महागठबंधन की सरकार भ्रष्टाचार के किले को बचाने के लिए लोकतंत्र पर हमला कर रही है। जिस व्यक्ति पर चार्ज शीट हुई है, उसको बचाने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री ने नैतिकता तक भूल गए हैं। मुख्यमंत्री जनता की आवाज को लाठी-डंडे से दबाना चाहती है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपरोक्त बातें भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सह कटिहार जिला प्रभारी सुबोध मोहन ठाकुर ने कही। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। बिहार में फैली भ्रष्टाचार अराजकता तानाशाही के खिलाफ तथा युवाओं ,महिलाओं , किसानों एवं शिक्षकों के अधिकारों को लेकर पटना में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पटना के गांधी मैदान में शांतिपूर्ण विशाल विधानसभा मार्च निकाला गया था। इसी दौरान सीएम नीतीश कुमार के इशारे पर बिहार पुलिस ने सांसद, विधायक भाजपा के महिला ,बुजुर्गों एवं युवाओं के साथ आतंकवादी और उग्रवादी की तरह बर्ताव कर सुनियोजित तरीके से बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज आंसू गैस का गोला एवं वाटर कैनन का इस्तेमाल कर जान से मारने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा दमनकारी कार्यवाही में बिहार की हजारों लोगों और कार्यकर्ताओं को गंभीर चोटें आई है। कईयों की हालत गंभीर बनी हुई है और एक भाजपा का सिपाही शहीद हो गए हैं। यह लोकतंत्र की हत्या नहीं तो और क्या है।

मतदाता सूची से वोटरों के नाम हटवा रही भाजपा : नरेश उत्तम पटेल

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव आयोग के जरिए मतदाता सूची में हेरफेर करने की बात कही है। उन्होंने निशाना साधते हुए भाजपा सरकार द्वारा मतदाताओं के सूची से नाम हटाकर लोकतंत्र की हत्या करने और गलत तरीके से चुनाव जीतने का गंभीर आरोप लगाया है। सपा मुख्यालय में शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि उच्च स्तर पर मतदाता सूची में बड़े पैमाने में हेरफेर हो रही है। चुनाव आयोग से इस पर शिकायत की गई है। 18 हजार मतदाताओं के नाम गायब होने की सूची चुनाव आयोग को दिया गया है। जानबूझ कर नाम हटाकर चुनाव जीतकर लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। हर बूथ पर 30-40 नाम काट दिए जा रहे हैं। एक विधानसभा में 20-20 हजार मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं यह पारदर्शी लोकतंत्र नहीं है। बीएलओ के माध्यम से नये मतदाता सूची के जब नाम जाते हैं तो इसमें फिडिंग में ना चढ़ाए जाए, इसकी चुनाव आयोग को निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए। किसी को मतदान से वंचित करना लोकतंत्र की हत्या करना है। ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) से बढ़ती तलख्खी के सवाल पर कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। सपा और रालोद की पार्टी के विचारों में कहीं कोई मतभेद नहीं हैं और गठबंधन को पूरी तरह से निभा रही है। सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने आजम खान की सुरक्षा हटाए जाने पर कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ अन्याय हो रहा है। जानबूझकर आजम को सरकार परेशान कर रही है। उनकी जान को खतरा था इसलिए, सुरक्षा मिली थी। प्रदेश में हत्या, लूट की वारदात बढ़ रही है।

रांची में अकाउंटेंट संजय हत्याकांड में तीन आरोपित गिरफ्तार

रांची, (हि.स.)। सुखदेवनगर थाना पुलिस ने जमीन कारोबारी कमल भूषण के अकाउंटेंट संजय कुमार सिंह की हत्या के मामले में दो शूटरों सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। संजय हत्याकांड में रांची के एक पूर्व दागी जमीन कारोबारी को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि अकाउंटेंट संजय सिंह की हत्या की साजिश भी रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के अंदर से रची गई थी। बिल्डर कमल भूषण के हत्याकांड के मुख्य आरोपित राहुल कुजूर और डब्लू कुजूर ने ही भाड़े के हत्यारों से संजय सिंह की हत्या करवाई थी। संजय सिंह की हत्या करने के लिए दोनों शूटरों को 50 हजार रुपये एडवांस के तौर पर दिए गए थे। उल्लेखनीय है कि बीते सात जुलाई को संजय सिंह रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित अपने कार्यालय से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने काली मंदिर रोड में संजय को गोली मारकर हत्या कर दी थी।

मूसलाधार बारिश से फारबिसगंज शहर हुआ पानी-पानी, नप की तैयारी की खुली पोल

अररिया (हि.स.)। जिले के मुख्य शहरों में से एक फारबिसगंज अनुमंडल मुख्यालय चंद घंटों के मूसलाधार बारिश में ही पानी पानी हो गया। जिसके कारण आम जनजीवन प्रभावित हो गया। मुख्य बाजार का इलाका सदर रोड, सुभाष चौक, जुम्मन चौक, मार्केटिंग यार्ड रोड, छुआपट्टी, रेफरल अस्पताल रोड आदि स्थानो पर सड़कों पर जल जमाव के कारण आने जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण नाला से पानी का बहाव नहीं होने के कारण नाला का गंदा पानी सड़क और लोगों के घरों और प्रतिष्ठानों में प्रवेश कर गया। जिसके कारण घरों और दुकानों में घुसे नाले के गंदे जल को बाहर निकालने में लोगों को कड़ी मशक्कत करते देखा गया। मूसलाधार बारिश ने नगर परिषद की बरसात से पूर्व साफ सफाई और जल निकासी के किए जा रहे दावों की भी पोल पूरी तरह खुल गई। सबसे खराब हालत छुआपट्टी और पटेल चौक रेलवे गुमटी के पास निर्माणाधीन नाला के मलबे और मिट्टी के सड़क पर रहने के कारण फिसलन की स्थिति बनी रही, जिसके कारण पैदल आने जाने वाले लोगों को भी भारी मुश्किलातों का सामना करना पड़ा। फारबिसगंज के मुख्य बाजार सदर रोड में पोस्ट ऑफिस चौक से स्टेशन चौक जाने वाले सड़क पर घुटना भर पानी का जमाव ने आमजनों को परेशान किया। पैदल जाने वाले राहगीर सहित वाहन चालकों को पानी से होकर गुजरने पर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं नाले से पानी का बहाव नहीं होने के कारण नाला के अंदर का कचड़ा सड़क पर पसर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद सदर रोड में बने नवनिर्मित नाला से पानी की निकासी कराया गया, जिसके बाद सड़क पर पानी के स्तर में कमी आई। लेकिन इस बीच सड़क कचड़ों से पटा रहा। वहीं ली अकादमी हाई स्कूल रोड में नाला के लबालब भर जाने के कारण नाला का गंदा पानी ली अकादमी के मैदान में भर गया। इसके अलावे पूर्व में नगर परिषद की ओर से मैदान के बाहर कचड़े के फेंकने के कारण पानी के साथ पूरा कचड़ा भी फैल गया, जिससे खेलप्रेमियों में तीव्र आक्रोश है। नाला से कचड़ा नहीं निकाले जाने के कारण लोगों के घरों में नाला का गंदा पानी प्रवेश कर गया। इसी तरह बंगाली टोला और प्रोफेसर कॉलोनी में भी सड़क पर जल जमाव ने आम जनजीवन प्रभावित कर दिया। बहरहाल दोपहर बाद बारिश थमने से लोगों ने राहत की सांस ली है। लेकिन नगर परिषद के हकीकत और दावों के बीच चंद घंटों की बारिश ने शहर में साफ सफाई और जल निकासी के दावों की कलई खोल कर रख दी।

संपादकीय

शिमला से दूर कितना हिमाचल

लगातार तीन दिनों तक हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने भारी बरसात से प्रभावित इलाकों में शिविर लगाया, तो राहत के पैमाने बदल गए। यानी बाढ़ व अत्यधिक बारिश की स्थिति में फंसे हिमाचल की जनता के नासूर दिखाई दिए और हजारों लोगों को बरसात की फांस से सुरक्षित निकाला गया। कुल्लू-मनाली से चंद्रताल झील या पार्वती वैली में फंसे पर्यटक अगर सुरक्षित अपने घरों को रवाना हो पाए, तो यह सरकार का शिमला के बाहर मौके पर मौजूद रहने का स्पर्श है। ऐसे में सवाल यह कि राजधानी शिमला के राजनीतिक-प्रशासनिक गलियारे क्यों नहीं राजस्तरीय दृष्टि को मजबूत होने देते। हालांकि सच यह है कि विभिन्न विभागों ने शिमला में बैठे-बैठे जरूर सोचा होगा कि मानसून के चक्र में प्रदेश की रखवाली कैसे की जाए, लेकिन हिमाचल का चक्कर किसी ने नहीं लगाया। राजधानी को फुर्सत नहीं कि प्रदेश के कोने-कोने को देखा जाए। ऐसे में मुख्यमंत्री का आपदाग्रस्त क्षेत्रों में होना साबित करता है कि मौके की तासीर में फैसले कितने चुस्त दुरुस्त व सच्चे होते हैं। दरअसल हिमाचल के भीतर कई-कई हिमाचल दौड़ने लगे हैं, लेकिन राजधानी की अकड़ में प्रशासनिक पकड़ का फासला दिखाई देता है। एक दौर शुरू हुआ था जब प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की राह पर कुछ क्षेत्रीय दफ्तरों की पौध उगी, लेकिन अब ये अप्रासंगिक व निहत्थे कबूतर हैं, जो सिर्फ अधिकारियों को पदोन्नत होने का अवसर देते हैं। जरूरत तो आज भी यही है कि शिमला से भरमौर और सिरमौर एक सरीखा लगे या चनौर से किन्नौर तक हिमाचल एक जैसा सोचे। यह असंभव है कि राजधानी की दमक में फाइलों के हस्ताक्षर महंगे और लंबे होते रहें। हिमाचल में सुशासन की पद्धति आज भी सचिवालय की बाबूगिरी के तहत नौकरशाही की आबरू में चलती है। हिमाचल की फाइलों का रिकार्डरूम भले ही राजधानी की ताजपोशी करे, लेकिन जब क्षेत्रीय अस्मिता के प्रश्न उभरते हैं, तो बर्फबारी, बाढ़ या अन्य आपदा के समय दर्द बढ़ जाता है। उदाहरण के लिए, हिमाचल का शिक्षा विभाग वार्षिक स्कूली अवकाश को लेकर प्रदेश के इतने टुकड़े कर देता है कि इसे खुद मालूम नहीं होता कि कब बर्फबारी होगी। बागवानी विभाग सेब के कूलिंग आवर्स गिनते-गिनते भूल जाता कि बिलासपुर-हमीरपुर के बूटों पर आम क्यों नहीं लगे या क्यों कांगड़ा का किन्नू टहनियों पर सूख गया। शिमला हिमाचल के औद्योगिक विकास को परवाणू व बीबीएन के बीच समेट कर देखता है, तो राजधानी से करीब की वजह से सारी ट्रैफिक प्लानिंग वहीं के ट्रैफिक जाम में उलझी रह जाती। हिमाचल की बरसात को जानने के लिए हर नदी, खड्ड या नाले के दर्द को समझना होगा। जख्म अगर बार-बार ऊना के डूबने के हैं, तो पिछले साल मांझी के उग्र रूप में बहे तटों का भी है। किसे याद होगा कि धर्मपुर का बस स्टैंड अब बरसात में डूबने की कहानी है। शिमला में बैठक करके परिवहन विभाग नीति तो बना सकता है, लेकिन सार्वजनिक परिवहन की टूटती श्रृंखला को नहीं देख सकता। आती होंगी नई बसें और हरी झंडी भी दी जाती होगी, लेकिन हर दिन सरकारी बसों की टूटी यात्राओं का वर्णन तो शिमला नहीं देगा। कौन बताएगा कि वर्षों पुरानी वोल्वो बस इस बरसात में कहां-कहां टपकी। कौन दिखाएगा कि हरिद्वार जाने वाली वोल्वो का टिकट अब सामान्य बस की यात्रा में पूरा हो जाएगा। जाहिर है सियासत और सुशासन में अंतर है। सियासत के लिए राजधानी शिमला स्वर्ग हो सकती है, लेकिन सुशासन के लिए दुरुह क्षेत्रों को नरक होने से बचाना होगा। क्या शिमला में बैठकर यह पता चल जाएगा कि इस मौसम में कितने बर्र (भूंड) मक्की के खेत से सीधे उडक़र लोगों पर प्रहार करते हैं। बरसात के दौरान ही सैकड़ों सांप निकल कर लोगों को डसते होंगे। बरसात में धान की खेती में नारी के पांव को कितने विषैले जीवों से खतरा रहता है। ऐसे में बहुत दूरियां हैं शिमला की सोच में आज भी हिमाचल को परखने के लिए। बेहतर होगा तमाम क्षेत्रीय कार्यालयों को जीवंत करें ताकि पूरे हिमाचल की नब्ज से सुशासन का पता चले।

> राजधानी को फुर्सत नहीं कि प्रदेश के कोने-कोने को देखा जाए। ऐसे में मुख्यमंत्री का आपदाग्रस्त क्षेत्रों में होना साबित करता है कि मौके की तासीर में फैसले कितने चुस्त दुरुस्त व सच्चे होते हैं। दरअसल हिमाचल के भीतर कई-कई हिमाचल दौड़ने लगे हैं, लेकिन राजधानी की अकड़ में प्रशासनिक पकड़ का फासला दिखाई देता है। एक दौर शुरू हुआ था जब प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की राह पर कुछ क्षेत्रीय दफ्तरों की पौध उगी, लेकिन अब ये अप्रासंगिक व निहत्थे कबूतर हैं, जो सिर्फ अधिकारियों को पदोन्नत होने का अवसर देते हैं। जरूरत तो आज भी यही है कि शिमला से भरमौर और सिरमौर एक सरीखा लगे या चनौर से किन्नौर तक हिमाचल एक जैसा सोचे। यह असंभव है कि राजधानी की दमक में फाइलों के हस्ताक्षर महंगे और लंबे होते रहें। हिमाचल में सुशासन की पद्धति आज भी सचिवालय की बाबूगिरी के तहत नौकरशाही की आबरू में चलती है। हिमाचल की फाइलों का रिकार्डरूम भले ही राजधानी की ताजपोशी करे, लेकिन जब क्षेत्रीय अस्मिता के प्रश्न उभरते हैं, तो बर्फबारी, बाढ़ या अन्य आपदा के समय दर्द बढ़ जाता है। उदाहरण के लिए हिमाचल का शिक्षा विभाग वार्षिक स्कूली अवकाश को लेकर प्रदेश के इतने टुकड़े कर देता है कि इसे खुद मालूम नहीं होता कि कब बारिश और कब बर्फबारी होगी।

कुछ अलग

हिंदी-अंग्रेजी का झगड़ा अब बेमानी

जिस तरह देश की विविध अनुसूचित भाषाओं के लोग यह सोचते हैं कि हिंदी की वजह से उनकी भाषा का प्रभाव कम हो रहा है, उसी तरह हिंदी सेवियों की एक बड़ी तादाद ऐसा मानती है कि अंग्रेजी के कारण हिंदी का प्रसार बाधित हो रहा है। लेकिन खुद अंग्रेजी का क्या हाल है? जब हम एक पूर्ण और सशक्त भाषा की बात सोचते हैं, तो हमारे जेहन में उसके कुछ निश्चित प्रतिमान उभरते हैं। जैसे, उसकी एक विकसित लिपि होगी, ध्वनि संसार होगा, शब्दों का विशाल भंडार होगा। शब्दों की वर्तनी, उनका उच्चारण और अर्थ सुनिश्चित होगा। व्याकरण होगा। उसका अपना साहित्य होगा, जिसे पढ़ने वाले लोग होंगे। और उसे सत्ता (आर्थिक-राजनीतिक) का समर्थन प्राप्त होगा। क्या इन पारंपरिक मानकों पर आज की कोई भी भाषा दावे से खरी उतरती है? अंग्रेजी का प्रयोग करने वाली नई पीढ़ी बहुत तेजी से इमोजी की तरफ बढ़ रही है। कोई बात अच्छी लगे तो एक पूरा वाक्य लिखने की जरूरत नहीं है। किसी बात की आलोचना करनी हो और इस तरह से करनी हो कि दूसरा पक्ष आहत न हो, तो उसके लिए कोई अच्छा शब्द ढूंढने की जरूरत नहीं है। यहां तक कि इमोजी से पूरे प्रेम पत्र लिखे जा सकते हैं। हम भाषा के संदर्भ में आर्थिक प्रभुत्व की चर्चा करते हैं। अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कारोबारों और उत्पादों के साथ भी इमोजी इस्तेमाल होने लगे हैं। ऐपल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, सैमसंग, ट्विटर, फेसबुक, एलजी, एचटीसी, बर्गर किंग और पेप्सीको जैसी तमाम कंपनियां इमोजी इस्तेमाल कर रही हैं, और उनके साथ उनके ग्राहक भी। उनके बीच एक नई भाषा विकसित हो रही है। यानी रोमन लिपि और शब्दों की सही वर्तनी का महत्व खत्म! जब भी कोई नई भाषा विकसित होती है, वह पारंपरिक भाषाओं का दायरा संकुचित करती है। समाज में ऐसे कई तरह के छोटे-मोटे संकेत विकसित होते हैं जो समय के साथ प्रचलन से बाहर हो जाते हैं- यह सोच कर हम इमोजी की भाषा को नजरअंदाज नहीं कर सकते। यह लोगों के बीच का भाषिक संवाद बदलने का एक नमूना है। इसके और भी पक्ष हैं। जब हम ऑक्सफोर्ड और वेब्स्टर के शब्दकोशों में सही वर्तनी और हिज्जे ढूंढ रहे होते हैं, तब इंटरनेट पर भेजे जा रहे संदेशों में उन शब्दों के संक्षिप्त रूपों का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा होता है। वहां सिर्फ 'आय लव यू' के लिए इलू (आयएलयू) और 'फियर ऑफ मिसिंग यू के लिए फोमू' (एफओएमयू) ही नहीं बन रहा है, एक पूरी शब्दावली विकसित हो रही है, जिसमें बीटुबी (बिजनेस टु बिजनेस), केपीआई (की-परफॉर्मेंस इंडीकेटर), सीपीएम (कॉस्ट पर थाउजैंड) और यूजीसी (यूजर जेनरेटेड कॉन्टेंट) जैसे प्रयोग भी शामिल हैं। ये नए संक्षिप्त शब्द पहले के अनेक शब्दों से बने पूरे फ्रेज को विस्थापित कर देते हैं। आज सिर्फ दोस्तों की अनौपचारिक मंडली में ही नहीं, कॉर्पोरेट की औपचारिक चिट्ठियों, व्यापारिक पत्राचार और तकनीक की दुनिया में भी इस भाषा में लिखित संवाद हो रहे हैं। इंटरनेट की दुनिया में इन संक्षिप्त रूपों को मान्यता प्राप्त है। इनमें से यदि कोई नवनिर्मित शब्द समझ में न आए तो उसे गूगल कर आसानी से देखा जा सकता है। आज से चार-पांच दशक बाद वाली पीढ़ी के लिए शायद यह जान पाना भी मुश्किल हो कि फोमू किन-किन शब्दों के संक्षेपीकरण से बना है।

2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है

गरीबी उन्मूलन एवं आर्थिक उन्नति के सुखद संकेत

ललित गर्ग

> पिछले पंद्रह वर्षों में भारत 41.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के ऊपर उठाने में कामयाब हुआ है। निस्संदेह, यह खबर भारतीय अर्थव्यवस्था की सुखद तस्वीर पेश करती है। एक और दूसरी सुखद आर्थिक संकेत देने वाली खबर यह आयी है कि मशहूर वित्तीय एजेंसी गोल्डमेन सैक्स के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन जायेगी। विगत नौ वर्ष में मोदी सरकार विकास एवं सशक्तीकरण के अनेक आयाम स्थापित किये हैं, सरकार ने ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देने के शुभ संकेत मिलने लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। इससे पूर्व में बनायी मोदी सरकार की योजनाओं के गरीबी उन्मूलन के चमत्कारी परिणाम आये हैं। हाल ही में जारी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम व ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक अध्ययन रिपोर्ट में यह बताया गया कि पिछले पंद्रह वर्षों में भारत 41.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के ऊपर उठाने में कामयाब हुआ है। निस्संदेह, यह खबर भारतीय अर्थव्यवस्था की सुखद तस्वीर पेश करती है। एक और दूसरी सुखद आर्थिक संकेत देने वाली खबर यह आयी है कि मशहूर वित्तीय एजेंसी गोल्डमेन सैक्स के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन जायेगी। विगत नौ वर्ष में मोदी सरकार विकास एवं सशक्तीकरण के अनेक आयाम स्थापित किये हैं, सरकार ने ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। भारत और इसकी अर्थव्यवस्था की सफलताओं व संभावनाओं की बुनियाद में राजनीतिक स्थिरता, मोदी सरकार की दूरगामी एवं गरीबी उन्मूलन की योजनाओं की बड़ी भूमिका है। यूएनडीपी की वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के आंकडे भी इसी तथ्य की पुष्टि करते हैं। साल 2005-06 में देश में करीब 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी-रेखा के नीचे जी रहे थे। वर्तमान में अब यह संख्या काफी कम होकर वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत में कुल 23 करोड़ गरीब हैं। बावजूद इसके यह स्पष्ट संकेत है कि तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नए विचारों एवं कल्याणकारी योजनाओं पर विमर्श के साथ गरीबों के लिये आर्थिक स्वावलम्बन-स्वरोजगार की आज देश को सख्त जरूरत है। गरीबों को मुफ्त की रेवड़िया बांटने एवं उनके वोट बटोरने की स्वार्थी राजनीतिक मानसिकता से उपरत होकर ही संतुलित समाज संरचना की जा सकती है। मोदी सरकार राजनीतिक रूप से स्थिर रही हैं और इनकी प्राथमिकताओं में गरीबी उन्मूलन प्रमुखता से शामिल रहा है। महान् अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह की सरकार भी स्थिर थी और उन्होंने भी गरीबी उन्मूलन के ठोस उपक्रम किये।

उनकी सरकार के समय से ही यह प्रयास निरन्तर जारी है। अनूठी बात यह है कि ये दोनों सरकारें दो विपरीत राजनीतिक ध्रुवों पर खड़ी रही हैं, पर इनका आर्थिक दर्शन एक रहा है। मगर भारतीय अर्थव्यवस्था के नीति-नियंताओं को इसकी कुछ विसंगतियों को गंभीरता से देखने की जरूरत है। देश में गरीबी का अंत जितना जरूरी है, आर्थिक विषमताओं से निपटना उससे कम अहम नहीं है। ऑक्सफेम की हालिया रिपोर्ट ने खुलासा किया था कि देश की 60 फीसदी संपत्ति सिर्फ पांच प्रतिशत भारतीयों के पास है, जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास राष्ट्रीय संपत्ति का सिर्फ तीन फीसदी हिस्सा है। हमें इस बात की खुशी है और होनी चाहिए कि हमने डेढ़ दशकों में इतने करोड़ों लोगों को गरीबी-रेखा से ऊपर उठाया, मगर हम इस तथ्य की भी अनदेगी नहीं कर सकते कि 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराया जा रहा है। एक अच्छी-खासी तादाद में हमारे करोड़पति-अरबपति दूसरे देश जाकर बस भी रहे हैं। क्या भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले अरबपतियों पर कोई प्रभावी दण्ड व्यवस्था लागू नहीं होनी चाहिए? भारतीय सत्ता प्रतिष्ठानों को इन विसंगतियों पर नियंत्रण पाने के तार्किक रास्ते तलाशने होंगे। हम नहीं भूल सकते कि हमारी गरीबी की रेखा जिस स्तर पर तय होती है, उसके ऊपर भी जीवन काफी कठिन है। इसलिए इन खुशनुमा आर्थिक तस्वीरों को हाशिये के करोड़ों भारतीयों के लिए सुखद बनाने की कवायद की जाए। जिन दो एजेंसियों ने भारत की सुखद एवं खुशहाल आर्थिक तस्वीर प्रस्तुत की है, उस तस्वीर में एक वर्तमान भारत से संबंधित है, दूसरी भविष्य के भारत के संबंध में। दोनों ही तस्वीर नये भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत एवं दूसरी की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की बात को उजागर कर रही है। इन सुखद क्षणों में अधिक सावधानी एवं सर्तकता अपेक्षित है। यह अधिक चुनौतीपूर्ण दौर है, क्योंकि भारत अमीर-गरीब के बीच बढ़ रहा फासला एक चिन्ता का कारण है, जिस बड़ा राजनीतिक मुद्दा होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से यह मुद्दा कभी भी राजनीतिक मुद्दा नहीं बना। शायद राजनीतिक दलों की दुकानें इन्हीं अमीरों के बल पर चलती है और गरीबी कायम रहना उनको सत्ता दिलाने का सबसे बड़ा हथियार है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में अमीर अधिक अमीर हो रहे हैं और गरीब अधिक गरीब। विपक्ष के सामने इससे अच्छा क्या मुद्दा हो सकता है? गरीबी के आंकड़ों में कमी के लिए इनदिनों दो घटनाक्रमों का जिक्र सुनने को मिल रहा हैं। पहला, ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए बड़ी मात्रा में नगद भुगतान और दूसरा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना एवं उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी युक्त ईंधन एवं मुफ्त अनाज। गरीबी के स्तर पर इन कार्यक्रमों के प्रभाव को मापने का एक आधार है। मसलन, इन कार्यक्रमों से लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है और उन्हें मजदूरी से आय मिलती है, यह गरीबी दूर करने का प्रभावी तरीका है। कल्याणकारी योजनाओं के रूप में सस्ती गैस का अर्थ है एक प्रमुख घरेलू खर्च की बचत। वहीं मुफ्त खाद्यान्न का अर्थ है भोजन पर होने वाले खर्च में बचत यानी बढ़ी हुई आय। नया भारत-सशक्त भारत बनाने की जरूरत यह नहीं है कि चंद लोगों के हाथों में ही बहुत सारी पूंजी इकट्ठी हो जाये, पूंजी का वितरण ऐसा होना चाहिए कि विशाल देश के लाखों गांवों एवं करोड़ों लोगों को आसानी से उपलब्ध हो सके। लेकिन क्या कारण है कि महात्मा गांधी को पूजने वाला पूर्व सत्ताशीर्ष का नेतृत्व उनके ट्रस्टीशीप के सिद्धान्त को बड़ी चतुराई से किनारे करता रहा है। यही कारण है कि एक ओर अमीरों की ऊंची अट्टालिकाएं हैं तो दूसरी ओर फुटपाथों पर रेंगती गरीबी। एक ओर वैभव ने व्यक्ति को विलासिता दी और विलासिता ने व्यक्ति के भीतर क्रूरता जगाई, तो दूसरी ओर गरीबी तथा अभावों की त्रासदी ने उसके भीतर विद्रोह की आग जला दी। वह प्रतिशोध में तपने लगा, अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। महंगाई इनदिनों तेजी से बढ़ रही है। टमाटर लाल हो गये हैं, कभी प्याज की तरह यह भी बड़ा राजनीतिक हथियार न बन जाये? निश्चित ही महंगाई का समाधान एक ज्वलंत मुद्दा है, मौद्रिक मोर्चे पर केंद्रीय रिजर्व बैंक के प्रयासों के अतिरिक्त केंद्र व राज्य सरकारों से और अधिक प्रयास अपेक्षित हैं जैसे उत्पादन शुल्क, वैट आदि करों में कटौती, आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति, कालाबाजारी पर रोक, आयात में सीमा शुल्क कटौती द्वारा सरलीकरण, बड़े औद्योगिक एवं व्यापारिक घराने की बजाय निचले स्तर पर व्यापार एवं उद्यम को प्रोत्साहन इत्यादि। इससे गरीब की जमा-पूंजी व आय सुरक्षित होगी और उसके गरीबी रेखा से बाहर आने का रास्ता तैयार होगा। जापान एवं चीन जैसे देशों की तरह भारत के हर नागरिक को उत्पाद एवं उद्यम से जोड़ना होगा।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारी तेज, यूपी में पार्टी के कई सांसदों की उम्मीदवारी खतरे में

> भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा प्रत्याशियों के लिए नामों पर चर्चा शुरू कर दी है। यह चर्चा सार्वजनिक रूप से तो नहीं हो रही है, लेकिन अंदर खाने से जो खबर छन कर आ रही है, उससे ऐसा लगता है कि बीजेपी आलाकमान ने यह तय कर लिया है कि इस बार किस निवर्तमान सांसद का टिकट नहीं देना है। कुछ प्रत्याशी तो उम्रदराज होने के कारण चुनावी रेस से बाहर होते दिख रहें हैं, वहीं कुछ आलाकमान की कसौटी पर खरे नहीं उतर रहे हैं। यह वह सांसद हैं जहां से 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा था या फिर पार्टी पर आई किसी मुसीबत की घड़ी के समय जनता के बीच इनका प्रभाव काफी कम या नहीं के बराबर देखने को मिला था।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारी में बीजेपी सबसे आगे चल रही है। वह सब कुछ ठोक-बजा कर प्रत्याशियों का फैसला करने के लिए जमीन से लेकर बंद कमरों तक में रणनीति बना रही है। टिकट बांटते समय तमाम बातों का ध्यान रखा जायेगा, लेकिन अबकी से प्रत्याशियों का चयन करते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी अहम भूमिका रहेगी, जो 2019 के लोकसभा चुनाव में नहीं दिखाई दी थी। इसकी वजह यह है कि बीजेपी ने उत्तर प्रदेश के 2017 के विधान सभा चुनाव मोदी का चेहरा आगे करके जीता था और चुनाव नतीजे आने के बाद योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया गया था, इसलिए 2019 के लोकसभा चुनाव के समय टिकट बंटवारे में न उनसे राय ली गई थी और न ही उन्होंने इसमें दखलंदाजी की थी, लेकिन 2022 का विधानसभा चुनाव बीजेपी ने योगी को आगे करके लड़ा था और उम्मीद से कहीं अधिक अच्छा प्रदर्शन पार्टी का रहा था, जिसके बाद पार्टी के भीतर योगी का कद काफी बढ़ गया था, इसी के चलते अबकी से टिकट बंटवारे के समय योगी को आलाकमान अनदेखा नहीं कर पाएगा। खासकर पूर्वांचल में योगी की पसंद नापसंद का ज्यादा ख्याल रखा जा सकता है। यानी उनका सिक्का भी चलेगा। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि आज की तारीख में पार्टी के भीतर योगी का कद प्रधानमंत्री मोदी के बाद नंबर दो का समझा जाने लगा है। वह न केवल दमदार तरीके से सरकार चला रहे हैं, बल्कि कई राज्यों के चुनाव प्रचार में वह पार्टी के लिए तुरूप का इक्का भी साबित हो चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा प्रत्याशियों के लिए नामों पर चर्चा शुरू कर दी है। यह चर्चा सार्वजनिक रूप से तो नहीं हो रही है, लेकिन अंदर खाने से जो खबर छन कर आ रही है, उससे ऐसा लगता है कि बीजेपी आलाकमान ने यह तय कर लिया है कि इस बार किस निवर्तमान सांसद का टिकट नहीं देना है। कुछ प्रत्याशी तो उम्रदराज होने के कारण चुनावी रेस से बाहर होते दिख रहें हैं, वहीं कुछ आलाकमान की कसौटी पर खरे नहीं उतर रहे हैं। यह वह सांसद हैं जहां से 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा था या फिर पार्टी पर आई किसी मुसीबत की घड़ी के समय जनता के बीच इनका प्रभाव काफी कम या नहीं के बराबर देखने को मिला था। इसे उदाहरण से समझा जाए तो जब किसानों ने नये कृषि कानून के खिलाफ दिल्ली में आंदोलन किया तो भारतीय किसान यूनियन के नेता चौधरी राकेश टिकैत के आह्वान पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में किसान आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे, जबकि आलाकमान चाहता था कि पश्चिमी यूपी के बीजेपी नेता और सांसद-विधायक अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए यहां के आंदोलनकारी किसानों को दिल्ली कूच नहीं करने के लिए मनाएं। इसी प्रकार लखीमपुर-खीरी में भी जब केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे ने वहां कृषि कानून के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों के ऊपर अपनी गाड़ी चढ़ा दी थी, तब भी वहां के स्थानीय सांसद और केन्द्रीय मंत्री टेनी का व्यवहार बहुत गैर-जिम्मेदाराना और बयानबाजी काफी घटिया स्तर की रही थी, जिससे मोदी सरकार की काफी फजीहत हुई थी, इसीलिए बीजेपी आलाकमान को रालोद मुखिया जयंत चौधरी रास आने लगे हैं। जयंत चौधरी यदि बीजेपी के साथ कंधे से कंधा मिलाते हैं तो पश्चिमी यूपी की करीब 20 सीटों का सियासी समीकरण बीजेपी के पक्ष में हो सकता है, इसके अलावा पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भी इसका असर साफ दिखाई देगा। 2014 और उसके हुए चुनाव में भले ही रालोद कुछ खास कमाल ना दिखा पाई हो लेकिन किसान आंदोलन के बाद से जयंत चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकदल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी ताकत के साथ उभर कर सामने आयी है। आरएलडी अपनी ताकत का एहसास बीते 2018 कैराना लोकसभा उपचुनाव और 2023 खतौली विधानसभा उपचुनाव में भी दिखा चुकी है। सबसे बड़ी बात यह है कि जयंत चौधरी के बीजेपी के साथ आने से बीजेपी के सामने जाट वोट में बिखराव का खतरा भी कम हो जायेगा। दरअसल, पश्चिमी यूपी की जाट बेल्ट में एक बड़ा हिस्सा तो जरूर बीजेपी के साथ है, लेकिन अभी तक पार्टी पश्चिमी यूपी पर पूरी तरह से कंट्रोल नहीं कर पाई है। बीजेपी के स्थानीय नेता उतनी चमक नहीं बिखेर पा रहे हैं, जितनी उनसे अपेक्षा थी। यह सच है कि पश्चिमी यूपी के गुर्जर, सैनी, कश्यप, ठाकुर, शर्मा, त्यागी जाति के वोट का ज्यादातर हिस्सा भी बीजेपी के साथ है।

देश दुनीया से

आना मानसून का समय पर

इन दिनों राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर काफी चिंता है कि इस बार मानसून समय पर आ रहा है। गोया मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए और यदि आए भी तो सरकारी स्वीकृति से आए, वरना मानसून की कोई जरूरत ही नहीं है। पार्टी कार्यकर्ता से लेकर मंत्री-मुख्यमंत्री सब परेशान हैं कि मानसून समय पर क्यों आ रहा है। मानसून आ गया तो अकाल और सूखे का क्या होगा? मुख्यमंत्री मिले तो मैंने कहा-'लीजिए साब, इस बार मानसून समय पर आ रहा है!' मुख्यमंत्री बौखला गए-'यह क्या कह रहे हो। इस देश में कुछ भी समय पर नहीं हो रहा, फिर यह मानसून मरा समय पर क्यों आ रहा है। कुछ करो यार मानसून को टालने के उपाय।' मैं बोला-'जनता मानसून लाने के लिए हरिकीर्तन कर रही है और आप उसे टालना चाहते हैं। मेरी समझ में नहीं आता आप इतने परेशान क्यों हैं मानसून से। मानसून का समय है तो वह आएगा ही।' मुख्यमंत्री के चेहरे पर निराशा के बादल छा गए, आंखों में उदासी की घटाएं घुमड़ीं। वे बोले-'सच तो यह है कि केन्द्र सरकार को नब्बे करोड़ की सहायता के लिए कहा हुआ है। वर्षा आ गई तो भला यह राशि कैसे मिलेगी? राहत सामग्री का वितरण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है। जहां तक असंतुष्टों का सवाल है, सूखे व अकाल के बहाने वे भी मंत्री बने इस सूखे-अकाल के सहारे चुप्पी साधे हुए हैं। मानसून आते ही सब सिर उठा लेंगे।''तब तो वाकई चिंता की बात है। मानसून आने से राजनीतिक अस्थिरता बढऩे वाली है तो राष्ट्रीय अशांति का खतरा है। हमें इस दिशा में वैज्ञानिकों का सहयोग लेना चाहिए।' मैंने कहा। मुख्यमंत्री बोले-'वैज्ञानिकों का कोई दोष नहीं है। वे तो अच्छा कॉपरेट कर रहे हैं। देख नहीं रहे, पिछले तीन दशक में मौसम व पर्यावरण किस कदर बदल गए हैं। पर्याप्त वर्षा के स्थान पर बूंदा-बांदी हो रही है। फिर वर्षा वहां हो रही है जहां इसकी जरूरत नहीं है।' 'ऐसा नहीं हो सकता कि वर्षा जोरों से आए और बाढ़ आ जाए?' 'हां-फिर वर्षा आए तो इतनी जोरों से कि बाढ़ से जनजीवन त्रस्त हो जाए। बाढ़-राहत का कार्य भी ऐसा ही है, जिसमें सारा मंत्रिमंडल उनके अमचों-चमचों सहित व्यस्त रहता है।' मुख्यमंत्री ने कहा। मैं बोला-'सच तो यह है मुख्यमंत्री जी कि मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए।' 'लेकिन करें क्या?' तभी वहां मंत्री जी आ धमके और सिर लटकाकर मुख्यमंत्री जी से बोले-'आज का पेपर पढ़ा आपने?' 'हां-पढ़ा है। इस बार मानसून समय पर आ रहा है।' 'हमें क्या करना है?' 'कार्यकर्ताओं से कहो कि जल्दी बाढ़ राहत शुरू करवाएंगे। बाढ़ आए या नहीं, हम केवल सामान्य वर्षा को भी जल प्लावन में तब्दील कर देंगे।' 'लेकिन एक प्राब्लम है सूखे-अकाल में जो थोड़े-बहुत काम हुए हैं वे बह जाएंगे।' 'आप कमाल करते हैं। फिजूल की चिंता करते हैं। असली चिंता तो यह है कि राहत की कटौती हो जाएगी। चुनाव नजदीक हैं। बैंक बैलेंस नहीं बनाया तो कौन टिकट देखा और कौन वोट! तुम्हें पता होना चाहिए हमारे आलाकमानों ने स्विस बैंकों में करोड़ों के खाते खोले हैं और हम अभी लाखों भी नहीं कमा सके कि मानसून समय पर आ गया।' मैं बोला-'तो हो क्या गया। अगली बार विलम्ब से आ जाएगा मानसून, फिर कमा लेना।' मंत्री बोले-'कब मुख्यमंत्री बदल जाएं और पुनर्गठन में कब हमारा पत्ता साफ हो जाए, कह नहीं सकते। समय कम है और काम ज्यादा। ऐसे हालात में मानसून का समय पर आना मुनासिब नहीं है।'

> मानसून का समय है तो वह आएगा ही।' मुख्यमंत्री के चेहरे पर निराशा के बादल छा गए, आंखों में उदासी की घटाएं घुमड़ीं। वे बोले-'सच तो यह है कि केन्द्र सरकार को नब्बे करोड़ की सहायता के लिए कहा हुआ है। वर्षा आ गई तो भला यह राशि कैसे मिलेगी? राहत सामग्री का वितरण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है। जहां तक असंतुष्टों का सवाल है, सूखे व अकाल के बहाने वे भी मंत्री बने इस सूखे-अकाल के सहारे चुप्पी साधे हुए हैं। मानसून आते ही सब सिर उठा लेंगे।''तब तो वाकई चिंता की बात है। मानसून आने से राजनीतिक अस्थिरता बढऩे वाली है तो राष्ट्रीय अशांति का खतरा है। हमें इस दिशा में वैज्ञानिकों का सहयोग लेना चाहिए।' मैंने कहा। मुख्यमंत्री बोले-'वैज्ञानिकों का कोई दोष नहीं है। वे तो अच्छा कॉपरेट कर रहे हैं। देख नहीं रहे, पिछले तीन दशक में मौसम व पर्यावरण किस कदर बदल गए हैं। पर्याप्त वर्षा के स्थान पर बूंदा-बांदी हो रही है। फिर वर्षा वहां हो रही है जहां इसकी जरूरत नहीं है।''

नागरिक बोध

प्रकृति का तांडव

प्रकृति के समक्ष सरकारों का अस्तित्व बहुत छोटा है, फिर मनुष्य तो चीज ही क्या है। हमने अनेकों बार देखा एवं अनुभव किया कि हम प्रकृति से लड़ नहीं सकते, मुकाबला भी नहीं कर सकते, लेकिन प्रकृति के थपेड़ों से सीख तो सकते हैं। भौतिकवाद के नशे में चूर विकास के आसमान को चूमने को आतुर, विनाश के धरातल पर खड़ा इनसान कब समझता है कि हम प्रकृति के साथ कितना खिलवाड़ करते हैं। प्रकृति द्वारा उसे बार-बार सजा मिलने पर भी वह विस्मृत हो जाता है। अभी-अभी तो हमने कोरोनाकाल का दंश भुगता है। मनुष्य द्वारा प्रकृति पर बार-बार उत्पात करने तथा सजा भुगतने का यह क्रम अनवरत रूप से चल रहा है। यह तो निश्चित है कि हर वर्ष सर्दी, गर्मी तथा बरसात होगी तथा प्राकृतिक आपदाएं भी संभावित हैं। ये आपदाएं प्राकृतिक तथा मानवजनित होती हैं। सडक़ दुर्घटनाएं, रेल हादसे, आगजनी, पुल टूटना, गैस रिसाव, इमारतों का ढहना तथा महामारी आदि आपदाएं होना आम बात है। यह सर्वविदित है कि जहां मानवीय जीवन होगा, वहां पर आग, बाढ़, तूफान, सूखा, अकाल, हिमस्खलन, भूकम्प, सुनामी, समुद्री तूफान, बिजली गिरने, बादल फटने तथा महामारी की संभावना भी होगी। मौसम विभाग के रेड अलर्ट, ऑरेंज अलर्ट तथा चेतावनियां भी अब आम बात हो गई है। यह भी सत्य है

कि हम आपदाओं को समाप्त तो नहीं कर सकते, बल्कि उनको कम करने के लिए प्रयत्न तो कर ही सकते हैं। मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए हर पल तत्पर रहना हमारी आवश्यकता है। यह सरकार, व्यवस्था, प्रशासन तथा सम्बन्धित विभाग की जिम्मेदारी होती है। यह भी सही है कि प्रकृति के सामने व्यवस्था बहुत छोटी सी चीज होती है, फिर भी मानवीय व्यवस्था के संचालन में सरकार बहुत बड़ी शक्ति होती है। लोग सरकारों, व्यवस्थाओं, प्रशासकों तथा सम्बन्धित विभागों से आशा करते हैं कि हर समय उनकी जान-माल की सुरक्षा हो, फिर कारण चाहे आन्तरिक, बाह्य तथा प्राकृतिक चुनौती हो। ऐसा भी नहीं कि सरकारें असंवेदनशील होती हैं, परन्तु यह भी स्वीकार करना होगा कि हम समय रहते आपदाओं की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयारी नहीं करते। हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है तथा प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से बहुत ही संवेदनशील है। पहाड़ी राज्यों की मुश्किलें एवं परेशानियां मैदानी राज्यों की अपेक्षा अधिक एवं अलग होती हैं। इस संदर्भ में अंधाधुंध विकास, औद्योगीकीकरण, जंगलों का कटान, सडक़ों का निर्माण, बिजली परियोजनाओं के लिए बांध का निर्माण, बारूद से पहाड़ों का सीना छलनी होना तथा विद्युत उत्पादन के साथ योजनाओं की समीक्षा एवं विश्लेषण होना भी आवश्यक है। यह ठीक है कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, सडक़ों, पुलों, विद्युत परियोजनाओं का निर्माण, बड़ी-बड़ी इमारतों तथा कारखानों का निर्माण भी लोगों की जीवन शैली को सुखद बनाने तथा प्रदेश की आर्थिकी को मजबूत करने के लिए किया जाता है, परन्तु यह मानवीय जीवन की कीमत पर हरगिज नहीं होना चाहिए। हिमाचल प्रदेश में आवश्यक है कि आपदाओं की तीव्रता तथा इनकी आवृत्ति में कमी हो। लोगों की जान-माल तथा सम्पत्ति की सुरक्षा होना अति आवश्यक है। हिमाचल की विकट परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश में एक स्थाई आपदा प्रतिक्रिया बटालियन की आवश्यकता है। केन्द्र सरकार से जहां त्वरित सहयोग की आवश्यकता है, वहीं पर भविष्य की आपदाओं से निपटने के लिए आपदा प्रतिक्रिया बटालियन की स्थापना की मांग की जानी चाहिए।

चीन के हैकरों ने अमेरिकी वाणिज्य मंत्री के ईमेल में लगाई सेंध; ब्लिंकन ने चीनी समकक्ष को दी चेतावनी

वाशिंगटन।
चीनी हैकरों के एक समूह द्वारा अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के ईमेल में सेंध लगाने का मामला सामने आया है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो उन वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के समूह में शामिल थीं, जिनके ईमेल इस साल की शुरुआत में एक समूह द्वारा हैक कर लिए गए थे। समूह के बारे में माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि वह चीन में स्थित है। मामले से परिचित एक शख्स ने बताया कि डिजिटल चोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने गुरुवार को जकार्ता में हुई एक बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी को चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि अमेरिकी सरकार को निशाना बनाने वाली कोई भी कार्रवाई, अमेरिकी कंपनियां या अमेरिकी नागरिक हमारे लिए गहरी चिंता का विषय हैं और हम उन जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए उचित कार्रवाई करेंगे। माइक्रोसॉफ्ट ने मंगलवार को खुलासा किया कि एक चीनी हैकिंग ऑपरेशन ने 25 अज्ञात संगठनों से संबंधित ईमेल खातों में सेंध लगाने के लिए कंपनी के प्रमाणीकरण सॉफ्टवेयर के एक हिस्से में एक गोपनीय त्रुटि का फायदा उठाया था। इस खबर के सामने आने के बाद से वाणिज्य विभाग के अलावा कई पीड़ितों ने स्वीकार किया है कि वे प्रभावित हुए हैं, जिनमें विदेश विभाग और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के कर्मी भी शामिल हैं। घुसपैठ की गतिविधि मई में शुरू हुई और लगभग एक महीने तक जारी रही। चीनी विदेश मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में मीडिया को दिए एक बयान में इन आरोपों को दुष्प्रचार बताया था। रायमोंडो के मंत्रालय ने सेमीकंडक्टर और अन्य संवेदनशील प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर अंकुश लगाते हुए चीन के खिलाफ निर्यात नियंत्रण नीतियों की एक सीरीज लागू की है। वाणिज्य विभाग के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने एजेंसी को माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस 365 सिस्टम के साथ एक समझौते के बारे में सूचित किया था और विभाग ने प्रतिक्रिया देने के लिए तत्काल कार्रवाई की। लेकिन प्रवक्ता ने विशेष रूप से रायमोंडो के खिलाफ घुसपैठ पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

स्क्वाड्रन लीडर रेड्डी बोलीं- आप जो चाहें सिर्फ वही करें, बैस्टिल डे परेड में वायुसेना का करेंगी नेतृत्व

पेरिस । स्क्वाड्रन लीडर रेड्डी ने एक साक्षात्कार में बताया कि मेरे लिए यह गर्व का क्षण है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं विदेशी जमीन पर वायुसेना का प्रतिनिधित्व करुंगी। इसका श्रेय मैं देश को भी देती हूं। मैं वायुसेना की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। फ्रांस की बैस्टिल डे परेड में भारतीय वायुसेना के मार्चिंग दल का नेतृत्व करने वाली स्क्वाड्रन लीडर सिंधु रेड्डी ने कहा कि आप जो चाहते हैं, आप सिर्फ वही करें। आप किसी को मौका न दें कि वह आपको कुछ गलत बताए। बैस्टिल डे परेड में भारतीय थलसेना, नौसेना और वायुसेना की मार्चिंग टुकड़ियां शामिल होंगी। वायुसेना के मार्चिंग दल में 68 जवान शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। स्क्वाड्रन लीडर रेड्डी ने एक साक्षात्कार में बताया कि मेरे लिए यह गर्व का क्षण है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं विदेशी जमीन पर वायुसेना का प्रतिनिधित्व करुंगी। इसका श्रेय मैं देश को भी देती हूं। मैं वायुसेना की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। फ्रांसीसियों की प्रतिक्रिया से मैं काफी उत्साहित हूं। मेरा कहना है कि दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प के कारण इस मुकाम पर पहुंची हूं। आप जीवन के हर मोड़ पर सिर्फ वही करें, जो आप चाहते हैं। किसी को भी अन्यथा बोलने की इजाजत न दें। जीवन आपका है, जो आप चाहते हैं, आप सिर्फ उसे ही चुनें। रेड्डी से जब पूछा गया कि आप वायुसेना में क्यों आईं तो उन्होंने बताया कि उड़ान के प्रति जुनून है, इसलिए इसे चुना।

अमेरिका में अब आईड्रॉप खरीदने जितनी आसान हुई गर्भनिरोध गोलियों की खरीदी, उम्र का नहीं रहेगा प्रतिबंध

वाशिंगटन । अमेरिका में अब किसी भी फार्मेसी पर आसानी से गर्भनिरोधक दवा मिल सकेगी। अमेरिका की सरकार ने ऐतिहासिक ओवर-द-काउंटर निर्णय को मंजूरी दी है। ओवर-द-काउंटर के कारण अब महिलाएं और लड़कियां एस्पिरिन और आईड्रॉप की तरह आसानी से गर्भनिरोधक गोलियां खरीद सकती हैं। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि विभाग ने बताया कि फार्मेसी अब बिना डॉक्टर के पर्चे के दिन में एक बार गर्भनिरोधक गोलियां बेच सकती है। बिक्री पर अब उम्र का प्रतिबंध भी नहीं रहेगा। इसका मतलब है कि अब दिन में एक बार किसी भी उम्र की महिलाएं बिना डॉक्टर के पर्चे के फार्मेसी से गर्भनिरोधक गोलियां खरीद सकती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में हर साल छह मिलियन महिलाएं गर्भधारण करती हैं, जिनमें से 45 प्रतिशत गर्भ अनचाहे होते हैं। एक एनजीओ का कहना है कि यह असल में एक परिवर्तन है। महिलाओं को अब इस नए फैसले से मदद मिलेगी। गर्भनिरोधक दवाईयां बनाने वाली अमेरिकी कंपनी पेरिगो का कहना है कि गर्भनिरोधक गोलियां करीब 15 मिलियन अमेरिकी महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण और नया विकल्प हो सकती है। हालांकि, जानकारों का मानना है कि गर्भनिरोधक गोलियों की पहुंच उसके कीमत पर निर्भर करती है।

ब्रिटेन की संसदीय समिति की रिपोर्ट : देश की सुरक्षा के लिए चीन खतरा, इससे निपटने के लिए सरकार के कदम नाकाफी

लंदन । ब्रिटेन की संसदीय समिति ने देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चीन बड़ा खतरा है। इसके मुताबिक, चीन अब तक ब्रिटेन को आक्रामकता से निशाना बनाने में सफल रहा है, क्योंकि सरकार की तरफ से इस खतरे से निपटने के लिए कोई बेहतर नीति नहीं बनाई गई है। ब्रिटेन की मीडिया में संसद की खुफिया और सुरक्षा कमेटी की इस रिपोर्ट पर बहस जारी है। इस रिपोर्ट में ब्रिटिश सरकार पर मुद्दों को पहचान पाने में नाकाम रहने का आरोप लगा है। इसके अलावा कहा गया है कि चीन ने ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के हर सेक्टर में सेंध लगा ली है। गौरतलब है कि इससे पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा था कि उनकी सरकार चीनी तकनीक पर ब्रिटेन की निर्भरता कम रखने के लिए अहम कदम उठा रही है। हालांकि, उन्होंने चीन के साथ खुले रिश्ते रखने की इच्छा जताई थी। सुनक की कंजर्वेटिव सरकार की आलोचना करते हुए इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के आकार, उसकी क्षमता और उसके जुनून की वजह से वह ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था के हर सेक्टर में सेंध लगाने में कामयाब हुआ है। इसमें कहा गया कि सरकार की तरफ से चीन के इस खतरे को रोकने के लिए उठाए गए कदम नाकाफी हैं।

कोसोवो की संसद में हाथापाई

विपक्षी नेता ने प्रधानमंत्री पर फेंका पानी; सर्बों के साथ तनाव कम करने पर भाषण दे रहे थे

प्रिस्टिना।
यूरोपीय देश कोसोवो की संसद में गुरुवार को जमकर हाथापाई हुई। भाषण के दौरान विपक्षी सांसद ने प्रधानमंत्री एल्बिन कुर्ती पर पानी फेंक दिया। दरअसल, पीएम कुर्ती देश के उत्तरी हिस्से में जातीय सर्बों के साथ तनाव कम करने के लिए सरकार की तरफ से किए जा रहे उपायों के बारे में बता रहे थे।

हाथापाई के दौरान पीएम को असेंबली हॉल से बाहर ले जाया गया

संसद में भाषण के दौरान कोसोवो की डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद मर्गिम लुश्ताकु उनके पास गए और पानी मुंह पर पानी फेंक दिया। इससे विवाद शुरू हो गया। बवाल के बीच कुर्ती को असेंबली हॉल से बाहर ले जाया गया। कुर्ती ने कहा है कि वो पुलिस और नए अल्बानियाई मेयरों की तैनाती के साथ उत्तरी कोसोवो में कानून व्यवस्था लागू कर रहे हैं। अमेरिका ने उनसे हालात ठीक होने तक महापौरों को उत्तरी इलाकों से दूर भेजने की अपील की थी। उन्होंने पीएम कुर्ती पर हालात को शांत करने के लिए दबाव डाला है। बता दें कि यहां मई में पुलिस समर्थित अल्बानियाई महापौरों के चुनाव के बाद हिंसा भड़क गई थी। इन चुनावों का सर्बों ने बहिष्कार किया था। स्थानीय सर्ब, कोसोवो पुलिस और नाटो के नेतृत्व में शान्ति बनाए रखने के लिए गए सैनिकों के बीच झड़प में दर्जनों लोग घायल हो गए थे।

पीएम की नीतियों की आलोचना करती रही हैं विपक्षी पार्टी

कोसोवो की विपक्षी पार्टी ने हमेशा उत्तरी इलाके में पीएम कुर्ती की उन नीतियों की आलोचना की है, जिससे उनके पश्चिमी देशों के साथ रिश्तों में तनाव आया है। कुर्ती ने बुधवार को घोषणा की कि वो उत्तरी कोसोवो में जातीय सर्ब आबादी वाले क्षेत्रों में 4 नगरपालिकाओं के बाहर तैनात विशेष पुलिस अधिकारियों की संख्या कम कर देंगे, और हर शहर में नए मेयर के चुनाव कराएंगे।

नगर निगम के ऑफिसों से कई विशेष पुलिस बल हटा लिए गए हैं। इस कदम से विपक्ष नाराज हो गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि कुर्ती ने महीनों तक कई एक्सपरिमेंट्स किए, जिसकी वजह से कोसोवो की अंतरराष्ट्रीय स्थिति खतरे में आ गई और ऐसा करके बाद में वो पीछे हट गए।

कोसोवो और सर्बिया के बीच विवाद की कहानी

कोसोवो ने 2008 में सर्बिया से स्वतंत्रता की घोषणा की थी। हालांकि, सर्बिया ने इसे मान्यता नहीं दी। कोसोवो में अधिकांश जातीय सर्बों ने भी कोसोवो के राज्य का दर्जा स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसे अमेरिका और यूरोपीय संघ के ज्यादातर देशों का समर्थन मिला, लेकिन रूस और चीन का नहीं।

दरअसल, 1998-99 के युद्ध के वक्त कोसोवर अल्बानियाई लोगों ने तत्कालीन यूगोस्लाविया को तोड़कर एक नए देश की मांग की थी। इस जंग की वजह से यूगोस्लाविया टूट गया और इससे दो नए राष्ट्र सर्बिया और मोंटेनेग्रो बने।

इस जंग में नाटो ने बहुमत में मौजूद अल्बानियाई लोगों की रक्षा के लिए दखल दिया था। इस वजह से सर्बिया कोसोवो को अपने एक टूटे राज्य के तौर पर देखता है और उसकी स्वतंत्रता को मान्यता नहीं देता है।

कोसोवो में रहने वाले सर्ब या सर्बियाई मूल के लोग खुद को सर्बिया के हिस्से के रूप में देखते हैं। ये जातीय सर्ब कोसोवो की राजधानी प्रिस्टिना के बजाय सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड को अपनी राजधानी के रूप में देखते हैं।

कोसोवो में अल्बानियाई मूल के लोगों पर अत्याचार के बाद मार्च 1999 में नाटो ने यूगोस्लाविया की सेना के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। अब भी, नाटो के कोसोवो फोर्स के रूप में कोसोवो में नाटो के मित्र देशों और सहयोगियों के लगभग 3,500 सैनिक तैनात हैं।

नेपाल में क्यों इस हद तक फैल गई हैं मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं

काठमांडो ।
नेपाल में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित होने के मामलों में तेजी से उछाल आया है। ऐसी समस्याएं पुरुषों में भी बढ़ी हैं, लेकिन महिलाएं इसका ज्यादा शिकार हुई हैं। यह बात नेपाल के जनसंख्या संबंधी एवं स्वास्थ्य सर्वे-2022 से सामने आई है। इस सर्वेक्षण की अंतिम रिपोर्ट अब जारी कर दी गई है। इसके मुताबिक देश में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ितों में महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में दो गुना है। यह सर्वे नेपाल के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूसएड) के सहयोग से किया। सर्वे के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता यूएसएड ने उपलब्ध कराई। सर्वे से यह निष्कर्ष सामने आया कि देश की 15 से 49 वर्ष उम्र वर्ग की आबादी में 11 फीसदी पुरुष और 22 फीसदी महिलाएं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं। इन समस्याओं में अत्यधिक चिंता, घबराहट, हमेशा भयभीत रहना आदि शामिल हैं। तकरीबन पांच फीसदी महिलाएं और दो फीसदी कहीं अधिक गंभीर समस्या से पीड़ित हैं। ये लोग डिप्रेशन (अवसाद) का शिकार हैं। इसमें अक्सर मायूसी महसूस होना और किसी काम में मन ना लगना शामिल है। 14 फीसदी महिलाएं और सात प्रतिशत पुरुष खुद को हमेशा आक्रोश की भावना से ग्रस्त पाते हैं। 13 फीसदी महिलाएं और सात प्रतिशत पुरुष लगातार नर्वसनेस महसूस करते रहते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक ये मानसिक समस्याएं सामाजिक-आर्थिक पहलुओं का परिणाम हैं। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से ना लेने का चलन भी इसके लिए जिम्मेदार है। नेपाल जैसे गरीब देश में आम स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था कमजोर है। मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल का सिस्टम आबादी के कुछ हिस्सों को ही उपलब्ध है। विशेषज्ञों के मुताबिक पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का अधिक संख्या में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित होना एक विश्वव्यापी ट्रेंड है। उनके मुताबिक यहां तक कि विकसित देशों में भी ऐसी समस्याएं महिलाओं को ज्यादा होती हैं। नेपाल मेंटल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. अनंत अधिकारी ने कहा- 'चिंता और डिप्रेशन के कारण अलग-अलग व्यक्तियों में अलग-अलग होते हैं।

सार्क के महासचिव बने मोहम्मद गुलाम सरवर, वर्तमान में इस देश में निभा रहे हैं अहम जिम्मेदारी

ढाका ।
सन् 1985 में सार्क की स्थापना की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी क्षेत्रीय सहयोग है। बांग्लादेश ने इसकी पहल की थी। सार्क में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान सदस्य देशों के रूप में शामिल हैं। बांग्लादेश के करियर राजनयिक मोहम्मद गुलाम सरवर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के महासचिव के रूप में नियुक्त किए गए हैं। बांग्लादेश सरकार ने गुरुवार को नियुक्ति की घोषणा की।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी किया। उन्होंने अपने बयान में कहा कि सरवर उत्तराधिकारियों की सूची में पंद्रहवें स्थान पर हैं। इसी के साथ सरवर क्षेत्रीय संगठन का यह पद संभालने वाले तीसरी बांग्लादेशी होंगे। वर्तमान में सरवर मलेशिया में बांग्लादेश में राजदूत के पद पर कार्यरत है। इससे पहले सरवर ओमान और स्वीडन में राजदूत के रूप में कार्यरत थे।

क्या है सार्क

सन् 1985 में सार्क की स्थापना की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी क्षेत्रीय सहयोग है। बांग्लादेश ने इसकी पहल की थी। सार्क में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान सदस्य देशों के रूप में शामिल हैं। हालांकि, 2016 के बाद से सार्क प्रभावी नहीं रहा। इसकी मुख्य वजह 2014 में काठमांडू में हुए शिखर सम्मेलन के बाद द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन नहीं होना रहा। 2016 में सार्क शिखर सम्मेलन इस्लामाबाद में होना था। लेकिन उसी साल 18 सितंबर को जम्मू-कश्मीर में हुए उरी हमले कारण भारत ने शिखर सम्मेलन में शामिल होने में असमर्थता व्यक्त की थी। भारत के साथ-साथ बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान ने भी इस्लामाबाद में बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया था, जिस वजह से शिखर सम्मेलन ही रद्द हो गया था।

अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग, पीएम मोदी के दौरे के एक महीने के अंदर ही संसदीय कमेटी ने पास किया प्रस्ताव

वाशिंगटन ।
सीनेटर जेफ मर्कले ने कहा कि संसदीय कमेटी में प्रस्ताव पास हो गया है। इससे साफ होता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग मानता है, ना कि चीन का। बता दें,यह प्रस्ताव सीनेटर जेफ मर्कले, बिल हेगर्टी, टिम काइन और क्रिस वान होलेन ने पेश किया। चीन लगातार भारत की सीमाओं पर घुसपैठ कर रहा है। हाल ही में, भारत के अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर चीन ने कब्जा कर लिया है। उसका कहना है कि ये क्षेत्र उसके देश के अंतर्गत आते हैं। जबकि अमेरिका भारत का पक्ष ले रहा है। अमेरिकी संसद की सीनेट कमेटी ने अरुणाचल प्रदेश को भारत के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता देने वाला एक प्रस्ताव पारित किया है। बता दें, यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के एक महीने के अंदर ही संसदीय कमेटी ने पास कर दिया है। चार सीनटरों ने किया प्रस्ताव पेश यह प्रस्ताव गुरुवार को सीनेटर जेफ मर्कले, बिल हेगर्टी, टिम काइन और क्रिस वान होलेन ने पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका मैकमोहन रेखा को चीन और भारत के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता देता है। प्रस्ताव पूर्ण मतदान के लिए सीनेट में जाएगा। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग संसद के कार्यकारी आयोग के सह-अध्यक्ष सीनेटर जेफ मर्कले ने कहा कि अमेरिका पूरी दुनिया में स्वतंत्रता और कानून आधारित पद्धति का समर्थन करता है। यह प्रस्ताव साफ कर देता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग मानता है, ना कि पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का। चीन के खिलाफ कदम उठाना जरूरी वहीं, हेगर्टी ने कहा कि ऐसे समय में जब चीन स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए गंभीर खतरे पैदा कर रहा है। अमेरिका के लिए इस क्षेत्र में अपने रणनीतिक साझेदारों, विशेषकर भारत और अन्य क्वाड देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना महत्वपूर्ण है। साथ ही चीन की क्षेत्रीय विस्तार की व्यापक रणनीति के खिलाफ कदम उठाना जरूरी है, जो उसने दक्षिण और पूर्वी चीन सागर, हिमालय और दक्षिणी प्रशांत क्षेत्र में अपनाई है। अमेरिका दे मजबूत समर्थन सीनेटर कॉर्निन ने कहा कि भारत और चीन के बीच उनकी साझा सीमा को लेकर तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में, अमेरिका को स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक का समर्थन करके लोकतंत्र की रक्षा में मजबूती से खड़ा होना चाहिए। चीनी सेना सीमा पर बसा रही गांव बता दें कि अमेरिका मैकमोहन लाइन को भारत और चीन के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा मानता है।

जान की बाजी लगाकर यूएस में घुस रहे चीनी

5 महीने में 6500 लोग अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर गिरफ्तार, जिनपिंग का चाइनीज ड्रीम नाकाम

वॉशिंगटन।
चीन के हजारों लोग रोजगार और आजादी की तलाश में गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में घुस रहे हैं। यह दावा एक मीडिया रिपोर्ट में किया गया है। इसके मुताबिक- अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 के बीच अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर 6,500 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। खास बात ये है कि यह आंकड़ा एक साल पहले (अक्टूबर 2021 से मार्च 2022) की तुलना में 15 गुना ज्यादा है। गैरकानूनी तौर पर अमेरिका में घुसने की कोशिश करने वाले चीनी लैटिन अमेरिकी देशों का रास्ता अपनाते हैं। इन देशों में उनके साथ रेप, लूट और कत्ल की अनगिनत वारदातें हो चुकीं हैं। चीन की शी जिनपिंग सरकार भले 'चाइनीज ड्रीम' के दावे करे, लेकिन यहां के लोग हर कीमत पर देश से भागना चाहते हैं।

'चीनी सिटिजन्स का अमेरिकन ड्रीम'

हाल ही में अमेरिकी मीडिया हाउस ने चीनी नागरिकों के अमेरिकी ख्वाब पर रिपोर्ट पब्लिश की। इसके वीडियो वर्जन में चीनी मूल के एक अमेरिकी स्कॉलर ने कहा- अमेरिकन्स को लगता है कि उनके लिए अब अमेरिकन ड्रीम खत्म हो चुका है। उन्हें लगता है कि अमेरिका अब सुपरपॉवर और कंट्री ऑफ ड्रीम्स नहीं रहा, लेकिन चीन के लोगों का अमेरिकन ड्रीम जिंदा है और हर रोज मजबूत हो रहा है। चीनी माइग्रेंट्स के डेटा पर नजर डालें तो स्कॉलर की बात सही साबित होती है। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 के बीच अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर ही 6,500 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। 2021-22 में इसी दौरान यह आंकड़ा 15 गुना कम था। यही स्कॉलर आगे कहते हैं- इस डेटा के आधार पर ही

बात करें तो यह चीन की शी जिनपिंग सरकार के मुंह पर तमाचा है। वो दावा करती थी कि अब दुनिया में चाइनीज ड्रीम ही सबसे आगे है। अगर ये सच होता तो चीनी नागरिक गैरकानूनी तौर पर और जान की बाजी लगाकर अमेरिका क्यों जाते।

हाईवे ऑफ डेथ'

पाकिस्तान और कई अफ्रीकी देशों के नागरिक बेहतर जिंदगी की तलाश में गैरकानूनी तौर पर यूरोपीय देशों में घुसने की कोशिश करते हैं। पिछले ही महीने 300 लोगों से भरी बोट डूब गई थी। 220 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। ज्यादातर पाकिस्तानी थे। अब चीनी नागरिक भी इसी खतरनाक और जानलेवा रास्ते पर चल रहे हैं। फर्क सिर्फ ये है कि वो सड़क के रास्ते और मोटी रकम खर्च करके अमेरिका पहुंचना चाहते हैं। चीन के नागरिक करीब 6 हजार डॉलर खर्च करके इक्वाडोर पहुंचते हैं। इसकी वजह यह है कि यहां उनकी वीजा-फ्री एंट्री है। इसके बाद वो मैक्सिको पहुंचते हैं। इसके लिए मोटी रिश्वत देना होती है। इसके बाद फेक ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स मिलते हैं। इस बात का खुलासा पिछले दिनों 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट में भी किया गया था। मैक्सिको के मेनलैंड से अमेरिकी बॉर्डर तक पहुंचने के लिए बेहद खतरनाक रास्ते का इस्तेमाल होता है। इनमें हाईवे नंबर 101 भी शामिल है। इसे हाईवे ऑफ डेथ भी कहा जाता है। यहां चीनी या दूसरे माइग्रेंट्स के साथ लूट और रेप जैसे क्राइम भी होते हैं। कई मारे भी जाते हैं। तो फिर यह खतरा मोल क्यों लिया जाता है रिपोर्ट के मुताबिक- 2012 में जब शी जिनपिंग ने सत्ता संभाली तो वादा किया कि वो एक अरब से ज्यादा आबादी वाले देश को दुनिया का नंबर 1 देश बनाएंगे। जिनपिंग ने चाईनीज ड्रीम साकार करने का भी भरोसा दिलाया। अब चीनी अवाम समझ चुकी है कि उनके साथ धोखा हुआ। उनका सपना किसी बुरे ख्वाब की शक्ल अख्तियार कर चुका है। कोविड-19 के बुरे दौर के बाद चीन में बेरोजगारी दर 20.4 हो चुकी है। सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान क्यूबा के साथ भी यही हुआ। तब हजारों क्यूबाई नागरिक अमेरिका पहुंच गए थे। अब चीन के लोग भी यही कर रहे हैं।

पूर्व आतंकी और हुर्रियत कांफ्रेंस का एक सदस्य पीएसए के तहत गिरफ्तार

श्रीनगर (हिंस)। बांदीपोरा जिले में एक पूर्व आतंकी और हुर्रियत कांफ्रेंस के एक सदस्य को शुक्रवार को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में निरंतर संलिप्तता के लिए कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उस व्यक्ति की पहचान क्विलमुकाम बांदीपोरा जिले के निवासी अमीर हमजा शाह के रूप में की है। बांदीपोरा पुलिस ने ट्विटर पर कहा कि बांदीपुरा पुलिस ने एक पूर्व आतंकी और एपीएचसी के सदस्य अमीर हमजा शाह निवासी क्विलमुकाम बांदीपुरा के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया और उसे लगातार राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के लिए जिला जेल बारामूला में बंद कर दिया है।

दलित युवती का शव कुएं में मिला, सांसद डॉ. किरोड़ी ने कहा कि गैंगरेप के बाद हत्या

हिंडौन/ जयपुर (हिंस)। हिंडौन के नादौती थाना के भीलापाड़ा मोड़ पर एक कुएं में गुरुवार को एक युवती का शव मिला। युवती बुधवार सुबह से घर से लापता थी। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के चेहरे पर तेजाब के निशान मिले हैं। हिंडौन के राजकीय चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम किया गया। भारतीय जनता पार्टी ने युवती की हत्या और दुष्कर्म मामले की जांच के लिए प्रदेश स्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति तुरंत प्रभाव से करौली जाकर संपूर्ण तथ्यों की निष्पक्ष जांच कर प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी को रिपोर्ट सौंपेगी। समिति में प्रदेश महामंत्री व सांसद दीया कुमारी, भरतपुर सांसद रंजीता कोली और महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुमन शर्मा को शामिल किया गया है। टोडाभीम, डीएसपी अमरसिंह ने बताया है कि युवती के चेहरे और हाथ पर सफेद निशान हैं। किसी ने तेजाब डाला है। युवती बुधवार से लापता थी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। मृतका करौली जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र के मनोहरपुर गांव की रहने वाली है। उसके पिता दुबई में मजदूरी करते हैं। सूचना मिलने पर सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अस्पताल में डेरा डाले हुए हैं। डॉ. मीणा ने हत्या का खुलासा करने और पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी व आर्थिक सहायता देने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोहनपुरा, टोडाभीम में दलित बेटी को तड़के सुबह मुंह में कपड़ा ठूंस कर घर से उठाया। फिर गैंगरेप किया। गोली मारी, मरी नहीं तो तेजाब डाला और फिर कुएं में फेंका। क्रूरता की इंतहा पार करने वाले दरिंदगों को पुलिस शीघ्र गिरफ्तार करें और सरकार कड़ी सजा सुनिश्चित करें। न्याय के लिए परिजनों के साथ हिंडौन में हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में महिलाओं पर अत्याचार को बढ़ावा मिल रहा है। सांसद ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर डॉक्टर्स को लताड़ लगाई। उन्होंने कहा किसी दबाव में आकर दलित युवती की रिपोर्ट को गलत मत बनाना। उन्होंने जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह से फोन पर वार्ता कर मेडिकल बोर्ड द्वारा बताई रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में कब तक हर रोज इस तरह की मन विचलित करने वाली खबर सामने आती रहेगी। करौली टोडाभीम के नादौती क्षेत्र में दलित बेटी को एसिड से जलाकर उसकी हत्या कर कुएं में शव फेंकने की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान है। कांग्रेस सरकार के साढ़े चार सालों के कार्यकाल में राजस्थान की माताओं और बहनों पर हो रहें अत्याचार और उत्पीड़न के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जनता कभी माफ नहीं करेगी।

बाढ़ प्रभावित टिवाना और अमलाला में पहुंचे जल संसाधन मंत्री

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के जल स्रोत मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने भारी बारिश के कारण घग्गर नदी में रिकार्ड जलस्तर बढ़ने से हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर नदी के तटबंधों पर पड़ी दरारें भरने के लिए युद्ध स्तर हो रहे बचाव और राहत कामों का भी निरीक्षण किया। मंत्री ने गांव टिवाना और अमलाला में भी दौरा किया। मीत हेयर ने बताया कि इस बार निरंतर और तेज मूसलाधार बारिशों के कारण पिछले कई दशकों से घग्गर नदी में रिकार्ड पानी आया। भांखरपुर में जहां घग्गर नदी पंजाब में दाखिल होती है, इस बार 970.4 फूट पानी आया जोकि अब तक का सबसे अधिक है। इससे पहले 2004 में 967.4 फूट पानी था। घग्गर नदी में पानी बढ़ने और ओवरफ्लो होने से इसमें मोहाली, पटियाला और संगरूर में कुछ स्थानों

पर इसके तटबंधों में दरारें भी आयी हैं। मीत हेयर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राहत कामों के लिए आपदा फंड में से जहां 33.50 करोड़ रुपए जारी किए गए, वहीं 71 करोड़ रुपए और भी मंजूर किए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों के हुए नुकसान की भरपायी करेगी। सरकार और प्रशासन दिन- रात लोगों की सेवा में जुटी है। इस दौरान मंत्री मीत हेयर ने डेराबस्सी से विधायक कुलजीत सिंह रंधावा के साथ टिवाना में नदी के तटबंधों में आई दरार को भरने का काम भी देखा। उन्होंने गांववासियों को मिलकर फसलों के हुए नुकसान का भी जायजा लिया और अमलाला में घग्गर नदी पर बने पुल को हुए नुकसान को भी देखा।

अठारह हजार एकड़ से ज्यादा फसल जलमग्न

पलवल (हिंस)। यमुना नदी का जल स्तर हथनीकुंड बैराज व दिल्ली से पानी छोड़े जाने के बाद निरंतर घंटे बढ़ रहा है। यमुना का स्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। यमुना नदी से लगते दर्जनों गांवों की फसल में पानी भर चुका है। गांव इंद्रानगर संपर्क अन्य गांवों से टूट चुका है। ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विधायक व मंत्री के भतीजे ने मौके का जायजा लिया। दूसरे गांवों के रास्ते में पानी चढ़ने लगा है, जिसे मिट्टी के भरे हुए कट्टे लगाकर रोकने का कार्य प्रशासन ने शुरू कर दिया है। मोहना से बागपुर गांव का भी संपर्क टूटा चुका है, जिसके चलते दर्जनों गांवों के लोगों को परेशानी हो रही है। जिले की करीब 18 हजार एकड़ से ज्यादा भूमि में बिजाई की गई फसलें जलमग्न हो चुकी हैं। जिले के थंथरी, गुरवाड़ी, इंद्रानगर सहित खादर के कई गांवों में पानी भर चुका है। यमुना से लगते गांवों के लोगों में भय व्याप्त है। यमुना नदी हर घंटे अपना रौद्र रूप दिखा रही है। जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने 11 जुलाई को यमुना नदी से सटे कई गांवों का दौरा किया था। उपायुक्त ने सिंचाई विभाग को रास्ते और गांव के आसपास मिट्टी डलवाने के आदेश दिए थे। विधायक दीपक मंगला व केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के भतीजे उत्कर्ष चौधरी ने शुक्रवार को यमुना किनारे बसे गुरवाड़ी, पहलादपुर, थंथरी, दोषपुर, राजुपूर व बागपुर सहित अन्य गांवों का दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। जिन गांवों के निकट पानी आ चुका है, वहां प्रशासनिक अधिकारियों को उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश का युवा 18 जुलाई को राजस्थान लोक सेवा आयोग का करेगा घेराव

अजमेर (हिंस)। राजस्थान प्रदेश का युवा वर्ग आगामी 18 जुलाई को अजमेर में एकत्रित होकर राजस्थान लोक सेवा आयोग का घेराव करेगा। इस घेराव का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा किया जाएगा। युवाओं में आक्रोश है कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार में भर्ती परीक्षाएं निरस्त होती रहीं, पेपर लीक होते रहे, नियुक्तियों में विलम्ब चल रहा है। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी ने मीडिया को बताया कि पिछले साढ़े चार साल में 18 भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक और उदासीनता के चलते रद्द हुई तो वही विफल शिक्षा नीति के चलते स्कूली शिक्षा गुणवत्ता परिषद में रैंकिंग 2019 में दूसरे स्थान से गिरकर 2021 के आंठवे स्थान पर आ गई। शिक्षा और रोजगार के मामले में सरकार ने प्रदेश को शर्मसार करने के अलावा और कुछ नही किया। प्रदेश की 22 फीसदी स्कूलों में बिजली नहीं है तो 70 फीसदी में कंप्यूटर सुविधा उपलब्ध नहीं। शिक्षकों के अभाव में आए दिन ग्रामीणजन स्कूलों को ताले लगा कर कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। देवनानी ने गहलोत सरकार पर युवाओं के सपनों का खून करने का आरोप लगाया। पिछले चार बजट के पौने तीन लाख सरकारी भर्ती की घोषणा हुई लेकिन मिली सिर्फ 50 हजार। देवनानी ने बेरोजगारी भत्ते के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए कहा की चुनावी घोषणापत्र में 70 लाख बेरोजगारों को भत्ता देने का वादा किया गया। लेकिन इंटर्नशिप अनिवार्य का नियम बनाकर युवाओं को इस भत्ते से दूर कर दिया। हालात यह है की बेरोजगारी दर और बेरोजगारी से आत्महत्या के मामले में प्रदेश नंबर एक पर है। 25 फीसदी से अधिक श्रमिक बेरोजगार है। 2018 के मुकाबले प्रदेश में बेरोजगारी दुगनी हो गई है। देवनानी ने कहा की कांग्रेस राज में पेपर माफिया और संगठित अपराध को प्रोत्साहन मिला हैं। कांग्रेस सरकार के संरक्षण में रीट पेपर लीक का महाघोटाला हुआ जिसमे कांग्रेस पार्टी से जुड़े राजीव गांधी स्टडी सर्किल के लोग भी शामिल है। मामले की सीबीआई जांच होगी तो बड़े चेहरे बेनकाब हो जायेंगे। इसी तरह आरपीएससी पेपर लीक मामले के तार भी ऊंचे स्तर पर बैठे लोगों तक हैं जिसको दबाने के लिए ही जांच सीबीआई को नहीं सौंपी जा रही। प्रदेश में 2019 से दिसंबर 2022 तक एक दर्जन भर्ती परीक्षाएं निरस्त हुई जिसमे कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2019, पटवारी भर्ती परीक्षा 2019, लाइब्रेरियन परीक्षा 2018, जेईएन भर्ती परीक्षा 2021, सब इंस्पेक्टर परीक्षा 2021, रीट पेपर लीक 2021, कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2022,वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2022, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 शामिल है। शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी बताया कि 18 जुलाई को भारतीय जनता युवा मोर्चा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से आरपीएससी तक पैदल मार्च करेगा और आरपीएससी का घेराव किया जाएगा। इसी तरह आने वाले दिनों में हर मोर्चे की तरफ से जनता के साथ किए गए वादाखिलाफी के विरोध में सड़क पर उतर कर आंदोलन किया जाएगा। 18 जुलाई को होने वाले आरपीएससी के महाघेराव के लिए जिला स्तर बैठकों का आयोजन हुआ है। मण्डल एवं वार्ड स्तर पर बैठकों का आयोजन करने के साथ ही विभिन्न कॉचिंग संस्थानों, जीम, एकेडमियों से सम्पर्क किया गया है। इसके साथ ही युवा चौपाल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को होने वाले महाघेराव के लिए प्रात: 10 बजे सभी प्रदेश पदाधिकारी व कार्यकर्ता माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बाहर एकत्रित होकर पैदल मार्च करते हुए आरपीएसी का घेराव करेंगे। मीडिया से बातचीत में महापौर बृजलता हाड़ा, अजमेर युवा मोर्चा के संगठन प्रभारी जय सिंह शेखावत, जिलाध्यक्ष राहुल जायसवाल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रचित कच्छावा आदि मौजूद रहे है।

प्रदेश में 232 नगरीय निकायों में 1528 करोड़ के कार्यों का शिलान्यास आज

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा शनिवार को 232 नगरीय निकायों में 2 हजार 642 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण, सुदृढ़करण एवं चौड़ाईकरण के कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में 1528 करोड़ की लागत के 4 हजार 101 कार्यों का शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री आवास पर वर्चुअली किया जाएगा। गालरिया ने कहा कि बजट 2023-24 में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा अनेक घोषणाएं की गई हैं। इनमें से पीडब्ल्यूडी से संबंधित कार्यों को विभाग द्वारा प्रमुखता से समय पर पूरा किया जा रहा है। इसी क्रम में 15 जुलाई को इन कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वायत्त शासन व नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे और विभिन्न जिलों से जनप्रतिनिधि वीडियो

कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि विभाग द्वारा गत 4 वर्षों में 64 हजार 946 किलोमीटर की सड़कों के निर्माण व विकास कार्य करवाए गए है। वर्ष 2011 की जनगणनानुसार 500 से अधिक आबादी के कुल 851 गांवों को सड़कों से जोड़ा जा चुका है एवं शेष रहे गांवों को जोड़ने का काम भी निरंतर चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य के निर्माण कार्यों को समयबद्ध पूरा करने के साथ उनकी गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा नगर निगम जयपुर हेरिटेज में 20 करोड़ के 25 कार्य, नगर निगम जयपुर ग्रेटर के 19 करोड़ के 174 कार्य, नगर परिषद चौमूं में 10 करोड़ के 11 कार्य एवं जयपुर जिले की विभिन्न नगर पालिकाओं में लगभग 6-6 करोड़ की लागत के कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। इनमें सांभर में 11 कार्य, जोबनेर में 30 कार्य, विराटनगर में 41 कार्य, पावटा प्रागपुरा में 26, किशनगढ़ रेनवाल में 47, बगरू में 21, शाहपुरा में 35, चाकसू में 11, बस्सी में 14 और मनोहरपुर एवं नरायणा में 41 कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। नगरपालिका क्षेत्र में 20 किलोमीटर, नगरपरिषद क्षेत्र में 35 किलोमीटर और नगर निगम क्षेत्र में 50 किलोमीटर के कार्य पीडब्ल्यूडी द्वारा करवाए जा रहे है।

हड़ताल का आह्वान अतीत की बात हो गई है और अब साल के 365 दिन शांतिपूर्वक बीतते हैं : उपराज्यपाल

श्रीनगर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि पहले कश्मीर में लगभग हर साल और लगभग हर दिन बंद का आह्वान होता था और वे दिन गए जब घाटी में स्कूल और कॉलेज बंद रहते थे। उन्होंने कहा कि हड़ताल का आह्वान अतीत की बात हो गई है और अब साल के 365 दिन शांतिपूर्वक बीतते हैं और स्कूल और कॉलेज हर दिन सामान्य रूप से काम करते हैं। उपराज्यपाल ने अमर सिंह कॉलेज श्रीनगर में छात्रों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि घाटी में हड़तालें अतीत की बात हैं, जहां सभी क्षेत्रों का व्यापार फल-फूल रहा है और अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोग शांति का लाभ उठा रहे हैं। जेहलम नदी के किनारे युवाओं को संगीत बजाते हुए और छात्रों को पढ़ने का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि शांति के बिना जम्मू-कश्मीर में विकास और प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि युवा जम्मू-कश्मीर और देश का भविष्य हैं। हमें जम्मू-कश्मीर को सभी मोर्चों पर आगे ले जाने के लिए आपके समर्थन की आवश्यकता

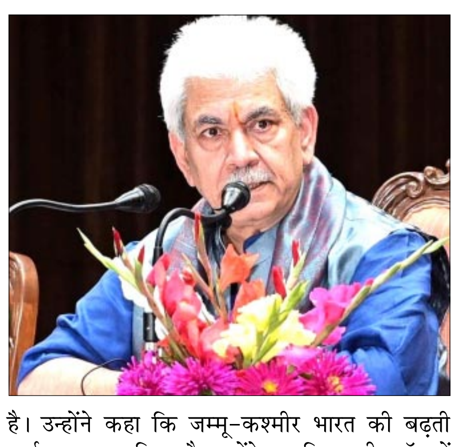

है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारतीय डॉक्टरों ने दर्जनों विदेशी देशों को कोविड के खिलाफ टीके उपलब्ध कराकर हमें गौरवान्वित किया है। उन्होंने भारत को दुनिया भर में सबसे मजबूत राष्ट्र बनाने में छात्रों का समर्थन मांगा।

चौकी इंचार्ज ने पानी में फंसे बच्चे को कंधे पर उठाकर सकुशल निकाला

फरीदाबाद (हिंस)। एसीपी सराय देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में पल्ला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दलीप व नवीन नगर चौकी प्रभारी हर्ष वर्धन व उनकी टीम ने एनडीआरएफ व जिला प्रशासन के साथ मिलकर बसंतपुर एरिया में फंसे 500 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने शुक्रवार को बताया कि नवीन नगर चौकी प्रभारी ने सराहनीय कार्य करते हुए यमुना जल भराव में फंसे करीब 14 वर्षीय एक बच्चे को अपने कंधे पर उठाकर वहां से सुरक्षित बाहर निकाल कर एक सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। पुलिस को सूचना मिली थी कि बसंतपुर एरिया में कुछ लोग पानी में फंसे हुए हैं जो अपने आप निकलने में असमर्थ हैं। सूचना मिलते ही हर्षवर्धन अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने ट्रैक्टर का प्रबंध करके वहां पर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की, परंतु ट्रैक्टर रास्ते में ही बंद हो गया जिसकी वजह से उनको निकालने में और ज्यादा मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस टीम कहीं से रस्सी का बंदोबस्त करके उसे बांधकर पानी में फंसे लोगों तक पहुंची। चौकी प्रभारी ने वहां पर रस्सी के सहारे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया, परंतु बच्चा पानी ज्यादा होने के कारण अपने आप निकलने में असमर्थ था तो उसकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उप निरीक्षक हर्षवर्धन ने बच्चे को अपने कंधे पर उठा लिया और रस्सी के सहारे चलते हुए उसे सकुशल पानी के बाहर निकाल लिया। इसके पश्चात बच्चों को वापिस उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

हरियाणा का डिजिटलाइजेशन सिस्टम किसान हित में : तोमर

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों की सुविधा पहुंचाने के तहत विभिन्न योजनाओं के लिए अपनाए जा रहे हरियाणा सरकार के डिजिटलाइजेशन सिस्टम की सराहना की है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के किसान हित में उठाए जा रहे कल्याणकारी कदमों को देश के अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय बताया। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को केंद्रीय कृषि मंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की और हरियाणा सरकार की ओर से किसान हित में लिए जा रहे निर्णयों से अवगत कराया। केंद्रीय कृषि एवं किसान

कल्याण मंत्री तोमर से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि केंद्र सरकार की कृषि एवं किसान कल्याण की दिशा में लागू की गई योजनाओं का लाभ हरियाणा सरकार प्रदेश के किसानों को प्रभावी ढंग से पहुंचा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान हित में हरियाणा सरकार की नीतियों को पूरे देश के लिए आदर्श बताते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग दिए जाने का विश्वास दिलाया। तोमर ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के हितों व उनके लाभ के लिए सजग एवं सतर्क है, ऐसे में केंद्रीय कृषि मंत्रालय हरियाणा सरकार के किसान हित में उठाए जा रहे निर्णय में निरंतर सहयोग करेगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा देश का ऐसा राज्य जिसमें मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल के माध्यम से किसानों की कृषि योग्य बोई गई फसलों का संपूर्ण डाटा रिकार्ड किया गया है। साथ ही हरियाणा सरकार ने निर्णय लिया है कि किसी भी रूप से प्राकृतिक आपदा की स्थिति में खेत की बुआई करने वाले किसान को प्रभावित हुई फसल का मुआवजा समय पर दिया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि मंत्री के समक्ष प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित किसानों को आ रही तकनीकी कठिनाईयों से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों की संतुष्टि हरियाणा सरकार की प्राथमिकता है और उसी प्राथमिकता के आधार पर केंद्रीय कृषि मंत्रालय के समक्ष वे विभिन्न सुझाव रखते हुए समाधान करने का आग्रह करते हैं।

नेताजी ने अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध छेड़ देश भक्ति का जोश पैदा किया था : घनश्याम दास अरोड़ा

यमुनानगर (हिंस)। भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने उड़ीसा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्मस्थली पर पहुंचकर उन्हें नमन किया। भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि वह अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली समझते हैं कि आज उन्हें नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्मस्थली पर आने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ है। अरोड़ा ने बताया कि वह हरियाणा विधानसभा की पटीशन कमेटी के साथ सरकारी दौरे पर उड़ीसा गए हुए हैं। उड़ीसा प्रदेश पहुंचने पर उन्हें आजाद हिन्द फौज के संस्थापक महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्मस्थली पर जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ओडिशा के कटक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्मस्थली है। वहां पहुंचकर उन्होंने नेताजी को शत-शत नमन करते हुए कहा कि आपके प्रयासों से देश की स्वतंत्रता के आंदोलन में अत्यधिक तेज गति पकड़ी। आजाद हिंद फौज ने अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध छेड़कर पूरे भारत में देश भक्ति का नया संचार पैदा कर दिया था।

आईएएस समेत एक दर्जन के खिलाफ एफआईआर की मंजूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने एंटी क्रप्शन ब्यूरो (एसीबी) को फरीदाबाद नगर निगम में हुए ग्रिल घोटाले में आईएएस अनिता यादव समेत एक दर्जन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मंजूरी दे दी है। अब एसीबी आईएएस व तत्कालीन चीफ इंजीनियर समेत कई अन्यों पर शिकंजा कसेगी। सरकार ने यह भी साफ किया है कि मामला दर्ज करने के बाद अगर किसी अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ अनियमितता मिलती है तो कानून अनुसार कार्रवाई करने से पहले अनुमति ली जाए। आईएएस अनिता यादव फरीदाबाद नगर निगम की आयुक्त रह चुकी हैं। एसीबी फरीदाबाद नगर निगम में हुए कई घोटालों की जांच की जा रही है। इनमें से एक ग्रिल घोटाला भी है। यह घोटाला तत्कालीन आयुक्त अनिता यादव के कार्यकाल के दौरान हुआ था। एसीबी ने यह प्रारंभिक जांच सीआईडी की रिपोर्ट के आधार पर दर्ज की थी। इसके बाद एसीबी के डीएसपी अनिल कुमार ने यह जांच की। विवाद के अनुसार फरीदाबाद नगर निगम में बल्लभगढ़ शमशान से तिगांव चौक बाईपास रोड के डिवाइडर रोड पर लोहे की ग्रिलें लगवाने का काम किया गया। जिसमें करीब पांच करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। इस मामले की जब जांच की गई तो एससीबी को पूरा रिकार्ड नहीं मिला। काफी दस्तावेज गायब थे। जांच में पता चला कि शुरू में सतबीर सिंह ठेकेदार नामक व्यक्ति ने जो काम किया वह महज 27.52 लाख का था मगर समय के साथ यह बढ़-चढ़कर पांच करोड़ 80 लाख तक पहुंच गया। एसीबी ने इस मामले की जांच के चलते मार्च माह के दौरान सरकार से अनिता यादव व अन्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। प्रदेश सरकार ने मामला आईएएस से जुड़ा होने के नाते पहले इस बारे में कानूनी राय ली। कानूनी राय के आधार पर मार्च माह के दौरान जांच की मंजूरी दी गई थी। जिसके चलते एसीबी ने अनिता यादव व अन्यों से पूछताछ की थी। इसके बाद एसीबी ने सरकार को स्टेटस रिपोर्ट भेजी गई। इस रिपोर्ट के आधार पर आईएएस अनिता यादव, तत्कालीन चीफ इंजीनियर दौलत राम भास्कर, एक्सईएन प्रेम राज, एई शेर सिंह, सीनियर ऑडिटर नवीन कुमार, लोकल ऑडिट अफसर हरगुलाल, अकांउट ऑफिसर इंचार्ज विशाल कौशिक, अकांउटस ब्रांच के अधीक्षक विनोद कुमार, ब्रांच क्लर्क नवीन कुमार और राजेंद्र कुमार, ठेकेदार सतबीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करने की अनुमति प्रदान की है।

एसजीपीसी 24 से अपने चैनल पर करेगी गुरवाणी का प्रसारण

चंडीगढ़ (हिंस)। दरबार साहिब से गुरवाणी प्रसारण को लेकर छिड़े विवाद के बीच शुक्रवार को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने ऐलान कर दिया है कि 24 जुलाई से एसजीपीसी के चैनल के माध्यम से ही गुरवाणी का प्रसारण किया जाएगा। गुरवाणी प्रसारण के अधिकार केवल एसजीपीसी के पास हैं। दरबार साहिब से इस समय केवल पीटीसी टीवी चैनल के माध्यम से ही गुरवाणी का प्रसारण हो रहा है। पंजाब सरकार ने हालही में बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र में गुरुद्वारा एक्ट में संशोधन किया था। जिसके तहत पंजाब सरकार दरबार साहिब परिसर में अपना कंट्रोल रूम बनाकर सभी चैनलों को गुरवाणी प्रसारण के अधिकार देना चाहती है। पंजाब सरकार के इस फैसले के विरोध में एसजीपीसी ने राज्यपाल को ज्ञापन दिया था और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात का समय मांगा हुआ है। इस बीच एसजीपीसी के अध्यक्ष एचएस धामी ने शुक्रवार को कहा कि 24 जुलाई से एसजीपीसी का अपना चैनल शुरू किया जाएगा। यह फैसला आज हुई अंतरिंग कमेटी की बैठक में लिया गया। फिलहाल इस चैनल का यूटयूब व अन्य वैब माध्यमों से प्रसारण किया जाएगा। फिलहाल

इसके लिए एक कंपनी के साथ अनुबंध किया गया है। कंपनी केवल प्रसारण तथा तकनीकी पहलूओं को संभालेगी। गुरवाणी के प्रसारण के अधिकार एसजीपीसी के पास ही आरक्षित रहेंगे। इस चैनल का नाम *सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब अमृतसर* रखा गया है। एसपीसी अपना सैटलाइट चैनल भी शुरू करने जा रही है। इसके लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के साथ पत्राचार किया जा रहा है। सेटलाइट चैनल के लिए अगर जरूरत पड़ी तो अलग कंपनी का गठन भी किया जाएगा।

फ्रांस में भी इस्तेमाल कर सकेंगे भारतीय यूपीआई : पीएम मोदी एफिल टावर से शुरुआत करेंगे, उन्हें फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान भी दिया गया

पेरिस।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के दो दिन के दौरे पर हैं। पेरिस के प्रेसिडेंट पैलेस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार देर रात उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से नवाजा। वे यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय पीएम बन गए हैं। पीएम ने फ्रांस में बसे प्रवासियों से भारत में निवेश की भी अपील की। साथ ही ये भी बताया कि फ्रांस और भारत के बीच डिजिटल पेमेंट को लेकर करार हुआ है। इसके तहत फ्रांस में भारत के यूपीआई से पेमेंट की जा सकेंगी। उन्होंने कहा जल्द ही इसकी शुरुआत एफिल टावर से होगी। पीएम मोदी भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे पेरिस पहुंचे। इसके बाद उन्होंने यहां के ला सीन म्यूजिकल में भारतवंशियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, फ्रांस आना घर आने जैसा है। भारत के लोग जहां जाते हैं मिनी इंडिया बना लेते हैं।

नेशनल डे परेड में बतौर चीफ गेस्ट शामिल होंगे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बातचीत होगी। सीईओ के साथ मीटिंग करेंगे। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पीएम मोदी के लिए स्टेट बैन्क्वेट भी होस्ट करेंगे। मोदी बोले- जल्द एफिल टावर पर होगा यूपीआई से पेमेंट... स्पीच की 5 बड़ी बातें भारत अगले 25 वर्षों में विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। हर इंटरनेशनल एजेंसी कह रही है भारत आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, मैं संकल्प लेता हूं कि शरीर का हर कण आपके लिए है। वर्ल्ड ऑर्डर में भारत खास रोल निभा रहा है। हर चुनौती से निपटने में भारत का अनुभव और प्रयास दुनिया के लिए मददगार साबित हो रहा है। फ्रांस और भारत के लोगों के बीच का कनेक्शन और लोगों के बीच का आपसी विश्वास ही इस साझेदारी का सबसे मजबूत आधार है। यहां नमस्ते फ्रांस फेस्टिवल होता है, तो भारत में लोग बोन्सू इंडिया का आनंद उठाते हैं। जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। पहली बार किसी देश की अध्यक्षता में ऐसा हो रहा है कि उस देश के कोने-कोने में 200 से ज्यादा बैठकें हो रही हैं। पूरा जी20 समूह भारत की सामर्थ्य को देख रहा है। मैं 2015 में फ्रांस आया था, तब मैंने यहां शहीद हुए हजारों भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी थी। 100 साल पहले ये भारतीय सैनिक अपना कर्तव्य निभाते हुए फ्रांस की धरती पर शहीद हुए थे।

न्यूज ब्रीफ

शेयर बाजार ने नया ऑल टाइम हाई बनाया: सेंसेक्स 502 अंक चढ़कर 66,060 पर बंद, निफ्टी भी अपने नए हाई पर पहुंचा

मुंबई। शेयर बाजार ने अपना नया ऑल टाइम हाई बनाया है। सेंसेक्स 502 अंक चढ़कर 66,060 स्तर पर बंद हुआ, यह इसका नया क्लोजिंग हाई है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने अपना 66,159 का नया ऑल टाइम हाई और 52-वीक हाई भी बनाया। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में तेजी और 11 में गिरावट रही। निफ्टी ने भी 150 अंक की तेजी के साथ 19,564 का अपना नया क्लोजिंग हाई बनाया। वहीं कारोबार के दौरान निफ्टी ने भी अपना 19,595.35 का नया ऑल टाइम हाई और 52-वीक हाई भी बनाया। टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टेक, हिंडाल्को और आयर मोटर्स समेत निफ्टी-50 के 34 शेयरों में तेजी रही। पावर ग्रिड, डॉ रेड्डी, अल्ट्रा-टेक सीमेंट, टाइटन, मारुति, और सन फार्मा समेत निफ्टी के 16 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। सेन्को गोल्ड की 36प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्टिंग हुई। यह 431 रुपए/शेयर पर लिस्ट हुआ। वहीं यह 430 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 317 रुपए था। कंपनी ने इस के जरिए 405 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी दुबई, मलेशिया और सिंगापुर में ज्वेलरी एक्सपोर्ट करती है। इसके भारत के 13 राज्यों में 127 शोरूम हैं। आईटी कंपनी विप्रो ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 11.95प्रतिशत बढ़कर 2,870 करोड़ रुपए रहा।

कोयला घोटाला केस: सीबीआई कोर्ट ने एनर्जी कंपनी और 6 अन्य को दोषी माना, सजा पर 18 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले के सभी 7 आरोपियों को दोषी ठहरा दिया। इनमें जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, कंपनी के मैनेजमेंट से जुड़े 3 व्यक्ति, पूर्व कोयला सचिव और दो अन्य सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। स्पेशल जस्टिस संजय बंसल ने इन्हें आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी करने का दोषी पाया। वहीं, धारा 409 के आरोपों में सभी को बरी कर दिया। दोषियों की सजा तय करने के लिए 18 जुलाई को सुनवाई होगी। गुरुवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने छत्तीसगढ़ में फतेहपुर ईस्ट कोल ब्लॉक गलत फैक्ट्स पेश करके हासिल किया था। जांच एजेंसी ने बताया कि कोयला घोटाले से जुड़े मामलों में यह 13वीं दोषसिद्धि है। यवतमाल कंपनी को छत्तीसगढ़ में फतेहपुर ईस्ट कोल ब्लॉक आवंटित किया गया था। यह आवंटन कंपनी के मालिक की सिफारिश पर हुआ था।

एविएशन क्षेत्र में नया दौर शुरू, सिंधिया बोले- घरेलू एयरलाइनों के पास होंगे 1500 विमान, अभी हैं 720

नई दिल्ली। कंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश में नागर विमानन का भविष्य उज्जवल बताया बताया है।

उन्होंने देश के विमानन क्षेत्र में वृद्धि की शुरुआत होने की बात कही है। केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि नागर विमानन क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि में अपना योगदान दे रहा है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने एयर इंडिया समेत अन्य एयरलाइन्स की ओर से बड़ी संख्या में विमानों की खरीद के लिए दिए गए ऑर्डर का भी जिक्र किया। दिल्ली हवाई अड्डे पर चौथे रनवे और ईस्टर्न क्रॉस टैक्सीवेज (ईसीटी) के उद्घाटन से पहले मंत्री ने कहा, भारत ऊंचा लक्ष्य लेकर चल रहा है..., यह (नागर विमानन क्षेत्र के) विकास के चरण की शुरुआत है। सिंधिया ने यह भी कहा कि उन्होंने दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डायल से अक्टूबर तक चौथा टर्मिनल तैयार करने को कहा है। जीएमआर समूह के समूह अध्यक्ष जीएम राव ने कहा कि ईसीटी और चौथे रनवे से परिचालन दक्षता बढ़ाने और क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वह हवाई अड्डे पर चौथे रनवे और ईसीटी के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे।

8 साल के निचले स्तर पर आई थोक महंगाई

जून में ये -4.12प्रतिशत रही, खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से कम हुई महंगाई

नई दिल्ली।
जून महीने में थोक महंगाई दर यानी होलसेल प्राइस इंडेक्स घटकर -4.12प्रतिशत पर आ गई है। लगातार तीसरे महीने में गिरावट दर्ज की गई है। इतना ही नहीं थोक महंगाई का यह 8 साल का सबसे निचला स्तर भी है। इससे पहले अक्टूबर 2015 में ये -3.81प्रतिशत रही थी। मई महीने में यह -3.48प्रतिशत पर थी। वहीं पिछले साल जून 2022 में थोक महंगाई दर 15.18प्रतिशत पर रही थी।

खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से कम हुई महंगाई - जून में थोक महंगाई की दर में गिरावट मुख्य रूप से मिनरल ऑयल्स, खाने-पीने की चीजें, बेसिक मेटल्स, क्रूड पेट्रोलियम और नेचुरल गैस और कपड़ों की कीमतें कम होने के कारण आई है। फूड इंडेक्स में थोक महंगाई जून में सालाना आधार पर 1.24प्रतिशत कम हुई, जबकि एक महीने पहले इसमें 1.59प्रतिशत की गिरावट आई थी। जून में प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई घटकर 2.87प्रतिशत रह गई। फूड आइटम्स कैटेगरी में जून में सब्जियों की महंगाई 21.98प्रतिशत कम हुई, जबकि दालों और दूध की महंगाई 9.21प्रतिशत और 8.59प्रतिशत बढ़ गई।

ईंधन और बिजली की महंगाई दर में 12.63प्रतिशत की गिरावट - जून में ईंधन और बिजली की महंगाई दर में 12.63प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मैन्युफैक्चर प्रोडक्ट की महंगाई मई में 2.97प्रतिशत कम होने के बाद जून में भी कम होकर 2.71प्रतिशत रह गई है। हालांकि, मासिक आधार पर मैन्युफैक्चर प्रोडक्ट की महंगाई में मई और जून में

0.50प्रतिशत की गिरावट देखी गई। ईंधन और बिजली कैटेगरी में पेट्रोल और एचएसडी महंगाई में क्रमशा 22.29प्रतिशत, 16.32प्रतिशत और 18.59प्रतिशत की गिरावट आई। क्रूड पेट्रोलियम की महंगाई जून में सालाना आधार पर 32.68प्रतिशत कम हुई है।

करीब 8 साल के निचले स्तर पर थोक महंगाई - थोक महंगाई का ये करीब 8 साल का निचला स्तर है। इससे पहले अक्टूबर 2015 को भारत की थोक महंगाई दर -3.81प्रतिशत रही थी। वहीं बीते 10 साल में थोक महंगाई के सबसे निचले स्तर की बात करें तो यह 14 सितंबर 2015 को -4.95प्रतिशत रही थी।

आम आदमी पर असर - थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

निगेटिव मंहगाई से भी प्रभावित होती है इकोनॉमी - महंगाई का निगेटिव में रहना भी इकोनॉमी पर प्रभाव डालता है। इसे डिफ्लेशन कहा जाता है। निगेटिव महंगाई तब होती है वस्तुओं की आपूर्ति उन वस्तुओं की मांग से ज्यादा हो जाती है। इससे दाम गिर जाते हैं और कंपनियों का प्रॉफिट घट जाता है। प्रॉफिट घटता है तो कंपनियां वर्कर्स को निकलाती हैं और अपने कुछ प्लांट या स्टोर भी बंद कर देती हैं।

महंगाई कैसे मापी जाती है - भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। ये कीमतें थोक में किए गए सौदों से जुड़ी होती हैं। दोनों तरह की महंगाई को मापने के लिए अलग-अलग आइटम को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23प्रतिशत होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86प्रतिशत, हाउसिंग की 10.07प्रतिशत, कपड़े की 6.53प्रतिशत और फ्यूल सहित अन्य आइटम की भी भागीदारी होती है।

भारत में डब्लूपीआई तो अमेरिका में पीपीआई से मापते हैं महंगाई - डब्लूपीआई का इस्तेमाल भारत में महंगाई को मापने के लिए किया जाता है। डब्लूपीआई में बदलाव से फिस्कल और मॉनेटरी पॉलिसी चेंज बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं। वहीं अमेरिका में प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का इस्तेमाल महंगाई को मापने के लिए किया जाता है।

जून में फुटकर महंगाई 4.81प्रतिशत पर पहुंची - वहीं जून में फुटकर महंगाई 4.81प्रतिशत पर पहुंच गई है। मई में यह 25 महीने के निचले स्तर 4.25प्रतिशत पर आ गई थी। जून में सब्जियों की ऊंची कीमतों के कारण महंगाई बढ़ी है। असमान मानसूनी बारिश ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है जिससे दाम बढ़े हैं।

चावल निर्यात पर रोक लगा सकता है केंद्र, चुनावों से पहले महंगाई के जोखिम से बचना चाहती है सरकार

नई दिल्ली।
घरेलू बाजार में कीमतें थामने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक भारत ज्यादातर किस्मों के चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो अल-नीनो प्रभाव के कारण खाद्य महंगाई से पहले से ही जूझ रहे दुनियाभर के देशों में चावल की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं। वैश्विक चावल निर्यात में भारत की 40 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी है।

रिपोर्ट में कहा कि केंद्र सरकार सभी गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की योजना पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी इस संबंध में कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार विधानसभा चुनावों और उसके बाद अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले देश में अधिक महंगाई के जोखिम से बचना चाहती है। इसके अलावा, खराब मौसम की वजह से प्रमुख उत्पादक राज्यों में चावल की बुवाई पर असर पड़ा है। इसलिए, गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार चल रहा है। उधर, बुधवार को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में खुदरा महंगाई बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 4.81 फीसदी पर पहुंच गई है।

प्रभावित होगा 80प्रतिशत निर्यात

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि

गैर-बासमती चावल के निर्यात पर पाबंदी लगाने के सरकार के फैसले भारत के करीब 80 फीसदी चावल निर्यात पर असर पड़ सकता है। चावल दुनिया की लगभग आधी आबादी का मुख्य भोजन है। एशिया में वैश्विक आपूर्ति का करीब 90 फीसदी चावल उपभोग के लिएइस्तेमाल होता है।

वैश्विक बाजार में दाम 11 साल के शीर्ष पर

अल-नीनो प्रभाव के कारण सूखा पड़ने की आशंका से आयातकों ने आक्रामक तरीके से भंडार बढ़ाना शुरू कर दिया है। वैश्विक बाजार में चावल के दाम 11 साल के शीर्ष पर पहुंच गएहैं।

300 रुपये किलो तक पहुंच सकता है टमाटर

टमाटर की लगातार बढ़ रही कीमतों में फिलहाल गिरावट की कोईउम्मीद है।आने वाले समय में इसके दाम और बढ़ेंगे।कृषि विशेषज्ञ एवं नेशनल कमोडिटीज मैनेजमेंट सर्विसेज लि. (एनसीएमएल) के एमडी-सीईओसंजय गुप्ता ने कहा, बारिश की वजह से अभी टमाटर की नई फसल नहीं लगाई जा रही। पुरानी फसलें भारी मात्रा में खराब हो रही हैं।ऐसे में आने वाले एक-दो महीने में टमाटर की कीमत 300 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच सकती है।संजय ने कहा, बारिश थमने के बाद यानी सितंबर के बाद ही इसकी कीमतों पर दोबारा अंकुश लगने का अनुमान है।

दिल्ली-एनसीआर में टमाटर 90 रुपए में: सरकारी एजेंसी ने 130 के रेट पर खरीदा, पर सस्ते में बेच रही; अन्य शहरों में जल्द शुरुआत

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने शुक्रवार (14 जुलाई) को दिल्ली-एनसीआर में टमाटर की बढ़ती कीमतों कम करने का प्लान लागू कर दिया है। इस प्लान के तहत एग्रीकल्चर मार्केटिंग एजेंसी

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ शहर में टमाटर 90 रुपए प्रति किलो के प्राइस पर बेच रही हैं। अभी देशभर में कई जगहों पर टमाटर 200 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। दिल्ली-एनसीआर के बाद अन्य शहरों में भी जल्द सरकार अन्य शहरों में भी सस्ते में टमाटर बेचना शुरू करेगी। दिल्ली पहले दिन शुक्रवार को करोल बाग, पटेल नगर, पूसा रोड, नेहरू प्लेस सीजीओ, नोएडा सेक्टर 78, परी चौक, ग्रेटर नोएडा और रजनीगंधा चौक पर टमाटर की बिक्री कर रहा है। शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में लगभग 17,000 किलो टमाटर बेचेगा। इसके बाद अगले दिन शनिवार को लगभग 20,000 किलो टमाटर बेचने की योजना है और फिर उसे बढ़ाकर हर दिन 40,000 करने की योजना है। मैनेजिंग डायरेक्टर एनीस जोसेफ चंद्रा ने कहा, हमने टमाटर बेचने की कीमत 90 रुपए प्रति किलो तय की है, जबकि खरीदी दर 120-130 प्रति किलो है। इससे होने वाले नुकसान को केंद्र सरकार उठाएगी। दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों का कुल उत्पादन में लगभग 60प्रतिशत योगदान टमाटर का उत्पादन लगभग हर भारतीय राज्य में होता है। वहीं दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों का देश के कुल उत्पादन में लगभग 60प्रतिशत योगदान होता है। इन क्षेत्रों में हुए ज्यादा उत्पादन का उपयोग भारत के अन्य हिस्सों में टमाटर की निरंतर सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। मानसून में टमाटर के उत्पादन में कमी से बढ़ती हैं कीमतें अलग-अलग क्षेत्रों में मौसम के हिसाब से उत्पादन की मात्रा कम-ज्यादा रहती है। देश के ज्यादातर क्षेत्रों में टमाटर का ज्यादा उत्पादन दिसंबर से फरवरी के बीच होता है। जुलाई-अगस्त और अक्टूबर-नवंबर में टमाटर का उत्पादन कम होता है। जुलाई में मानसून शुरू होने से टमाटर के उत्पादन में कमी आती है और कीमतें बढ़ जाती हैं। चीन के बाद भारत सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश भारत है। ये करीब 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ करीब 2 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है।

ट्विटर ने की ऐड रेवन्यू शेयरिंग प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा, यूजर को मिलेगा पैसे कमाने का मौका

नई दिल्ली।
माइक्रोब्लॉगिंग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर के यूजर के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, ट्विटर अपने क्रिएटर्स के साथ रेवन्यू (आय) साझा करने की तैयारी में है। सोशल मीडिया दिग्गज ट्विटर ने बहुत जल्द ऐड रेवन्यू शेयरिंग प्रोग्राम लॉन्च करने की घोषणा की है। हालांकि, मुद्रीकरण के लिए योग्यताएं काफी चुनौतीपूर्ण होंगी। इससे अधिकांश यूजर पैसे कमाने की दौड़ से बाहर हो सकते हैं। ट्विटर ने एक ट्वीट के जरिए यह जानकारी दी है। ट्विटर ने लिखा, अद्भुत! हम राजस्व साझा करने के लिए तैयार हैं। आपको बहुत जल्द अपना हिस्सा मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए अपना ईमेल चेक करें। वहीं, वर्ल्ड ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने ट्वीट किया, बड़ी घोषणा: ट्विटर क्रिएटर्स के साथ राजस्व साझा करने का प्रोग्राम शुरू कर रहा है। आपको बता दें कि पिछले महीने ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने घोषणा की थी कि

जल्द ही ट्विटर पर ब्लू टिक वाले यूजर्स अपने ट्वीट के साथ में अन्य सत्यापित उपयोगकर्ताओं को दिखाए गए विज्ञापनों से होने वाली आय का हिस्सा पाने के लिए सक्षम होंगे। मस्क ने घोषणा की थी कि यह सुविधा कुछ हफ्तों में उपलब्ध होगा। इसलिए माना जा रहा है कि ट्विटर कभी भी इस प्रोग्राम की घोषणा कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ट्वीट के मुद्रीकरण के लिए जरूरी योग्यताएं अधिक होंगी। मुद्रीकरण के लिए जरूरी शर्तें ट्विटर ब्लू टिक/सत्यापन के साथ सक्रिय सदस्यता

पिछले तीन महीनों में हर माह में पांच मिलियन या इससे अधिक ट्वीट इंप्रेशन

हालांकि, अभी ट्विटर ने इन शर्तों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। भारतीय यूजर्स के लिए ये शर्तें काफी कड़ी हो सकती हैं, क्योंकि बहुत कम सक्रिय ट्विटर यूजर्स इसे हासिल कर पाएंगे। ट्विटर पर अच्छी आय अर्जित करने के लिए पांच मिलियन से अधिक इंप्रेशन पाने के लिए किसी भी उपोगकर्ता को बहुत सारे ट्वीट करने होंगे। इससे विज्ञापन दिखाने के लिए बहुत सारे अवसर मिलेंगे। इस स्तर पर अभी यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि क्या ट्विटर यूजर इस प्रोग्राम से वास्तव में कमाई की उम्मीद कर सकते हैं। लेकिन भविष्य में यह टॉप क्रिएटर्स के लिए एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत बन सकता है।

वॉट्सऐप ग्रुप में नहीं दिखेगा आपका फोन नंबर

कंपनी ने बीटा यूजर्स के लिए रोल आउट किया फोन नंबर प्राइवेसी फीचर

नई दिल्ली।
इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप में जल्द ही फोन नंबर प्राइवेसी फीचर मिलने वाला है। इस फीचर से वॉट्सऐप ग्रुप में कोई भी आपका नंबर नहीं देख पाएगा। मेटा की स्वामित्व वाली कंपनी ने फिलहाल इस फीचर को सिर्फ कुछ बीटा यूजर्स के लिए अवेलेबल कराया गया है। टेस्टिंग के बाद जल्द ही इस फीचर को अन्य यूजर्स भी इस्तेमाल कर सकेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फोन नंबर प्राइवेसी फीचर को दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए रोल आउट किया है। अगर आप इस फीचर का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो लेटेस्ट बीटा अपडेट को इंस्टॉल करना होगा। अपडेट के बाद यूजर्स को कम्यूनिटी में 'फोन नंबर प्राइवेसी' लेवल से का एक नया ऑप्शन शो हो जाएगा।

सिर्फ ये लोग ही देख सकेंगे आपका फोन नंबर

'फोन नंबर प्राइवेसी' फीचर यूजर्स को वॉट्स ऐप कम्यूनिटी में अपने फोन नंबर छिपाकर प्राइवेसी बनाए रखने में मदद करता है। रिपोर्ट में बताया कि, इस फीचर को इनेबल करने के बाद यूजर्स का फोन नंबर सिर्फ कम्यूनिटी एडमिन और उन लोगों को दिखाई देगा, जिनके पास उसका नंबर कॉन्टैक्ट लिस्ट में सेव है। हालांकि ये प्राइवेसी फीचर सिर्फ ग्रुप के मैंबर्स पर लागू होगा, ग्रुप एडमिन का नंबर सभी को दिखाई देगा।

अप्रैल में रोल आउट किए थे 3 नए सिक्योरिटी फीचर्स

इससे पहले वॉट्सऐप ने अप्रैल में 3 नए सिक्योरिटी फीचर्स रोल आउट किए थे। वॉट्सऐप ने दावा किया था कि ये नए फीचर यूजर को पहले से ज्यादा सिक्योरिटी और प्राइवेसी देंगे। इन फीचर्स में अलर्ट, वायरस आदि के लिए बैक एंड चेक और ऑटोमेटेड सिक्योरिटी कोड वेरिफिकेशन आदि शामिल हैं।

इससे यूजर्स को वायरस के जरिए होने वाली धोखाधड़ी से सिक्योरिटी मिलेगी। एप की प्राइवेसी और सिक्योरिटी के लिए है। तीनों फीचर्स को पाने के लिए आप अपने वॉट्सऐप को अपडेट कर सकते हैं।

तीनों फीचर क्या मिलेगा

अकाउंट प्रोटेक्ट : नए फीचर के तहत अगर यूजर अपने वॉट्सऐप अकाउंट को नए डिवाइस पर स्विच करते हैं तो सिस्टम आपके पुराने डिवाइस पर इसकी वैरिफिकेशन मांगेगा जिससे ये पता चलेगा कि ये आप ही हैं जो नए डिवाइस पर अपना अकाउंट चेक कर रहे हैं। इसका फायदा ये है कि इससे आपको उस समय अलर्ट मिलेगा जब कोई और आपके अकाउंट को खोलने की कोशिश करेगा।

डिवाइस वेरीफिकेशन : वॉट्सऐप ने मोबाइस डिवाइस मैलवेयर से यूजर के अकाउंट को बचाने के लिए डिवाइस वेरीफिकेशन फीचर शुरू किया है। ये फीचर यूजर को बिना उसकी अनुमति के दूसरों को मैसेज भेजने से रोकेगा। जिससे मैलवेयर के जरिए कोई यूजर के अकाउंट का गलत इस्तेमाल नहीं कर पाएगा।

ऑटोमैटिक सिक्योरिटी कोड : ये फीचर यूजर्स की प्राइवेसी को बनाए रखने के लिए दिया गया है। जिसमें यूजर खुद ही सिक्योर कनेक्शन को वेरिफाई कर सकेंगे।

भारत में 48 करोड़ से ज्यादा वॉट्सऐप यूजर

भारत में करीब वॉट्सऐप के करीब 48.9 करोड़ यूजर हैं। वहीं दुनियाभर में इसके 2 अरब से भी ज्यादा यूजर हैं। वॉट्सऐप को साल 2009 में लॉन्च किया गया था। 2014 में फेसबुक ने वॉट्सऐप को 19 बिलियन डॉलर में खरीदा था।

फिल्मों से दो साल का ब्रेक ले सकते हैं थलपति विजय

मुंबई (ईएमएस)। सुपरस्टार विजय ने 10 जुलाई को अपनी लोकेश कंगराज फिल्म लियो की शूटिंग पूरी की और 11 जुलाई को अपने विजय मक्कल अयक्कम सदस्यों के साथ बैठक की। ऐसी चर्चा है कि विजय तमिलनाडु 2026 चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए फिल्मों से दो साल का ब्रेक ले सकते हैं। अब खबरें हैं कि वह और डायरेक्टर शंकर फिर साथ काम कर सकते हैं। शंकर राम चरण की गेम चेंजर को पूरा करने में व्यस्त हैं, जबकि विजय के पास वेंकट प्रभु की अगली फिल्म है। चर्चा यह थी कि शंकर ने विजय को एक लाइन का गाना सुनाया था जो उन्हें पसंद आया और उन्होंने स्क्रिप्ट मांगी थी। गेम चेंजर के बाद शंकर उस पर काम करने वाले हैं, इसकारण इस प्रोजेक्ट में कुछ समय लगेगा। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस फिल्म में राजनीतिक रंग भी होगा। जैसा कि तमिलनाडु में जाना जाता है, थलपति विजय की हमेशा से राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं रही हैं और उनके फैन क्लब, थलपति विजय मक्कल अय्यकम (टीवीएमआई) की शुरूआत राज्य भर में युवाओं को आकर्षित करने और समर्थन जुटाने के इरादे से की गई थी। दरअसल, थलपति विजय मक्कल अय्यकम ने 2022 में तमिलनाडु में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ा था। टीवीएमआई द्वारा जारी बयान में कहा गया था, विजय के निदेर्शों के अनुसार, थलपति विजय मक्कल अयक्कम बिना कोई गठबंधन करे या किसी राजनीतिक दल का समर्थन मांगे बिना शहरी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ेगी। प्रशंसकों, कैडरों और पदाधिकारियों से अनुरोध है कि वे हमारा समर्थन करें। उम्मीदवार, लोगों को हमारे काम के बारे में बताएं और उनकी जीत का मार्ग प्रशस्त करें।

फिल्म बवाल का ट्रेलर देख दर्शक परेशान, प्रेम कहानी में हिटलर और वर्ल्ड वॉर-2 के सीन

मुंबई (ईएमएस)। दंगल और छिछोरे जैसी फिल्म बनाकर दर्शकों का मनोरंजन करने वाले निर्देशक नितेश तिवारी की अगली फिल्म बवाल का ट्रेलर जारी हो गया है। इस ट्रेलर को दर्शकों से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। साथ ही यह ट्रेलर दर्शकों को कन्फ्यूज भी कर रहा है। ट्रेलर देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ने मेकर्स से कई तरह के सवाल किए हैं। दरअसल फिल्म में वर्ल्ड वॉर 2 के कॉन्टेक्स्ट में एक लव स्टोरी पेश की गई है, जो लोगों को कन्फ्यूज कर रही है। इससे पहले फिल्म के टीजर को भी कन्फ्यूज्ड पब्लिक रिएक्शन मिला था। ट्रेलर की शुरूआत वरुण धवन के कैरेक्टर अज्जू से होती है जो लखनऊ का रहने वाला है। अज्जू की मुलाकात निशा (जान्हवी कपूर) से होती है। दोनों के बीच कुछ भी कॉमन नहीं है फिर भी दोनों शादी कर लेते हैं। शादी के बाद दोनों यूरोप जाते हैं जहां दोनों की लाइफ में वर्ल्ड वॉर 2 से जुड़ी घटनाओं की असर पड़ने लगता है। फिल्म के कई डायलॉग्स में वर्ल्ड वॉर से जुड़े एग्जाम्पल कोट किए गए हैं। इसमें हिटलर के गैस चैम्बर्स और होलोकॉस्ट की झलक भी देखने को मिली। इस ट्रेलर में हिटलर का भी जिक्र किया गया है। बवाल के इस ट्रेलर को देखने के बाद एक यूजर ने ट्वीट किया कि बवाल के ट्रेलर में लव स्टोरी में हिटलर का एंगल कहां से आ गया? इसके अलावा एक यूजर ने कमेंट किया कि अगर बवाल की कहानी में होलोकॉस्ट को अजीब तरीके से टूटी हुई शादियों से जोड़कर दिखाया जाता है तो यह एक साइन है कि मॉर्डन फिल्म डायरेक्टर्स ने अपना प्लॉट खो दिया है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि मैंने हाल ही में बवाल का ट्रेलर देखा है और मुझे समझ नहीं आता कि इंडियंस को हिटलर से इतना ऑब्सेशन क्यों है? क्या मतलब है कि हम सब थोड़े हिटलर जैसे ही हैं? हम और हिटलर एक जैसे कैसे हो सकते हैं? दंगल और छिछोरे फेम नितेश तिवारी ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है।

जान्हवी कपूर ने हरी साड़ी में दिखाया बवाल लुक, फिल्म का ट्रेलर लांच

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हरी साड़ी में फिल्म बवाल का लुक दिखाकर यूजर्स को खूब लुभया है। वह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बवाल को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में जान्हवी कपूर एक्टर वरुण धवन के अपोजिट नजर आएंगी। वहीं, फिल्म के प्रमोशन्स में व्यस्त जान्हवी ने अपने देसी लुक से कहर ढा दिया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उन्हें ग्रीन और ब्लू कलर के कॉम्बिनेशन में साड़ी और ब्लाउज स्टाइल किए हुए देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने बवाल लुक अपनी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कैरी किया। जान्हवी के लेटेस्ट साड़ी लुक पर गौर करें, तो उन्होंने पैरट ग्रीन कलर की शिफॉन साड़ी पहनी हुई है, जिसपर एक बारीक एम्बेलिश्ड बॉर्डर है। इस साड़ी को उन्होंने एक रॉयल ब्लू कलर के हाल्टर नेक वाले ब्लाउज के साथ पेयर किया है। जान्हवी कपूर का यह लुक फैंस के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। साड़ी के साथ एक्ट्रेस का न्यूड मेकअप भी काफी अट्रैक्टिव लग रहा है। आंखों पर हेवी मस्कारा और न्यूड आइशैडो के साथ ग्लॉसी लिप्स और वेवी खुले बाल काफी जंच रहे हैं। एक्ट्रेस की तस्वीरों को इंस्टाग्राम वर्ल्ड में खूब पसंद किया जा रहा है। अब तक 1 मिलियन से भी ज्यादा लोगों ने उनकी पोस्ट को लाइक किया जा चुका है।

उर्फी जावेद करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू, बड़ी फिल्म का मिला ऑफर

अपने कपड़ों से सबका ध्यान खींचने वाली उर्फी जावेद एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उर्फी की चर्चा कपड़ों की बजह से नहीं बल्कि उनके बॉलीवुड में डेब्यू की चर्चा हो रही है। खबर है कि उर्फी जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। उर्फी को कला जगत की मशहूर डायरेक्टर एकता कपूर ने एक फिल्म ऑफर की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उर्फी को एकता कपूर के 'लव, सेक्स और धोखा' के सीक्वल के लिए चुना गया है। खबर है कि उर्फी को इस फिल्म में लीड रोल ऑफर किया गया है। ऐसे में चर्चा है कि उर्फी जावेद एकता कपूर की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। इस बात का खुलासा उर्फी के एक करीबी शख्स ने किया है। उर्फी के करीबी एक शख्स ने जानकारी दी। उर्फी को फिल्म 'लव, सेक्स और धोखा-2' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए कहा गया है। उर्फी इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने की योजना बना रही हैं। फिल्म लव, सेक्स एंड डेंजर का पहला पार्ट वर्ष 2010 में रिलीज हुआ था। इस बीच उर्फी ने धारावाहिकों में अभिनय करके कला जगत में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने 'बिग बॉस ओटीटी' जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया। वह शो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला' में भी नजर आई थीं।

क्रिकेट स्टार एमएस धोनी निर्मित फिल्म एलजीएम का ट्रेलर जारी

मुंबई (ईएमएस)। क्रिकेट स्टार महेंद्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी ने एक पारिवारिक फिल्म बनाई है, जिसका ट्रेलर भी लांच हो गया है। हालांकि उन्होंने कुछ महीने पहले अपने पहले प्रोडक्शन वेंचर एलजीएम (लेट्स गेट मैरिड) की घोषणा की थी। पारिवारिक मनोरंजन में हरीश कल्याण, इवाना और नादिया मुख्य भूमिका में हैं। धोनी 10 जुलाई को धोनी और साक्षी फिल्म का ऑडियो और ट्रेलर लॉन्च करने के लिए चेन्नई पहुंचे थे। ट्रेलर एक मजेदार पारिवारिक मनोरंजन का वादा करता है जो आधुनिक समय के प्यार और सास-बहू के रिश्ते को दशार्ता है। इसके लिए 9 जुलाई को एमएस धोनी और साक्षी को कड़ी सुरक्षा के बीच चेन्नई एयरपोर्ट पर देखा गया था। दोनों के स्वागत के लिए प्रशंसक हवाई अड्डे पर उमड़ पड़े और उन पर फूल बरसाए। उनका पहला प्रोडक्शन वेंचर, एलजीएम (लेट्स गेट मैरिड), इस महीने के अंत में रिलीज के लिए तैयार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 जुलाई को चेन्नई के लीला पैलेस में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में एलजीएम का ट्रेलर और ऑडियो लॉन्च किया गया। ट्रेलर में हरीश कल्याण और इवाना को एक युवा जोड़े के रूप में दिखाया गया है, जिन्होंने शादी करने का फैसला किया है। हालाँकि, इवाना के किरदार को अपने मंगेतर की माँ के साथ एक ही छत के नीचे रहने में आपत्ति है। इसलिए, वह अपने मंगेतर और उनके माता-पिता के साथ एक यात्रा पर जाने की योजना का प्रस्ताव रखती है, जिससे उन्हें एक-दूसरे को जानने में मदद मिलेगी। हालाँकि, उनकी यात्रा के दौरान, उसका और उसकी सास का अपहरण कर लिया जाता है और उन्हें जंगल में ले जाया जाता है। वे समस्या से कैसे निपटते हैं, यही इस फिल्म की कहानी है। बताया जा रहा है कि लेट्स गेट मैरिड या एलजीएम एक साफ-सुथरी पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है। इवेंट में एमएस धोनी और साक्षी ने खुलासा किया कि उन्होंने चेन्नई के प्रति प्यार के कारण फिल्म का निर्माण करने का फैसला किया।

फिल्म ''चंदू चैम्पियन'' की शूटिंग शुरू

हाल में कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'चंदू चैंपियन' फ्लोर्स पर गई है। इस फिल्म का मुहूर्त शॉट लंदन में शूट किया गया। इस मौके पर साजिद और वर्धा नाडियाडवाला के साथ कबीर खान और कार्तिक आर्यन मौजूद थे। इस दौरान मिनिस्टर ऑफ कल्चर, मीडिया एंड स्पोर्ट्स आरटी स्टुअर्ट एंड्रयू ने भी फिल्म के सेट को विजिट किया। यह तिकड़ी एक असाधारण रियल लाइफ स्टोरी के लिए एकजुट हुई हैं, जिसने सभी को बेहद उत्साह से भर दिया है। इस फिल्म ने ईद जून 2024 को अपनी रिलीज की तिथि बुक की है। साजिद नाडियाडवाला और कार्तिक आर्यन की जोड़ी ने हाल ही में दर्शकों के लिए 'सत्यप्रेम की कथा' की पेशकश की है। जहां फिल्म ने अपनी शानदार कहानी और चार्टबस्टर गानों के साथ देश को पूरी तरह से प्यार के रंग में सराबोर कर दिया, वहीं इसने भारत और दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। 'चंदू चैंपियन' के साथ यह ब्लॉकबस्टर जोड़ी अब एक और दिलचस्प और जबरदस्त कहानी के साथ वापस आ रही है। इस फिल्म को बेहतरीन निर्देशक कबीर खान डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने 'एक था टाइगर', 'बजरंगी भाईजान', '83' जैसी अब तक की कुछ सबसे बड़ी हिट फि ल्में दी हैं और जो उनकी फिल्मोग्राफी, निर्देशन की कला में उनकी महारत को बयां करता है। वहीं यह कार्तिक और कबीर की पहली और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के साथ दूसरी साझेदारी होगी। यह वास्तव में एक बड़ी घोषणा है क्योंकि इंडस्ट्री के तीन दिग्गज एक खिलाड़ी की असल जिंदगी की दिलचस्प कहानी लाने के लिए एक साथ आए हैं। यह फिल्म साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित है।

जॉन अब्राहम के साथ फिल्म ''वेदा'' में नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को ''जी करदा'' और लस्ट स्टोरीज 2 में उनके अभिनय ने फिर से सुर्खियों में ला दिया। तमन्ना ही अब जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। तमन्ना और जॉन की जोड़ी फिल्म ''वेदा'' में नजर आएगी। इस फिल्म को निखिल आडवाणी लेकर आए हैं। इसमें कोई शक नहीं कि जॉन और तमन्ना को एक साथ देखना उनके प्रशंसकों के लिए एक विजुअल ट्रीट होगा। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक ये दोनों एक साथ आएंगे। ये दोनों फिल्म ''वेदा'' करने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक तमन्ना भाटिया जॉन अब्राहम के साथ एक नए प्रोजेक्ट में नजर आएंगे। इसके बारे में जल्द ही खुलासा किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन निखिल आडवाणी कर रहे हैं और वह सात साल बाद एक दमदार कहानी के साथ वापसी करेंगे। तमन्ना इस समय सुर्खियों में हैं। फिल्म लस्ट स्टोरीज 2 में उनकी अभिनय की काफी चर्चा हुई थी। साथ ही अब वह रजनीकांत के साथ एक फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का गाना कावला भी यूट्यूब पर काफी मशहूर हो चुका है। दर्शक जॉन और तमन्ना को एक साथ देखने के लिए उत्साहित हैं। इस फिल्म में ये दोनों कैसी एक्टिंग करेंगे? क्या है इस फिल्म की कहानी? तमन्ना भाटिया आने वाली फिल्मों ''जेलर'', ''भोला शंकर'' में नजर आएंगी। जॉन अब्राहम एक अलग हेयरकट वाले अभिनेता हैं। हाल ही में आई ''पठान'' में उन्होंने नेगेटिव रोल निभाया था। अब वेदा फिल्म में क्या भूमिका निभाएंगी? यह देखना दिलचस्प होगा कि इस फिल्म की कहानी क्या होगी।

द ट्रायल में वकील नोयोनिका की भूमिका में नजर आयेंगी काजोल

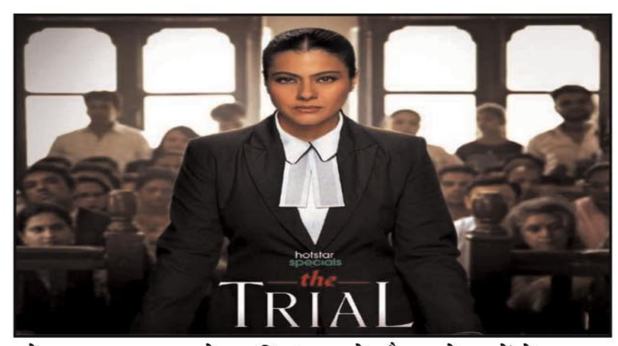

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल जल्द ही अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज द ट्रायल - प्यार, कानून, धोखा में एक वकील नोयोनिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित द ट्रायल-प्यार, कानून, धोखा का सुपर्ण एस. वर्मा ने निर्देशन किया है। इसमें शीबा चड्ढा, जिशु सेनगुप्ता, एली खान, कुब्रा सैत और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सीरीज में, नोयोनिका अपने सपने का पीछा करती है और अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताती है और काम को मैनेज करती है। कजोल ने कहा व्यस्त कार्यक्रम के बाद भी उनके पास एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम है, जो उन्हें अपने काम में एक्सीलेंस हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। काजोल एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि मेरे पास सबसे अद्भुत परिवार है, जो मेरा सपोर्ट करता है। वास्तव में, मेरी सास उन पहले लोगों में से एक थीं जिन्होंने मुझसे कहा कि नीसा के जन्म के बाद मुझे काम करना शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, उसकी चिंता मत करो और हम तुम्हारे लिए हैं। मेरे पति अपना शेड्यूल मेरे अनुसार तैयार करते हैं। इसलिए, अगर मुझे कोई आउटडोर शूट करना है, तो वह सुनिश्चित करते थे कि उनके पास कोई शूट न हो और इसके विपरीत, आप जानते हैं कि हम एक-दूसरे के लिए ऐसा करते हैं। काम और परिवार के बीच एक हेल्दी बैलेंस बनाना इन दिनों एक जरूरी स्किल है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक काम करने और अपने बच्चों से दूर समय बिताने का सवाल है, मेरी मां हमेशा इस बात पर जोर देती थीं कि क्वालिटी हमेशा क्वांटिटी से अधिक महत्वपूर्ण होती है। भले ही आप दिन में 10 मिनट भी बिताते हैं, वह समय अपने बच्चों के साथ बिना किसी ध्यान भटकाए, बिना हाथ में फोन या टीवी चालू किए, बस आप टाइम बिताए। मुझे लगता है कि एक माता-पिता के रूप में यह सबसे अच्छी बात है जो मैं कर सकती हूं।

सुनील शेट्टी को शुरूआत में करना पड़ा था बेहद संघर्ष

अभिनेता सुनील शेट्टी को इंडस्ट्री में अपने शुरूआती दिनों में बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ा। शेट्टी ने साल 1992 में आई फिल्म बलवान से डेब्यू किया था। हालांकि, उन्हें लोकप्रियता साल 1994 में आई फिल्म मोहरा से मिली। उसी साल आई उनकी गोपी किशन भी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। शुरूआत में आलोचकों से भी उन्हें काफी आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी थी। इन चीजों से केवल वही नहीं बल्कि उनकी फैमिली पर भी असर पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि मैंने ये पहले से ही तय कर लिया था कि मैं अपने बच्चों को भारतीय स्कूल में नहीं पढ़ाउंगा। मैं अपने बच्चों को अमेरिकन बोर्ड के स्कूल में पढ़ाना चाहता था। मैं ऐसी फैकल्टी चाहता था जो कि अमेरिकन हो। इसके पीछे वजह ये है कि मैं नहीं चाहता था कि मेरे बच्चों को स्पेशल फील कराया जाए कि वो सिलेब्रिटी के बच्चे हैं या उन्हें बताया जाए कि वे किसके बच्चे हैं। मैं उन्हें एक ऐसी दुनिया में जाने देना चाहता था जहां इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कौन हैं। मुझे लगता है कि ये काम कर गया। मुझे याद है मेरे पिताजी मुझसे कहते थे कि इसके लिए बहुत पैसे खर्च करने होंगे। उन्होंने बेटी आथिया के बारे में बातें करते हुए उन्होंने कहा, हम आथिया को लेकर एडमिशन के लिए अटलांटा गए और वहां उन्होंने कॉलेज देखा। सब कुछ हो गया और उन्हें पसंद भी आया। उनका एडमिशन हो गया और जब हम वापस आ रहे थे, तब उसने मुझसे एयरपोर्ट पर कहा- पापा, मैं ये करके खुश नहीं हूं। फिर मैंने उससे पूछा कि फिर आपको क्या करना है। इस पर आथिया ने मुझसे कहा- मैं फिल्मों में काम करना चाहती हूं। मैंने कहा कि ये अच्छी बात है लेकिन क्या अपनी असफलताओं को स्वीकार कर पाओगे? क्योंकि ये बहुत तनावपूर्ण होता है।

सूडोकु नवताल- 6492

★☆☆☆☆ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6491 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्दजाल - 7239

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'गार' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

रोजगार, कामगार, उदगार, भंगार, बेगार, पगार, मददगार, श्रंगार, आगार, अंगार

श	रा	रो	ज	गा	र	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	का	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	का	म	गा	र	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	अं	गा	र
ट	रा	द	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	द	प	ह	ला	उ	ड़	न	आ
श्रं	ट	बु	अं	गा	म	ट	ह	द	ह	गा
गा	जी	वा	ला	र	र	सौ	न	ट	गा	र
र	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	र
र	ल	भं	गा	र	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बे	गा	र	ह	ट

शब्दजाल - 7238 का हल

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डो	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6192

	3		1		2	
3	29	6	37		31	1
	2			5	6	
5	30	1	30	4	31	6
	6				3	2
2	33	4	31	3	30	7
	1		5		4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6191 का हल

7	6	1	4	2	3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	31	1	30	6
6	1	7	4	3	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

आईसीसी के रेवेन्यू का 38प्रतिशत हिस्सा लेगा बीसीसीआई : 2024-2027 के बीच लेगा 1800 करोड़ रुपए, 90 असोसिएट देशों में बटेंगे 553 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।
आईसीसी बोर्ड ने रेवेन्यू मॉडल जारी किया। इसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई रेवेन्यू का 38प्रतिशत हिस्सा अपने साथ ले जाएगा। 2024 से 2027 के बीच अगले 4 साल में आईसीसी रेवेन्यू से लगभग 5000 करोड़ रुपए कमाएगा। इसमें से 1800 करोड़ रुपए बीसीसीआई के खाते में जाएंगे। यानी रेवेन्यू का 38.5 फीसदी हिस्सा बीसीसीआई लेगा।

10प्रतिशत से ज्यादा रेवेन्यू लेने वाला बीसीसीआई अकेला बोर्ड

10 फीसदी से ज्यादा का रेवेन्यू लेने वाला बीसीसीआई अलग बोर्ड होगा। आईसीसी के मुताबिक बीसीसीआई के अलावा 11 फुल आईसीसी मेंबर्स 10 फीसदी से काम हिस्सा ही ले रहे है। वहीं, बचे 90 असोसिएट मेमबर 553 करोड़ रुपए बाटेंगे।

8 करोड़ रुपए तक बढ़ेगा 5 क्रिकेट बोर्ड का रेवेन्यू

रेवेन्यू का नया मॉडल एक जैसा ही रहेगा, लेकिन इस साल से प्रति वर्ष साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के रेवेन्यू में 8 करोड़ रुपए की वृद्धि होगी।

बीसीसीआई के बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड सबसे ज्यादा रेवेन्यू लेते है।

9 साल पहले बिग-3 ने बनाया था ड्राफ्ट

नया मॉडल मूल रूप से आईसीसी टीम द्वारा विकसित किया गया था और फिर फिनेंशियल और कमर्शियल कमिटी ने देखा और काम किया। इसमें बिग 3 यानी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत के क्रिकेट बोर्ड शामिल थे। इन्होंने पोजीशन पेपर बनाया और आईसीसी डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल का पुनर्गठन किया।

पेपर का मुख्य केंद्र डिस्ट्रीब्यूशन कोस्ट पर था। यह चार मापदंडों पर आधारित था। पहला आईसीसी के रेवेन्यू में बोर्ड का योगदान , आईसीसी के साथ ऐतिहासिक सदस्यता, मेंस और विमेंस क्रिकेट में पिछले 20 सालों में प्रदर्शन और डोमेस्टिक डेवलपमेंट।

मीडिया राइट्स भी बेचेगा आईसीसी

आईसीसी ने साल 2024 से 2031 तक के मीडिया राइट्स बेचने का भी फैसला लिया है। मीडिया राइट्स की भारत में वेल्यू 3 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा की है। वहीं, इसके बाद अमेरिका और ब्रिटैन के मीडिया राइट्स सबसे महंगे है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रिटेन में स्काई स्पोर्ट्स ने 1800 करोड़ रुपए में मीडिया राइट खरीदे है।

न्यूज ब्रीफ

अजीत ने बनाया एशियाई रिकॉर्ड, लेकिन कैटेगरी में किए गए डिसक्वालिफाई; छीना गया स्वर्ण

नई दिल्ली । अजीत पांचाल ने 11 जुलाई को 21.17 मीटर डिस्कस फेंककर एशियाई रिकॉर्ड बनाकर देश को विश्व पैरा एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक दिलाया, लेकिन उनकी यह खुशी कुछ ही देर में गायब हो गई। सूत्र बताते हैं कि उनकी कैटेगरी के खिलाफ प्रोटेस्ट किया गया, जिसमें कहा गया कि अजीत की इंजुरी उतनी घातक नहीं है जिससे वह एफ-52 कैटेगरी में खेल सकें। टोक्यो पैरालंपिक की कहानी पेरिस में खेली जा रही पैरा विश्व चैंपियनशिप में दोहराई गई। अजीत कुमार पांचाल ने डिस्कस थ्रो की एफ-52 कैटेगरी में एशियाई रिकॉर्ड के साथ न सिर्फ स्वर्ण जीता बल्कि पेरिस पैरालंपिक का टिकट भी हासिल किया, लेकिन एक घंटे बाद ही पदक समारोह से ठीक पहले उन्हें डिस्क्वालिफाई कर उनका स्वर्ण छीन लिया गया। विश्व चैंपियनशिप में हुई किरकिरी के पीछे क्लासिफिकेशन का मामला है। अंतरराष्टीय पैरालंपिक कमेटी (आईपीसी) ने अजीत को एफ-52 कैटेगरी में खेलने के अयोग्य घोषित किया है। अजीत पांचाल ने 11 जुलाई को 21.17 मीटर डिस्कस फेंककर एशियाई रिकॉर्ड बनाकर देश को विश्व पैरा एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक दिलाया, लेकिन उनकी यह खुशी कुछ ही देर में गायब हो गई। सूत्र बताते हैं कि उनकी कैटेगरी के खिलाफ प्रोटेस्ट किया गया, जिसमें कहा गया कि अजीत की इंजुरी उतनी घातक नहीं है जिससे वह एफ-52 कैटेगरी में खेल सकें। इसके बाद आईपीसी के क्लासिफिकेशन पैनल ने अजीत को कैटेगरी की समीक्षा के लिए बुला लिया। सूत्र बताते हैं कि तकरीबन चार घंटे तक विवादों के बीच अजीत का क्लासिफिकेशन चला, जिसमें उन्हें एफ-52 से कम घातक इंजुरी वाली कैटेगरी एफ-54 में डाल दिया और उनका स्वर्ण पदक भी छीन कर उन्हें एफ-52 की एंट्री लिस्ट से ही हटा दिया गया। टोक्यो पैरालंपिक में भी इसी कैटेगरी में कांस्य जीतने वाले विनोद कुमार को डिसक्वालिफाई किया गया था।

खेलमंत्री ठाकुर को भारतीय हॉकी टीम के एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का भरोसा

नई दिल्ली । केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारतीय हॉकी टीम अगले माह चेन्नई में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी जीतेगी। खेल मंत्री ठाकुर ने मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, चेन्नई 2023 की प्रतिष्ठित ट्रॉफी का अनावरण करते हुए ये बात कही। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने 'पास द बॉल ट्रॉफी टूर अभियान भी शुरु किया। 'पास द बॉल ट्रॉफी टूर अभियान का लक्ष्य हॉकी प्रशंसकों को उत्साहित करने और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए एक प्रेरक माहौल तैयार करना है। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई में तीन अगस्त से शुरु होगी, जिसमें भारतीय टीम के अलावा दक्षिण कोरिया, मलेशिया, जापान, पाकिस्तान और चीन की टीमें भी शामिल होंगी। यह चैम्पियनशिप 12 अगस्त तक चलेगी। ठाकुर ने कहा कि ट्रॉफी की यात्रा महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह उत्साह पैदा करने के साथ ही लोगों में खेल के प्रति जागरूकता भी बढ़ाती है। इससे युवा खिलाड़ियों को ट्रॉफी देखने और एक दिन टीम इंडिया का हिस्सा बनने का सपना देखने का भी अवसर मिलता है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल: साउथ जोन के विधवत कावेरप्पा ने लिए 4 विकेट; दूसरे दिन वेस्ट जोन- 129/7

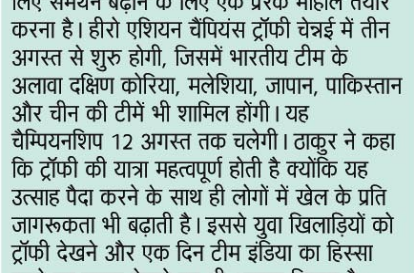

चेन्नई। दलीप ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला साउथ और वेस्ट जोन के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। दूसरे दिन गुरुवार को पहली पारी में वेस्ट जोन ने स्टंप्स तक 7 विकेट के नुकसान पर 129 रन बना लिए हैं। टीम साउथ जोन से 84 रनों से पीछे है। इससे पहले साउथ जोन की टीम ने पहली पारी में 213 रन पर सिमट गई थी। बुधवार को पहले दिन के खेल समाप्त होने तक साउथ जोन ने 182 रन बनाए थे। वहीं गुरुवार को 182 रनों से आगे खेलते हुए 213 रन बनाए। वेस्ट जोन के लिए ओपनर पृथ्वी शॉ और हार्विक देसाई ने 70 रन की पार्टनरशिप की इन दोनों के आउट हो जाने के बाद कोई भी बल्लेबाज पारी को संभाल नहीं सका। उसके बाद आए कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक में रन नहीं बना सका।

भारतीय ओपनर्स की वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे बड़ी पार्टनरशिप

रोहित-यशस्वी ने 229 रन बनाए, पहली बार बिना विकेट गंवाए लीड ली बने रिकॉर्ड्स

रोहित- यशस्वी की ओपनिंग पार्टनरशिप
रन 229 | गेंद 454

नई दिल्ली ।
भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला डोमिनिका के विंडसर पार्क मैदान पर खेला जा रहा है। मुकाबले का दूसरा दिन भारतीय ओपनर्स के नाम रहा। कप्तान रोहित शर्मा और डेब्यू टेस्ट खेल रहे यशस्वी जायसवाल ने 229 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग पार्टनरशिप की। दोनों ओपनर्स ने अपने-अपने शतक भी पूरे किए। कप्तान रोहित और जायसवाल की पारियों ने कई रिकॉर्ड्स बनाए। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब भारतीय टीम ने बिना विकेट गंवाए पहली पारी में लीड हासिल की।

रिकॉर्ड्स

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप - रोहित-जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। यह रिकॉर्ड संजय बांगर और वीरेंद्र सहवाग (201 रन) ने 2002 में बनाया था।

वेस्टइंडीज में सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप - रोहित-जायसवाल की जोड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वेस्टइंडीज में सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप (159 रन) का रिकॉर्ड भी तोड़ा। यह रिकॉर्ड वसीम जाफर और वीरेंद्र सहवाग के नाम दर्ज था। यशस्वी और रोहित ने 229 रन जोड़े।

पहली बार भारतीय ओपनर्स ने दिलाई लीड - भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। जब भारतीय टीम ने बिना विकेट गंवाए लीड हासिल की, यानी भारतीय ओपनर्स ने पहली पारी में अपोनेंट टीम के स्कोर से ज्यादा रन बनाए। रोहित-जायसवाल की ओपनिंग पार्टनरशिप से भारत ने बड़ी आसानी से वेस्टइंडीज पर पहली पारी में 162 रन की बढ़त बना ली। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे।

विंडीज के खिलाफ सेंचुरी लगाने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने रोहित शर्मा - रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ सेंचुरी जमाने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने। उनसे पहले विराट कोहली ने बतौर कप्तान वेस्टइंडीज के खिलाफ सेंचुरी जमाई थी। 1983 में कपिल देव ने सबसे पहले यह कारनामा किया था।

कोहली के 8,500 टेस्ट रन पूरे, सहवाग को पीछे छोड़ा - विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 8,500 रन पूरे किए। कोहली ने वीरेंद्र सहवाग (8,503) को पीछे छोड़ा। अब कोहली सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में वीवीएस लक्ष्मण के बाद पांचवें नंबर पर आ गए हैं।

रोहित शर्मा के 3,500 टेस्ट रन पूरे - भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट करियर में 3,500 रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने 51 मुकाबलों की 86 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की।

डेब्यू टेस्ट में शतक जमाने वाले 17वें भारतीय बैटर बने जायसवाल - वेस्टइंडीज के खिलाफ यशस्वी जायसवाल ने डेब्यू किया और शतक भी जमाया। वे ऐसा करने वाले 17वें भारतीय बल्लेबाज बने। भारत के लिए 1933 में सबसे पहले लाला अमरनाथ ने डेब्यू टेस्ट में शतक लगाया था। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 118 रन की पारी खेली थी। मौजूदा टीम में रोहित शर्मा भी डेब्यू टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही शतक लगा चुके हैं। उन्होंने 2013 में ऐसा किया था। यशस्वी डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे ही भारतीय ओपनर बने। उनसे पहले पृथ्वी शॉ और शिखर धवन ही डेब्यू टेस्ट में ओपन करते हुए शतक लगा सके थे। पृथ्वी ने 134 और धवन ने 187 रन बनाए थे।

वेस्टइंडीज में डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले पहले भारतीय - यशस्वी जायसवाल वेस्टइंडीज में डेब्यू टेस्ट के दौरान सेंचुरी बनाने वाले पहले ही भारतीय बैटर बने। उनसे पहले सुनील गावसकर ने 1971 में डेब्यू टेस्ट की दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई थी। उन्होंने 65 और 67 रन बनाए थे।

यशस्वी ने गांगुली का 27 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा - यशस्वी विदेश में डेब्यू टेस्ट में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बैटर भी बने। उन्होंने 143 रन की नॉट आउट पारी खेलकर पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गांगुली ने 1996 में डेब्यू टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में 131 रन बनाए थे।

डेब्यू पर सबसे ज्यादा गेंदें खेलने वाले भारतीय, 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा - यशस्वी डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में 350 गेंदें खेल चुके हैं। भारत के लिए अपने पहले टेस्ट में उनसे ज्यादा गेंदें किसी ने नहीं खेलीं। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन का 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। अजहर ने 1984 में इंग्लैंड के खिलाफ 322 गेंदें खेली थीं।

सिंधु और सेन यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में

सिंधु ने युन और सेन ने जान को हराया; शंकर भी अगले राउंड में पहुंचे

नई दिल्ली ।
भारत के लक्ष्य सेन यूएस ओपन सुपर-300 बैडमिंटन चैम्पियनशिप में मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। वहीं, पीवी सिंधु भी यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। लक्ष्य ने इससे पहले कनाडा ओपन में खिताब जीता था। सिंधु उस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार गई थीं।

सिंधु ने चीनी ताइपे की खिलाड़ी को हराया

कनाडा ओपन की सेमीफाइनलिस्ट सिंधु ने शुक्रवार को अपने दूसरे राउंड के मुकाबले में दुनिया की 30वें नंबर की चीनी ताइपे की खिलाड़ी सुंग शुओ युन को 21-14, 21-12 से हराया। सिंधु को मैच जीतने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी। सिंधु क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांगजिए से भिड़ेंगी।

लक्ष्य सेन ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में चेक गणराज्य के जान लौडा को 21-8, 23-21 से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में हमवतन शंकर मुथुसामी से भिड़ेंगे। वहीं मेंस सिंगल्स के अन्य मैच में शंकर सुब्रमण्यम भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने अपने दूसरे मुकाबले में इजराइल के मिशा जिल्बरमैन को 21-18, 21-23, 21-13 से शिकस्त दी।

मेंस सिंगल्स में बी साई प्रणीत पहले दिन ही बाहर हो गए थे। प्रणीत को पहले दौर में वर्ल्ड नंबर सात खिलाड़ी चीन के लि शि फेंग से हार का सामना करना पड़ा था। एक घंटे 14 मिनट तक चले इस मैच में टूर्नामेंट के दूसरे सीड शि फेंग ने 16-21, 21-14, 21-19 से हराया।

प्रणीत ने पहला गेम जीत लिया था। उसके बाद लि शि फिंग ने वापसी की और दूसरा और तीसरा गेम जीतकर मैच को अपने पक्ष में कर लिया।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई चानू करेंगी भारतीय चुनौती की अगुवाई, टीम में बिंदिया रानी भी शामिल

नई दिल्ली ।
स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू सितंबर में सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। दो बार की पदक विजेता चानू (49 किग्रा) के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) और अचिंता शेउली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा) भी इस विश्व प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। टोडकर को छोड़कर यही टीम एशियाई खेलों में भाग लेगी। मई में एशियाई चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद यह टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू की पहली प्रतियोगिता होगी। चानू और बिंदियारानी इस समय पूर्व भारोत्तोलक से फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंव कंडिशनिंग' कोच बने डा आरोन होर्शिग के मार्गदर्शन में 65 दिन के शिविर के लिए अमेरिका में हैं। राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा भी इस वक्त अमेरिका में हैं, उन्होंने कहा, मीरा चोटिल नहीं है, हम उनके मजबूत पक्षों पर काम कर रहे हैं। वह विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी।

चार सितंबर से होगी विश्व चैंपियनशिप - विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के बीच काफी कम समय का अंतर है। विश्व चैंपियनशिप आमतौर पर साल के अंत में नवंबर और दिसंबर में कराई जाती है, लेकिन इस बार यह चार सितंबर से शुरू हो रही है और एशियाई खेल 20 दिन के अंदर चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरू होंगे।

चानू के पास बस एशियाई पदक की कमी - एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट नहीं है और चानू के पदकों में केवल एशियाड पदक की कमी है। पूर्व विश्व चैंपियन चानू पिछले साल दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप के पिछले चरण में एक रजत पदक जीता था। लेकिन 2024 ओलंपिक क्वालिफिकेशन नियम के अंतर्गत 2023 विश्व चैंपियनशिप और 2024 विश्वकप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दोनों के अलावा एक भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैंपियनशिप, 2023 महाद्वीपीय चैंपियनशिप, 2023 ग्रां प्री 1, 2023 ग्रां प्री 2 और 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप में से तीन में शिरकत करना होता है।

भारतीय टीम :

महिला: मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदियारानी देवी (55 किग्रा)

पुरुष: अचिंता शेउली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा)।

विम्बलडन का सेमीफाइनल हारे बोपन्ना : डच-ब्रिटिश जोड़ी ने 7-5, 6-4 से हराया; लेडीज सिंगल्स का फाइनल मार्केट-जेबुर के बीच

लंदन।
विंबलडन में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय 43 वर्षीय बोपन्ना सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में ओपन एरा के सबसे उम्रदराज ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनने से चूक गए। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और एबडेन की इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को टॉप सीड वेस्ले कूलहोफ और नील स्कुपस्की की डच-ब्रिटिश जोड़ी ने 7-5, 6-4 से हराया।

दूसरी ओर विमेंस सिंगल्स के फाइनलिस्ट डिसाइड हो गए हैं। ट्यूनीशिया की ओन्स जेबुर ने एक सेट और 4-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराया और लगातार दूसरी बार विंबलडन फाइनल में पहुंचे। चेक रिपब्लिक की मार्केटा वोंद्रोसोवा विंबलडन विमेंस फाइनल में पहुंचने वाली 60 साल में पहली गैरवरीय खिलाड़ी बन गईं, यानी वोंद्रोसोवा की कोई प्रोफेशनल रैंकिंग नहीं हैं।

8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचे थे बोपन्ना

बोपन्ना अपने जोड़ीदार ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन के साथ टालोन ग्रिक्सपुर और स्टीवंस को 6-7 (6-3), 7-5, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने पिछली बार 2015 में टॉप-4 तक का सफर तय किया था। बोपन्ना 2010 में यूएस ओपन (रनरअप) सहित मेंस डबल्स कैटेगरी में चार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना चुके हैं।

बोपन्ना इस साल की शुरुआत में सानिया मिर्जा के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे और मेंस डबल्स में एबडेन के साथ दो एटीपी खिताब जीते थे। कुल मिलाकर, 2010 में यूएस ओपन के रनरअप बोपन्ना ने मेंस डबल्स में चार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची जेबुर

ओन्स जेबुर लगातार दूसरी बार विंबलडन के फाइनल में पहुंची। जेबुर ने एक सेट और 4-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आर्यना सबालेंका को हरा दिया। ट्यूनीशियाई वर्ल्ड नंबर 6 ने 6-7 (5/7), 6-4, 6-3 से जीत हासिल की अब जेबुर शनिवार को खिताब के लिए मार्केटा वोंद्रोसोवा से भिड़ेंगी। जेबुर ने जीत के बाद कहा कि, मुझे अपने आप पर बहुत गर्व है क्योंकि शायद मैं मैच हार जाती और घर वापस चली जाती, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने अपने अंदर स्ट्रैंथ ढूंढी और मैच जीता।

दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगी वोंद्रोसोवा

चेक रिपब्लिक की मार्केटा वोंद्रोसोवा गुरुवार को विंबलडन महिला फाइनल में पहुंचने वाली 60 साल में पहली गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी बन गई, जिन्होंने यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को हराया। वोंद्रोसोवा ने 6-3, 6-3 से जीत हासिल की और अब शनिवार को खिताब के लिए पिछले साल की उपविजेता ओन्स जेबुर से भिड़ेंगी। बाएं हाथ की वोंद्रोसोवा 2019 फ्रेंच ओपन में रनरअप रहने के बाद अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगी।

आईसीसी मेंस और विमेंस टीम को बराबर प्राइज मनी देगा

टेस्ट में स्लो ओवर-रेट पर जुर्माना; टी-20 लीग में 4 विदेशी प्लेयर्स ही खेल सकेंगे

डरबन।
क्रिकेट काउंसिल ने गुरुवार को आईसीसी टूर्नामेंट में मेंस और विमेंस टीमों के लिए बराबर प्राइज मनी देने की घोषणा की। साथ ही टेस्ट क्रिकेट में ओवर रेट से जुड़े प्रतिबंधों में भी बदलाव किए है।

आईसीसी ने कहा कि, यह डिसीजन साउथ अफ्रीका के डरबन में हुई आईसीसी की इयरली मीटिंग में लिया गया।

टीमें अब एक सामान ट्रॉफी में फिनिशिंग पोजीशन से ले कर मैच जीतने तक की प्राइज मनी बराबर ही होगी। जैसे मेंस टी-20 वर्ल्ड कप और विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टूर्नामेंट की टीमों को एक जैसी प्राइज मनी मिलेगी। आईसीसी अपनी अगली इवेंट साइकल में इसे अमल में लाएगा।

आईसीसी ने अब नई टी-20 लीग में चार से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने पर भी रोक लगाई है।

क्रिकेट के इतिहास में बड़ा मोमेंट - अध्यक्ष ग्रेग बार्कले

आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने कहा कि, यह स्टेप क्रिकेट के इतिहास में बड़ा है। 2017 से हम इसे ले कर निरंतर प्रयास कर रहे है। 2017 से ही हम लगातार विमेंस क्रिकेट में प्राइज मनी और मैच फीस बढ़ा रहे है। अब से, आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप मेंस वर्ल्ड कप जीतने पर सामान प्राइज मनी मिलेगा। साथ ही टी-20 और अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए भी ऐसा ही होगा।

2018 के मुकाबले 2023 में 5 गुना बढ़ा है प्राइज मनी

आईसीसी ने अपनी रिलीज में आगे कहा कि, 2020 और 2023 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में विनर को 8 करोड़ रुपए और रनरअप को 4 करोड़ रुपए का प्राइज मनी मिला है जो कि 2018 के मुकाबला 5 गुना ज्यादा है।

टेस्ट क्रिकेट में देरी को रोकने के लिए अब लगेगा फाइन

टेस्ट क्रिकेट में ओवर-रेट बचाने के लिए आईसीसी ने प्लेयर्स को फाइन करने की अनुमति दी। नए नियमों के तहत, इस साल की डब्लूटीसी साइकिल से ओवर रेट में देरी करने पर खिलाड़ियों पर 5 से 50 फीसदी तक का मैच फीस पर जुर्माना लग सकता है।

विशेष रूप से, यदि कोई टीम 80-ओवर करने से पहले ऑलआउट हो जाती है, और नई बॉल नहीं दी जाती है तो देरी के बावजूद भी ओवर-रेट देरी में जुर्मान नहीं लगेगा।

आईसीसी क्रिकेट कमेटी के मेंबर सौरव गांगुली ने कहा कि पिछली डब्लूटीसी साइकिल में हमने 69 मैचों में 12 ड्रॉ खेले थे। हम चाहते है कि ओवर रेट सही चले, ताकि फैंस में भी नाराजगी नहीं हो। ओवर रेट पर जुर्मान जरूरी है।

नई टी-20 लीगों में सिर्फ 4 विदेशी प्लेयर शामिल कर सकेंगे

आईसीसी ने सभी नई टी20 लीग के लिए चार विदेशी खिलाड़ियों को ले कर मंजूरी दी। इसमें असोसिएट देश के खिलाड़ी भी शामिल है। हालांकि, यह रूल शुरू में इंटरनेशनल लीग टी20, अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट और कनाडा के ग्लोबल टी20 जैसे मौजूदा टूर्नामेंट को प्रभावित नहीं करेगा, जिनमें से सभी प्लेइंग इलेवन में चार से अधिक विदेशी खिलाड़ियों को रखने की अनुमति होती है। लेकिन अब इन लीग को भी आने वाले समय में इस बार पर अमल करना होगा।

नेशनल टीमों में प्लेयर्स की कमी होने के कारण आईसीसी ने इस रूल को लागू किया है। पिछले कुछ समय में ख़ास कर के एसोसिएट टीमों के कई खिलाड़ी लीग क्रिकेट में खेल रहे है और इस कारण नेशनल टीम में नियमित रूप से नहीं खेल रहे।

फल व सब्जियों के इन हिस्सों को न समझें बेकार

आपने यह तो सुना होगा कि फलों और सब्जियों को खाना सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी होता हैं लेकिन कुछ सब्जियों और फलों के छिलके भी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। जो आपको कई तरह की बीमारियों से राहत दिलाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि इन फलों और सब्जियों के छिलके का हमारी सेहत से क्या संबंध हैं।

सेब का छिलका

ज्यादातर लोग सेब छीलकर खाते हैं लेकिन सेब के छिलके में भी शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व होते हैं। एक सेब के छिलके में औसतन चार मिलीग्राम क्वेरसेटिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसकी वजह से कोशिकाएं स्वस्थ बनी रहती हैं।

संतरे का छिलका

यह पाचन में सुधार, गैस, उल्टी, हार्ट बर्न और अम्लीय डकार को दूर करने में मदद करता है। यह भूख बढ़ाता है और मतली से राहत दिलाने का काम करता है। इसके अलावा यह मोटे व्यक्तियों में हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

गोभी की पत्तियां

गोभी की हरी पत्तियों को हम नजरअंदाज कर जाते हैं और गोभी की सब्जी बना कर खा जाते हैं। लेकिन इन हरी पत्तियों में विटामिन काफी मात्रा में पाया जाता है जो कि अन्य सब्जियों में बड़ी ही मुश्किल से प्राप्त होता है।

ब्रोकली की डंडी

हरी पत्तेदार सब्जियों में ब्रोकली सबसे ऊपर है क्योंकि लोग इसकी आवश्यकता को जानने लगे हैं। इसमें बहुत सारा एंटी ऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम और मैगनीशियम पाया जाता है। इसको खाने से लो बीपी की समस्या कंट्रोल में रहती है।

अनार का छिलका

अनार के छिलके को धूप में सुखा कर पाउडर के रूप में तैयार करने के बाद इसे स्वच्छ पानी के साथ फांकने से पुरानी से पुरानी पेचिस जल्द ही खत्म हो जाती है। इस चूर्ण को तब तक लें जब तक समस्या पूरी तरह से ठीक ना हो जाए।

करेले का छिलका

करेले के छिलकों को निचोड़ कर नमक लपेट करके लगभग एक घंटे तक तेज सूर्य की किरणों में सुखाएं। फिर इसे तलकर इस्तेमाल में लाएं। यह मधुमेह की मार झेल रहे रोगियों के लिए औषधि के रूप में साबित होगा।

तरबूज का छिलका

तरबूज के छिलके को उतार कर कभी ना फेंके। इसमें मौजूद अमीनो एसिड को एल-सिट्रलाइन कहते हैं जो एथलीट की कार्यक्षमता को बढ़ाने के साथ ही मांसपेशियों के दर्द को भी दूर करता है। सिट्रलाइन रक्त में मौजूद नाइट्रोजन की मात्रा को हटाने में भी मददगार साबित होता है।

आलू का छिलका

आलू के छिलके खाने वालों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इसमें फाइबर पर्याप्त मात्रा में होता है जो स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसी के साथ इसमें विटामिन बी, विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम भी काफी मात्रा में पाया जाता है। जो सेहत के लिए उपयोगी हैं।

ज्यादा नींबू पानी पीना हो सकता है खतरनाक

लोग अक्सर अपने सादे पानी को जरा से टेस्ट देने के लिए नींबू मिलाते हैं तो कुछ लोग खुद को पतला रखने के लिए नींबू पानी पीते हैं। लेकिन इसका ज्यादा सेवन करने से आपको कई नुकसान भी हो सकते हैं। यह आपको वेट लॉस प्लान का हिस्सा तो बन सकता है पर इसकी ज्यादा मात्रा आपको बीमार भी बना सकती है।

दांत बहुत ज्यादा संवेदनशील

नींबू में सिट्रस एसिड होता है। जिसके संपर्क में आने से दांत बहुत अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। सिट्रस एसिड के भाव से दांतों की सबसे बाहरी परत को नुकसान पहुंचता है। जिससे कुछ भी ठंडा या गर्म खाने या पीने पर दांतों में झनझनाहट होने लग जाती है।

एसिडिटी की समस्या

अगर आपको पहले से ही गैस की समस्या है तो नींबू पानी का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। नींबू पानी पीने से

एसिडिटी या गैस की समस्या बढ़ सकती है। जिसका असर पाचन क्रिया पर भी पड़ता है।

स्टोन का खतरा

नींबू में सिट्रस एसिड के अलावा ऑक्सलेट की भी पर्याप्त मात्रा होती है। नींबू पानी का ज्यादा सेवन करने से ये क्रिस्टल के रूप में शरीर में जमा हो जाता है। जिससे किडनी स्टोन होने का खतरा बढ़ जाता है।

पानी की कमी का खतरा

नींबू पानी पीने से बार-बार पेशाब आती है। जिससे डीहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। डीहाइड्रेशन की स्थिति कई बार बहुत खतरनाक हो जाती है जिसमें पीड़ित की मौत भी हो जाती है।

हड्डियां कमजोर होती हैं

बहुत अधिक नींबू पानी पीने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। नींबू में अम्लीयता होती है जिसकी वजह से हड्डियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि नींबू पानी का सेवन नियंत्रित मात्रा में चिकित्सक के परामर्श से करें।

वजन कम करने के साथ रोग से दूर रखती है लीची

•••••में कई स्वादिष्ट फलों का मजा लिया जा सकता है। इन्हीं में से एक है लीची। यूं तो लीची का उत्पादन मुख्य तौर पर चीन में होता है लेकिन अब दुनियाभर में कई देशों में होने लगा है।

•••••••••••• वैसे तो बहुत से फलों में फ्लेवर्ड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि कैंसर से बचाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन लीची में कीमोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स भी होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, लीची ब्रेस्ट कैंसर के सेल्स को नष्ट करने में मदद करती है।

••••••••••••••••••

••••• पोटैशियम एक मिनरल है जो कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हाइपरटेंशन से जूझ रहे लोगों को पोटैशियम से भरपूर लीची खाने की सलाह दी जाती है। एक कप लीची में 350 ग्राम तक पोटैशियम होता है।

•••••••••••••••

•••स्ट्राबेरी के बाद लीची दूसरे नंबर पर एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड माना जाता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड खाने से तनाव कम होता है और 50 फीसदी तक दिल की बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

•••••••••••• लीची में मात्र 125 कैलोरी होती है। इसमें फैट भी बहुत कम होता है। ऐसे में वजन कम करने के लिए लीची का सेवन किया जा सकता है।

विटामिन बी से भरपूर लीची में विटामिन के और ई भी पाया जाता है। इसके खाने से रेड ब्लड काउंट्स सही होते हैं। लीची अपने आप में एक नैचुरल पेन किलर है। ये डैमेज टिश्यूज को सही करता है, इम्यून सिस्टम बढ़ाना हो तो भी लीची का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन सी से भरपूर लीची को रोजाना खाएंगे तो कोल्ड और फ्लू से होने वाली सिकनेस से बच सकते हैं। त्वचा को दमकाना है तो भी लीची का सेवन किया जा सकता है, यदि आप एक्ने की समस्या से गुजर रहे हैं तो गर्मियों में लीची का सेवन करना ना भूलें।

इन बातों को नजर अंदाज किया तो हो जाएंगे बीमार!

••••स्वास्थ की कामना हर कोई करता है। सेहत खराब होने पर परेशानी अलग से उठानी पड़ती हैं और खर्चा अलग से करना पड़ता लेकिन क्या हम सच में अपनी सेहत को लेकर फिक्रमंद हैं? हमारा लाइफस्टाइल तेजी से बदलता जा रहा है। खाने पीने, उठने-बैठने की आदतें बदलती जा रही हैं जो हमारी सेहत पर बुरा असर डाल रही हैं। अगर आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो इन बातों को अनदेखा न करें।

- लड़का हो या लड़की आजकल दोनों फॉर्मल शर्ट के साथ टाई का इस्तेमाल करते हैं लेकिन आपको बता दें कि कसी हुई टाई बांधने से आंखों की रोशनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- पेट की दिक्कत और चर्म रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसकी एक वजह है चाय और उसके साथ लिया जाने वाला नमकीन।
- बहुत ज्यादा झुककर पढ़ने से आंख, फेंफड़े और रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है।

- सिगरेट-तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने से दिमाग की हजारों कोशिकाएं नष्ट होती हैं जिनका पुनर्निर्माण कभी नहीं होता।
- पेट बाहर निकलने का मुख्य कारण खाने के बाद तुरंत पानी पीना। खड़े होकर या कुर्सी पर बैठकर खाना। भोजन हमेशा जमीन पर बैठकर करें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना कई गंभीर रोगों को आमंत्रण देना है।
- फ्रिज से तुरंत निकला ठंडा पदार्थ खाने से बड़ी आंत सिकुड़ती है।
- भोजन के तुरंत बाद नहा लेने से पाचन शक्ति खराब होती है। इसी तरह भोजन के पश्चात ज्यादा मेहनती काम करने से भी पाचनशक्ति कमजोर होती है।
- भोजन करने के पश्चात मूत्र त्याग अवश्य करे। ऐसा करने से अनावश्यक गर्मी, कब्ज और पथरी से बचा सकता है।
- जब कुल्ला करें तो आंखों को जरूर धोएं। भोजन के बाद हाथ धोकर गीले हाथ आंखों पर लगाएं। यह आंखों को गर्मी से बचाता है।
- तली चीजों, फल, दूध से बनी मिठाई खाने के तुरंत बाद पानी न पीएं।
- हमेशा सिर से नहाना शुरू करें। अगर सिर नहीं धो रहे तो पहले मुंह धोएं। पहले पैरों पर पानी डालने से गर्मी का प्रवाह ऊपर की ओर होता हैं जो आंख, दिमाग जैसे संवेदनशील अंगों को क्षति पहुंचाता है।
- नहाने के कुछ पहले एक गिलास ताजा पानी पीएं। इससे हाई ब्लड प्रैशर की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।
- काफी लेट सोने से इम्युन सिस्टम कमजोर होने लगता है।
- खड़े होकर पानी पीने से घुटनों और जोड़ों के रोग होते हैं। इसी तरह खड़े होकर मूत्र त्याग करने से रीढ़ की हड्डी के रोग हो सकते हैं।
- खांसी, छींक, जम्हाई, बाथरूम, आंसू आदि को कभी न रोकें। इनके रोकने से गंभीर रोग हो सकते हैं। भूख लगने पर खाना जरूर खाएं। सुबह खाली पेट पानी जरूर पीएं। यह हमें बहुत सारी बीमारियों से दूर रखता है।
- जितना हो सके तनाव, चिंता और ज्यादा सोच-विचार से दूर रहें। संपूर्ण नींद लें।

जानें क्या है अकिलीज टेन्डिनोपैथी

•••के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। चलिए अकिलीज टेन्डिनोपैथी या स्नायुजाल के दर्द के बारे में विस्तार से जानें।

कई तरह के दर्द

अकिलीज टेन्डिनोपैथी आमतौर पर अकिलीज टेंडिनाइटिस या स्नायुजाल की समस्या नाम से भी जानी जाती है। एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षणों में एड़ी के ऊपर वाले संयोजी ऊतकों में साधारण से तेज दर्द होता है। हर व्यक्ति में इस दर्द के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं।

किसको अधिक होती है यह समस्या

अकिलीज टेंडन का दर्द का सामना उन लोगों को ज्यादा करना पड़ता है, जो स्नायुजाल का अधिक उपयोग करते हैं, मसलन उछलने, कूदने या दौड़ने आदि गतिविधियां अधिक करते हैं, जैसे कि एथिलीट या कोई अन्य खिलाड़ी। आमतौर पर अचानक से बहुत ज्यादा पैरों की गतिविधि वाला कार्य करना शुरू करने वाले 30 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों में ये अधिक देखने को मिलता है।

अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण

अकिलीज टेंडन अर्थात स्नायुजाल की समस्या के लक्षणों को अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण और अकिलीज टेंडन रप्चर को दो वर्गों में बांटा कर समझा जा सकता हैं। इनके लक्षणों में निम्न शामिल होते हैं।

- एड़ी की पीछे, स्नायुजाल वाले भाग में सूजन या बिना सूजन के दर्द (हल्का व तेजह्य दोनों हो सकता है) होना।
- सुबह के समय स्नायुजाल क्षेत्र में चिपचिपापन होना।
- एड़ी में जोड़ में अकड़न होना।
- पैरों को हिलाने-डुलाने में दिक्कत महसूस होना या पैर का बार-बार शिथिल हो जाना।

अकिलीज टेंडन रप्चर के लक्षण

अकिलीज टेंडन रप्चर में अचानक तेज दर्द (मानो टेंडन पर बहुत जोर से चोट लगी हो) होता है। जब टेंडन में रप्चर होता है तो रेप्चर वाले स्थान पर उभार जैसा आ जाता है। इसके अलावा इसके लक्षणों में सूजन होना और सूजन वाली जगह का रंग नीला हो जाना, एडी में तीव्र दर्द होना तथा पैर में इतना दर्द कि पैर को नीचे भी न रखा जाए आदि शामिल होते हैं। अगर स्नायुजाल में मामूली चोट लगी हो तो व्यक्ति चल-फिर सकता है और ऐसे में दर्द भी कम होता है।

रेसिपी

सब्जी का सालन

सामग्री

1 1/2 कप कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जिया, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप ताज़े टमाटर का पल्प, 3/4 कप फेंटा हुआ दही,1/2 कप नारीयल का दूध, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **पीसकर सूखा पाउडर बनाने के लिए:** 3 लौंग, 3 कालीमिर्च, 3 इलायची, 1/2 टी-स्पून जायफल पाउडर

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज़ के पार्दर्शी होने तक भुन लें। हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर कुछ सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भुनें। प्याज़ को जलने से बचाने के लिए थोड़ा पानी छिड़कें। टमाटर का पल्प और दही डालकर अच्छी तरह मिलाए और लगातार हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। मिली-जुली सब्जियां और नारीयल का दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उबाल लें। ढ़ककर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3-4 मिनट तक पकाऐं। सूखा पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए और 1 मिनट तक पकाऐं। गरमा गरम परोसें।

चीज़ कॉर्न बॉल्स रैप

सामग्री

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: 2 स्पून मक्खन, 2 1/2 स्पून मैदा, 1/2 कप दुध, 3/4 कप क्रश किए मकई के दानें, 2 स्पून हरी मिर्च, 1/3 कप चीज, नमक स्वादानुसार, **सालसा के लिए:** 2 स्पून तेल, 2 स्पून लहसुन पेस्ट, 2 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 कप हरी प्याज के सफेद भाग, 1/2 कप शिमला मिर्च, 1 कप कटे टमाटर, 1/2 स्पून विनेगर, 1/2 स्पून ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, 4 रोटी, 2 कप कटा हुआ लैट्यूस, 8 स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स

विधि

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मक्ख़न गरम करें और आटा डालकर एक मिनट तक पका लें। दुध डालकर, धीमी आंच पर, मिश्रण के गाढ़ा होने तक और पैन के किनारों से अलग होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। क्रश की हुई मकई, हरी मिर्च, चीज़ और नमक को गाढ़े दुध में डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 12 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को गोल बॉल बना लें। प्रत्येक बॉल को ब्रेड क्रम्बस् में रखकर सभी तरफ से लपेट लें। कढ़ाई में तेल गरम करें, और बॉल्स् को मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर एक तरफ रख दें। **पके हुए सालसा के लिए:** गहरे पैन में तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च का पेस्ट, हरी प्याज़ के सफेद भाग और शिमला मिर्च डालकर, प्याज़ के पार्दर्शी होने तक मध्यम आँच पर भुन लें। टमाटर, विनेगर, ऑरेगानो और नमक डालकर हल्के हाथों मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी:** रोटी को साफ सूखी जगह पर रखें और बीच में 1/2 कप लैट्यूस रखें। ऊपर 3 चीज़ बॉल्स् रखें। पके हुए सालसा का 1/4 भाग और 2 टेबल-स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स् छिड़कें और अच्छी तरह रोल कर बंद कर लें। बचे हुए सामग्री का प्रयोग कर 3 और रैप बनाएं। प्रत्येक रैप पर टीशू पेपर लपेटकर तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**